रांची, शनिवार
14.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 101, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

बिहान भारत

खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

मुख्यमंत्री ने झारखंड पुलिस को 1,485 आधुनिक वाहन सौंपे, अत्याधुनिक 12 नए थानों का किया ऑनलाइन शिलान्यास

शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक शांति, कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी पुलिस कीः मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा परिसर में आयोजित एक समारोह में झारखंड पुलिस को कुल 1,485 आधुनिक वाहनों का वितरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों में स्थापित होने वाले 12 नए थानों का ऑनलाइन शिलान्यास भी किया। उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर इन नए थानों की आधारशिला रखी और हरी झंडी दिखाकर पुलिस के लिए आवंटित वाहनों को रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न श्रेणियों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए।

मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक शांति, कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी पुलिस की है। इन्हें सुदृढ़ करने के लिए आधुनिक वाहनों का यह लोकार्पण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज होगा। उन्होंने कहा कि नए वाहनों की उपलब्धता से पुलिस बल की गतिशीलता, प्रतिक्रिया क्षमता और क्षेत्रीय निगरानी में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण संभव हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अपराध नियंत्रण, नागरिक सुरक्षा और पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन आधुनिक वाहनों और नए थानों की उपलब्धता से पुलिस की कार्यक्षमता, प्रतिक्रिया समय तथा क्षेत्रीय निगरानी तंत्र में गुणात्मक सुधार होगा, जिससे आम जनता को त्वरित एवं विश्वसनीय सुरक्षा सेवाएं सुनिश्चित की जा सकेंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में राज्य में बेहतर निगरानी व्यवस्था विकसित होगी और अपराधी अपराध करने से पहले सौ बार सोचने को मजबूर होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य गठन के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में आधुनिक वाहनों को झारखंड पुलिस को एक साथ उपलब्ध कराया जा रहा है। यह 25 वर्ष पूरे कर चुके झारखंड के सफर में पुलिस आधुनिकीकरण की दिशा में एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक से लैस वाहनों और संसाधनों के माध्यम से पुलिस विभाग अपने कार्य के नए आयामों को छूने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में घटित घटनाओं को लेकर झारखंड पुलिस ने कई मामलों में त्वरित एवं सार्थक कार्रवाई की है, जिससे जनता का विश्वास मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में घटित एक जघन्य घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत दो नाबालिग बच्चों के अपहरण के मामले में झारखंड पुलिस की तत्परता और ईमानदार प्रयासों के परिणामस्वरूप बच्चों को शीघ्रता से बरामद किया गया तथा अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय बच्चा चोर गिरोह का पदार्फाश भी किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे उदाहरण यह दशार्ते हैं कि झारखंड पुलिस नई तकनीक और नवाचार के साथ अपराध रोकथाम की दिशा में प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से अपेक्षा की कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सकारात्मक सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पुलिस के साथ-साथ हम सभी नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि समाज में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाएं, समय पर सूचना दें तथा पुलिस के साथ समन्वित सहयोग स्थापित करें। उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस के बीच विश्वास, संवाद तथा सहयोग की कड़ी जितनी मजबूत होगी, राज्य की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था उतनी ही सुदृढ़ होगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि वे निष्ठा, ईमानदारी तथा संवेदनशीलता के साथ राज्य की सेवा में अपना योगदान देंगे। समारोह में उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वे निष्ठा, संवेदनशीलता और तत्परता के साथ जनसेवा को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें तथा कमजोर और वंचित वर्गों की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दें।

इस अवसर पर झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो, मंत्री राधाकृष्ण किशोर, संजय प्रसाद यादव, डॉ. इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय, शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, वंदना दादेल, डीजीपी, तदाशा मिश्रा सहित झारखंड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रथम चरण में कुल 636 पेट्रोलिंग वाहन एवं 849 दोपहिया वाहन विभिन्न जिलों और पुलिस थानों को सौंपे

झारखंड पुलिस के लिए राज्य सरकार द्वारा कुल 1255 पेट्रोलिंग वाहन और 1697 दोपहिया वाहनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन स्वीकृत वाहनों में से प्रथम चरण में 636 पेट्रोलिंग वाहन तथा 849 दोपहिया वाहन विभिन्न जिलों एवं पुलिस थानों को आवंटित किए जा रहे हैं। यह आधुनिक वाहन गश्ती, क्विक रिस्पॉन्स, ग्रामीण क्षेत्रों में गश्त, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी और आपराधिक गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सदन में आज सुबह 10 बजे से शुरू होगी कार्यवाही : स्पीकर

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शनिवार 13 मार्च 2026 को सदन की कार्यवाही सुबह 10 बजे से शुरू होगी। यह जानकारी विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) रबीद्र नाथ महतो ने शुक्रवार को सदन में आहूत दूसरी पाली की बजट सत्र में कटौती प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान दी। उन्होंने कहा कि बजट सत्र में ध्यानाकर्षण से जुड़े कई प्रस्ताव लंबित हैं। जिसे देखते हुए सदन की कार्यवाही शुरू होने के एक घंटे पहले शुरू की जाएगी। इस दौरान खासकर ध्यानाकर्षण प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी, ताकि सदन में लंबित मामलों का निबटारा किया जा सके।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जो कहते हैं वह करते हैं : कल्पना सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची। विधानसभा में बजट सत्र के दौरान विधायक कल्पना सोरेन ने सदन में शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जो कहते हैं, वह करके दिखाते हैं। कल्पना सोरेन अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के बजट सत्र की मांग पर कटौती प्रस्ताव के विपक्ष में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि अबुआ सरकार न डरती है और न झुकती है। यह बजट महिलाओं के सम्मान, बच्चों के भविष्य और सामाजिक न्याय को समर्पित है।

उन्होंने कहा कि राज्य के विकास में महिलाएं अब कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रही हैं और झारखंड की आधी आबादी के लिए पहली बार इस तरह की योजनाएं लाई गई हैं।

उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना के लिए बजट में 14,065 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसके तहत राज्य सरकार अपने संसाधनों से महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने का काम कर रही है। भाजपा शासित किसी भी राज्य ने अपने चुनावी वादों को इस तरह पूरा नहीं किया है, जबकि झारखंड सरकार ने इसे लागू कर दिखाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने छात्रवृत्ति की राशि में कटौती कर दी है।

कल्पना सोरेन ने कहा कि सावित्रीबाई फुले योजना का उद्देश्य किशोरी बच्चियों में आत्मविश्वास बढ़ाना और बाल विवाह को रोकना है। उन्होंने कहा कि यह बजट आने वाली पीढ़ी को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बजट में महिलाओं की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत और बच्चों की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत रखी गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लगभग 18-19 वर्षों के शासनकाल में राज्य में 12 लाख लोगों को पेंशन से जोड़ा गया था, जबकि अबुआ सरकार के पांच-छह वर्षों में ही 34 लाख लोगों को पेंशन का लाभ दिया गया है। अबुआ सरकार रांची से नहीं गांव से चलती है। आम लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर काम किया जा रहा है।

राज्य के 18.8 लाख किसानों को मिली पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुक्रवार को देशभर के 9.32 करोड़ किसानों को जिसमें झारखंड के 18.8 लाख किसान भी शामिल हैं, को पीएम किसान सम्मान निधि का 22वीं किस्त किसानों के खाते में भेजे जाने का प्रदेश भाजपा ने स्वागत किया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने कहा कि मोदी सरकार गांव गरीब किसान के कल्याण केलिए संकल्पित और समर्पित है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि किसान सम्मान निधि जो प्रतिवर्ष तीन किस्तों को मिलाकर छह हजार रुपये होती है, किसानों को बड़ी राहत प्रदान करती है। किसान खाद, बीज कीटनाशक दवाइयां खरीदने केलिए उधार और कर्ज लेने के लिए विवश नहीं है। समय पर किसान सम्मान निधि मिलने से किसान उसका कृषि कार्य में सदुपयोग भी करते हैं।

झारखंड के 15 नवप्रोन्नत आईएएस को मिली पोस्टिंग

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के नवप्रोन्नत 15 अधिकारियों की विभिन्न विभागों में पोस्टिंग की है। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है। सभी अधिकारियों को अगले आदेश तक अलग-अलग विभागों में नियुक्त किया गया है।

जारी अधिसूचना के अनुसार दिलेश्वर महतो को गुमला का उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, इशतियाक अहमद को कार्मिक विभाग का संयुक्त सचिव, विधानन्द शर्मा पंकज को स्वास्थ्य विभाग का संयुक्त सचिव, संगीता लाल को परिवहन विभाग का संयुक्त सचिव, रोबिन टोप्पो को श्रम विभाग का संयुक्त सचिव बनाया गया है। इसके अलावा नयन तारा केरकेट्टा कृषि विभाग का निदेशक (प्रशासन), अरुण कुमार सिंह को ग्रामीण विकास विभाग का संयुक्त सचिव, आलोक शिकारी कच्छप को समेकित जनजाति विकास अभिकरण, खूंटी का परियोजना निदेशक, अनिलसन लकड़ा को योजना एवं विकास विभाग का संयुक्त सचिव, नागेंद्र पासवान को पूर्वी सिंहभूम जिला परिषद का उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, सुबोध कुमार को मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग का संयुक्त सचिव सह संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, आसिफ एकराम को पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग का निदेशक बनाया गया है। साथ ही नीरज कुमार सिंह को उद्योग विभाग का संयुक्त सचिव, जुल्फीकार अली को नगर विकास एवं आवास विभाग का संयुक्त सचिव, अर्चना मेहता को राज्यपाल सचिवालय का संयुक्त सचिव बनाया गया है।

रिक्शे से विधानसभा पहुंचे मंत्री इरफान-शिल्पी, पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ किया प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शुक्रवार को रिक्शे से विधानसभा पहुंचे।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी खुद रिक्शा चला रहे थे। जबकि कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की रिक्शे में बैठी थीं और उनके हाथों में विरोध से जुड़ी तख्तियां थीं। तख्तियों पर पेट्रोल डीजल की मार, जनता

हो रही लाचार और महंगी गैस-महंगा तेल, आम आदमी हुआ फेल जैसे नारे लिखे थे।

विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्रियों ने कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इससे आम जनता काफी परेशान है और गरीब परिवारों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि देश की आर्थिक स्थिति को लेकर भी चिंता बढ़ रही है उन्होंने कहा कि अगर यही हालात बने रहे तो देश की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है और गलत नीतियों के कारण स्थिति और कठिन हो रही है।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड एक गरीब राज्य है और यहां के लोग महंगाई की मार झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं और गरीब परिवारों को गैस के बढ़ते दामों से सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। इसी के विरोध में वे आज रिक्शा से विधानसभा पहुंचे हैं।

मंत्रियों के इस अनोखे विरोध प्रदर्शन को लेकर विधानसभा परिसर में काफी चर्चा रही। उन्होंने कहा कि महंगाई के मुद्दे पर आगे भी इस तरह से विरोध जारी रहेगा।

दुमका : एसीबी ने 10 हजार घूस लेते प्रधान लिपिक और अनुसेवक को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

दुमका। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी)की टीम ने 10 हजार रुपए नगद रिश्वत लेते भू-अर्जन कार्यालय, देवघर के लिपिक निरंजन कुमार और अनुसेवक नुनुदेव प्रसाद को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। निगरानी की टीम ने यह कार्रवाई देवघर जिला के कुंडा थाना क्षेत्र के गौरीपुर गांव निवासी ब्रह्मदेव यादव के लिखित शिकायत पर की।

वादी ब्रह्मदेव यादव ने निगरानी को दिए लिखित शिकायत में बताया कि जिला अंतर्गत बाईपास रोड निर्माण में अधिग्रहित जमीन की मुआवजा राशि 4.41 लाख रुपए का 05 प्रतिशत रिश्वत की मांग की गई थी। मुआवजा राशि की 05 प्रतिशत 20 हजार रुपए

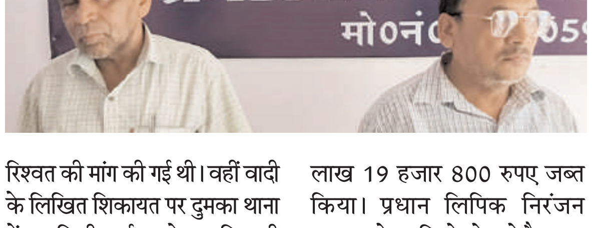

रिश्वत की मांग की गई थी। वहीं वादी के लिखित शिकायत पर दुमका थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए निगरानी की टीम ने सत्यापित करते हुए टीम गठित की। इसके बाद टीम ने भू-अर्जन कार्यालय, देवघर से 10 हजार रुपए घूस लेते अभियुक्त प्रधान लिपिक और अनुसेवक को धर दबोचा। हिरासत में लेकर निगरानी की टीम ने जब प्रधान लिपिक की देवघर स्थित सरकारी आवास का तलाशी लेते हुए 03 लाख 19 हजार 800 रुपए जब्त किया। प्रधान लिपिक निरंजन कुमार गोड्डा जिले के पोड़ैयाहाट थाना क्षेत्र के रेवदांड और अनुसेवक नुनुदेव प्रसाद जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र के दोर बहियारी गांव का निवासी है। एसीबी की टीम ने गिरफ्तार प्रधान लिपिक और अनुसेवक के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए दुमका लायी। इसके बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

शिक्षिका बनकर बीडीओ ने समझाया एसआईआर का काम, ब्लैकबोर्ड पर लिखकर दी जानकारी

बिभा संवाददाता

खूँटी । प्रखण्ड मुख्यालय के सभागार से शुक्रवार को जोरजोर से एक महिला के द्वारा पढ़ाने की आवाज बाहर से सुनाई दे रही थी। जब जाकर देखा गया तो सभागार के अंदर ढेर सारी महिलाएं थीं। जिसे एक शिक्षिका जैसी महिला ब्लैकबोर्ड पर लिख लिख कर समझा रही थी। ये कोई और नहीं बल्कि प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी थी। जो बुथ स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर एसआईआर के क्षेत्र में कार्य करने के बारे जानकारी दे रही थी।

बता दें कि, जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारने के लिए शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय में बूथ स्तरीय पदाधिकारियों (बीएलओ) की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने की।
बैठक के दौरान बीडीओ ज्योति कुमारी ने एक शिक्षिका की तरह श्यामपट्ट (ब्लैकबोर्ड) पर लिख-लिख कर बीएलओ को कार्य की पूरी प्रक्रिया समझाई। उन्होंने घर-घर जाकर जानकारी संकलित करने, मतदाताओं का सत्यापन करने तथा प्रत्येक घर के सदस्यों का सही विवरण दर्ज करने के तरीके विस्तार से बताए, ताकि बूथ स्तरीय पदाधिकारियों को कार्य करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।
बीडीओ ने कहा कि एसआईआर के तहत सभी घरों के व्यक्तियों, मतदाताओं तथा घरों का विशेष पुनरीक्षण करना आवश्यक है। यह कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए, ताकि मतदाता सूची को सही और अद्यतन बनाया जा सके। उन्होंने बीएलओ को पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करने का निर्देश दिया।
बैठक के दौरान बीडीओ द्वारा ब्लैकबोर्ड पर पढ़ाने के अंदाज में प्रशिक्षण देने की शैली की भी खूब चर्चा रही। बीएलओ को भी इससे कार्य की प्रक्रिया को समझने में काफी सहूलियत मिली।
इस अवसर पर प्रखंड कार्यालय के कर्मी, पंचायत सेवक तथा सभी बूथ स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

चोरों ने ग्राहक सेवा केन्द्र का दरवाजा तोड़कर पैसा व सामान चुरा ले गये

खूँटी । जिले के मुरहू प्रखण्ड अंतर्गत मुण्डा कुंजला स्थित पंचायत सचिवालय के ग्राहक सेवा केंद्र में वृहस्पतिवार की रात चोरों ने केंद्र का दरवाजा तोड़कर उसमें रखे लगभग 15 हजार रुपए चोरी कर लिये। साथ ही, सीसीटीवी कैमरा और डीजीटल कैमरा की चोरी कर ली।ग्राहक सेवा केन्द्र का संचालक मुकेश कुमार ने बताया कि पंचायत सचिवालय सामने का दरवाजा बंद था। चोर छत पर चढ़े और फिर छत का दरवाजा खुला पाया । जिससे अंदर घुसकर नीचे उतरा फिर केंद्र का दरवाजे को जलाने का प्रयास किया । लेकिन वो भी नहीं जला तो ताला तोड़का कोशिश किया । जब ताला भी न टूटा दरवाजे को ही तोड़ दिया। फिर ड्रावर खंगाला । जहाँ खुदरा नोट लगभग 15 हजार रुपए थे जिसे पहले निकाला और फिर सीसीटीवी कैमरा , डीजिटल आदि ले गया है। लेकिन लेपटॉप और अन्य सामानों को वहीं छोड़ दिया। भुक्तभोगी संचालक ने बताया कि थाने में मामला दर्ज करा दिये हैं। वहीं पैसा व सामान चोरी होने से केंद्र संचालन के लिए संचालक को समस्या खड़ा कर दिया है।इधर, पुलिस भी अनुसंधान में जुट गया है।

महंगाई के कारण घरेलू बजट पर सीधा असर पड़ रहा है : संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

रांची: बढ़ती महंगाई और घरेलू गैस की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में झारखंड विधानसभा के बाहर पोटका के विधायक संजीव सरदार ने अपने अन्य विधायक साथियों के साथ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ झारखंड के सत्ता पक्ष द्वारा किया गया, जिसमें महंगाई और गैस की कीमतों को लेकर सरकार को घेरा गया।
महंगाई से आम जनता परेशान हाल है और इसको ले कर हो रहे प्रदर्शन के दौरान विधायक संजीव सरदार ने कहा कि रसोई गैस की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी और उसके बावजूद भी गैस सिलेंडर नहीं मिल पाने से आम जनता, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। महंगाई के कारण घरेलू बजट पर सीधा असर पड़ रहा है और लोगों के लिए रसोई चलाना मुश्किल होता जा रहा है।विधायक सरदार और अन्य विधायकों ने केंद्र सरकार से मांग की कि वह जल्द से जल्द गैस की कीमतों को नियंत्रित करे, घरेलू सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित करे और आम लोगों को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाए। उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों को लेकर आवाज उठाना जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है।

संक्षिप्त खबरें

खलारी मंडल में भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक, 4-5 अप्रैल को दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का निर्णय

खलारी(बिभा)। भारतीय जनता पार्टी खलारी मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक मंडल अध्यक्ष अनिल गंझू के नेतृत्व में डकरा स्थित वीआईपी सभागार कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश राम मुख्य रूप से उपस्थित रहे।बैठक का मुख्य उद्देश्य मंडल स्तरीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग में अधिक से अधिक कार्यकताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर योजना तैयार करना था।सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 4 और 5 अप्रैल को खलारी मंडल में दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा।बैठक के दौरान भाजपा सरकार की नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने, विपक्ष द्वारा रचे जा रहे कथित देशविरोधी षड्यंत्रों को उजागर करने तथा बूथ और शक्तिकेंद्रों को मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बताया गया कि प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से कार्यकताओं को संगठनात्मक मजबूती, जनसंपर्क और बूथ प्रबंधन से जुड़े विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।कार्यक्रम का मंच संचालन कार्तिक पाण्डेय ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन रतनलाल द्वारा किया गया।बैठक में सरस्वती देवी, फुलेश्वर महतो, श्याम सुंदर सिंह, भरत रजक, शशि साहू, अरविंद सिंह, प्रदीप सिंह, चतुर्गुण भुईयां, शैलेन्द्र शर्मा, विकास दुबे, आनंद सिंह, रामसूरत यादव, राजू गुप्ता, कमलेश महतो, अजीत पांडे, रामबली चौहान, अनिल तुरी, ममता केसरी, सरिता सिंह, नीरा देवी, रविन्द्र मुंडा, दिलीप पासवान सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महुआ चुनने के दौरान चूरी मानकी जंगल में लगाई जा रही आग, वन्यजीवों और पर्यावरण पर बड़ा खतरा

खलारी(बिभा): खलारी थाना क्षेत्र के चूरी मानकी जंगल में इन दिनों महुआ चुनने के दौरान कुछ लोगों और शरारती तत्वों द्वारा जंगल में आग लगाने की घटनाएँ सामने आ रही हैं। जंगल में बार-बार लग रही आग से वन संपदा को भारी नुकसान पहुँच रहा है। आग की चपेट में आने से कई पेड़-पौधे जलकर नष्ट हो रहे हैं, वहीं जंगल में रहने वाले छोटे-छोटे जीव-जंतु भी जलकर मर रहे हैं।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार कुछ लोग महुआ चुनने में आसानी के लिए सूखी पत्तियों और झाड़ियों में आग लगा देते हैं, जिससे आग तेजी से फैल जाती है और जंगल का बड़ा हिस्सा प्रभावित हो जाता है। इससे जंगल का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है और वन्यजीवों का जीवन भी खतरे में पड़ गया है।ग्रामीणों का कहना है कि हर साल इस तरह की घटनाएँ देखने को मिलती हैं, लेकिन इस पर ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती ।उन्होंने प्रशासन और वन विभाग से जंगल में आग लगाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने तथा इस पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है।स्थानीय लोगों और पर्यावरण प्रेमियों ने आम जनता से भी अपील की है कि जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए जागरूक बनें और किसी भी परिस्थिति में जंगल में आग न लगाएँ। समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो जंगल और पर्यावरण को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

55 सदस्यीय श्रद्धालुओं का जत्था वैष्णो देवी के लिए रवाना

सिल्ली(बिभा): माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जय माता दी यात्रा मंच सिल्ली के तत्वाधान में शुक्रवार को 55 सदस्यीय श्रद्धालुओं का जत्था कटरा के लिए मुरी स्टेशन से गरीब रथ ट्रेन से रवाना हुए। मंच के संतोष साव, चिंटू साव ने कहा कि पिछले 14 साल से लगातार मंच के माध्यम से काफी संख्या में श्रद्धालु वैष्णो देवी दर्शन के लिए जाते हैं। माता वैष्णो देवी की दर्शन से जीवन में आत्म विश्वास, नई ऊर्जा एवं समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को मानने वाले माता वैष्णो देवी की महिमा गाते है। उन्होंने कहा कि हमारे धर्मशास्त्रों में कलयुग में लोगों के कष्ट हरने के लिए देवी-देवताओं के नाम जप के साथ-साथ कथाएं भी बेहद उपयोगी है। उन्होने कहा कि मन में सच्ची श्रद्धा होनी चाहिए, देवी देवता कृपा अवश्य करते हैं। इस दौरान ये जत्था मथुरा दर्शन तथा आगरा समेत कई जगहों का भ्रमण करेंगे। जत्थे में चितरंजन महतो,तारकेश्वर महतो, कार्तिक कोइरी, लखीराम, संतोष कोइरी, शशि भूषण, लाल बहादुर शास्त्री,विनीता देवी,पूनम देवी, मंजू देवी ,ओम प्रकाश महतो, सीमा देवी,अंजन कुमार, रंजना देवी, धीरज महतो आदि शामिल हैं।

आनंद विहार टर्मिनल - पुरुलिया साप्ताहिक एक्सप्रेस का शुभारंभ आज, मुरी में ठहराव

सिल्ली(बिभा) : प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रेन संख्या 14022/14021 आनन्द विहार टर्मिनल पुरुलिया आनन्द विहार टर्मिनल साप्ताहिक एक्सप्रेस का शनिवार को शुभारंभ किया जाएगा। इस नई ट्रेन के शुभारंभ तथा राँची रेल मंडल के मूरी एवं राँची रेलवे स्टेशनों पर ठहराव का आयोजन किया जाएगा। जिसका समय 03 :15 बजे मूरी रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म संख्या 02/03 पर आएगी। इसकी सूचना वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राँची मंडल शुचि सिंह ने दिया।

खलारी की मस्जिदों में अदा हुई अलविदा जुम्मा की नमाज, ईद को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक

बिभा संवाददाता

खलारी: रमजान-उल-मुबारक के आखिरी जुम्मे के मौके पर शुक्रवार को खलारी कोयलांचल सहित आसपास के क्षेत्रों की मस्जिदों व मदरसों में अलविदा जुम्मा की नमाज अकीदत के साथ अदा की गई।इस अवसर पर क्षेत्र के खलारी जामा मस्जिद, खलारी बाजारटांड़ मस्जिद, हुटाप, धमधमिया, भूतनगर, डकरा, राय सहित विभिन्न मस्जिदों में रोजेदारों और नमाजियों की काफी भीड़ उमड़ी।नमाज के दौरान लोगों ने क्षेत्र, राज्य और देश में सुख-समृद्धि तथा अमन-चैन के लिए दुआएं मांगीं। अलविदा जुम्मा को लेकर सभी मस्जिदों में विशेष तैयारी की गई थी।नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर आगामी ईद-उल-फितर की अग्रिम मुबारकबाद दी।खलारी जामा मस्जिद में नमाज से पूर्व इमाम नेहाल अख्तर रेआयी ने लोगों को संबोधित करते हुए रमजान के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि रमजान का महीना रहमत और बरकत का महीना है। इस पवित्र माह में रोजा रखने,पांचों वक्त नमाज अदा करने, कुरान-ए-पाक की तिलावत और तरावीह पढ़ने वालों पर अल्लाह की विशेष रहमत होती है।उन्होंने कहा कि इस महीने में की गई इबादत का सवाब कई गुना बढ़ जाता है।वहीं धमधमिया मस्जिद में पेशइमाम मौलाना इमामुद्दीन असरफ ने नमाज के बाद आसपास के क्षेत्रों और पूरे देश में शांति, भाईचारा और खुशहाली के लिए दुआएं कीं।इधर ईद-उल-फितर को लेकर क्षेत्र के बाजारों में भी रौनक बढ़ने लगी है। देर शाम तक बाजारों में चहल-पहल बनी रही।खासकर कपड़ों की दुकानों पर खरीदारों की अच्छी-खासी भीड़ देखी गई। वहीं कई स्थानों पर ईद के मौके पर विशेष सेवइयों की दुकानें सज गई हैं, जहां लोग खरीदारी करते नजर आ रहे हैं।

कोयला लोड हाइवा पलटने से चालक गंभीर रूप से घायल

बिभा संवाददाता

खलारी: खलारी थाना क्षेत्र के भेलवाटांड़ के पास शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे एक कोयला लोड हाइवा गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई।आशंका जताई जा रही है कि चालक को नींद आ जाने के कारण यह हादसा हुआ।
गाड़ी पलटने के बाद चालक वाहन के अंदर ही बुरी तरह फंस गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और राहत कार्य शुरू किया। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद चालक को गाड़ी से बाहर निकाला गया।सूचना मिलने पर खलारी थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो और एसआई कपिलदेव अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस और ग्रामीणों की मदद से चालक को बाहर निकालकर इलाज के लिए भेजा गया। हादसे में चालक का दाहिना पैर टूट गया है तथा शरीर में कई जगह गंभीर चोटें आई हैं।घायल

चालक की पहचान मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव निवासी अमर के रूप में हुई है।वहीं हाइवा गाड़ी के मालिक खलारी थाना क्षेत्र के पुरानी राय निवासी नागेश्वर साव बताए जा रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से कोयला लोड भारी वाहनों की लगातार आवाजाही होती रहती है। तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं।ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग पर भारी वाहनों की गति पर नियंत्रण और नियमित जांच की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद का दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 14 एवं 15 मार्च को

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : मिथिला सांस्कृतिक परिषद द्वारा बिष्टुपुर गोपाल मैदान में द्वि- दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 14 एवं 15 मार्च को किया जा रहा है। जिसमें हजारों मैथिल, परिवार सहित भाग लेते हैं। उक्त कार्यक्रम मैथिली परंपरा,संस्कृति, लोक-गायन, भाषा-साहित्य का संवर्धन एवं संरक्षण करने का प्रयास किया जाएगा ताकि आने वाला पीढ़ी अपनी परंपरा, विरासत की पहचान को सीख सके एवं संभाल सके और अपने आने वाले पीढ़ी को बता सके। मैथिल कोकिल महाकवि विद्यापति ,लाल दास, चंदा झा, हरिमोहन झा, गोविंद दास, ज्योतिश्वर ठाकुर, सुभाष चंद्र यादव, मनमोहन झा आदि प्रसिद्ध मैथली लेखकों, कवियों की पुस्तकों का स्टॉल लगाया जाएगा। जिससे भाषा और साहित्य समृद्धि हो सके मिथिला व्यंजन, पकवान, खान-पान हेतु अलग से आनंद मेला का आयोजन मिथिलानी समूह द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम को आकर्षक बनाने हेतु मिथिलांचल के प्रसिद्ध मैथिली गायक, गायिकाओं- कुंज बिहारी मिश्र, विकास झा ,जुली झा, मिथिला के प्रसिद्ध उदघोषक रामसेवक ठाकुर को बुलाया गया है। इसके साथ ही शहर के प्रसिद्ध गायक-गायिकाओं पंकज झा, मिथिलेश मिश्रा, दिव्य रत्न, किरण झा,शंकर नाथ झा आदि कलाकारों द्वारा दोनों दिन प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम को सफल एवं आकर्षक बनाने हेतु भिन्न-भिन्न समितियां पंडाल निर्माण समिति, स्वागत समिति मंच व्यवस्था समिति, स्वागत समिति, प्रशासन समिति, कलाकार प्रबंधन समिति, स्टॉल व्यवस्था समिति, प्रचार समिति, आनंद मेला समिति, भोजन व्यवस्था समिति, प्रेस प्रभार समिति, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था समिति, बिजली पानी मैदान व्यवस्था समिति एवं चंदा समिति का गठन किया गया है। ताकि दोनों दिन कार्यक्रम में उपस्थित हजारों मिथिलांचल वासी को किसी भी प्रकार की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े। इस संवाददाता सम्मेलन में मिथिला सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष मोहन ठाकुर ने बताया कि सांस्कृतिक समारोह में मिथिला गौरव सम्मान और मिथिला प्रतिभा सम्मान के रूप में बीस मिथिला भाषा भाषियों का सम्मान किया जाएगा।

टाटा स्टील ने की ट्रेलब्लेजर्स 4.0 स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव की घोषणा

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा स्टील, जो इस कार्यक्रम की टाइटल स्पॉन्सर है, ने ट्रेलब्लेजर्स 4.0 की घोषणा की। यह भारत के सबसे बड़े स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव में से एक है, जिसे रेवस्पोर्ट्ज. द्वारा आयोजित और परिकल्पित किया गया है। इस मंच पर देश के अग्रणी खिलाड़ी, खेल प्रशासक और विचारक एक साथ आकर भारतीय खेलों के वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की दिशा पर चर्चा करेंगे। टाटा स्टील का इस कॉन्क्लेव से जुड़ाव भारत में खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रति कंपनी की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टाटा स्टील ने खेलों के विकास में ऐतिहासिक रूप से अग्रणी भूमिका निभाई है डी बी सुंदरा रामम, वाइस प्रेसिडेंट, कॉर्पोरेट सर्विसेज,टाटा स्टील ने अपने सम्बोधन में कहा किह्न भारत की खेल यात्रा एक रोमांचक दौर में प्रवेश कर रही है, जहाँ जमीनी स्तर से लेकर वैश्विक मंच तक नई आकांक्षाएँ और संभावनाएँ उभर रही हैं। रेवस्पोर्ट्ज. द्वारा अवधारित और प्रसिद्ध खेल पत्रकार व लेखक बोरिया मजूमदार के नेतृत्व में आयोजित ट्रेलब्लेजर्स 4.0 का आयोजन 14, 16 और 17 मार्च को कोलकाता के आईटीसी रॉयल बंगाल और आईटीसी सोनार में किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस कॉन्क्लेव में भारत के तेजी से विकसित हो रहे खेल परिदृश्य पर केंद्रित विविध सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन चचाओं में ओलंपिक में भारत की आकांक्षाएँ, जमीनी स्तर पर प्रतिभा विकास, खेल नेतृत्व, ब्रॉडकास्टिंग, स्पॉन्सरशिप और खिलाड़ियों के समग्र कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे।कॉन्क्लेव के उद्घाटन दिवस पर स्पोर्ट इज इंस्पिरेशन विषय पर चर्चा आयोजित की जाएगी। इस सत्र में प्रमुख हस्तियों जैसे डॉ. दिनशॉ पारडीवाला, राहुल बोस और एडिल सुमारीवाला अपने महत्वपूर्ण विजन और अनुभव साझा करेंगे। अगले दो दिनों में ट्रेलब्लेजर्स 4.0 में खेल जगत की कई दिग्गज हस्तियाँ और विशेषज्ञ शामिल होंगे। इनमें पुलेला गोपीचंद, नीरज चोपड़ा, गौतम गंभीर, मिताली राज, मनिका बत्रा, सानिया मिर्जा, हरभजन सिंह, जहीर खान, अंजू बॉबी जॉर्ज, रानी रामपाल, मनप्रीत सिंह और झूलन गोस्वामी सहित कई अन्य प्रमुख नाम शामिल हैं। ये सभी दिग्गज खिलाड़ी और विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करते हुए भारत में खेलों के बदलते परिदृश्य, चुनौतियों और नई संभावनाओं पर अपने विचार रखेंगे।

बालू घाट से परिवहन वैध तरीके से शुरू नहीं होने पर बढ़ी परेशानी, काला कारोबार से सूख रहीं नदियाँ और खतरे में पुल

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में बालू घाटों से वैध तरीके से बालू खनन अबतक शुरू नहीं हुआ है। जिसके कारण जिलेवासियों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। एक तो अवैध खनन जारी है, तो दूसरी ओर सरकारी कार्यों में भी अवैध बालू से ही निर्माण कार्य किया जा रहा है। वहीं अगर वैध तरीके से बालू मिलना शुरू हो जाता तो परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता । सस्ते दामों में बालू उपलब्ध हो जाता। लेकिन बालू घाटों की निलामी हो जाने के बावजूद ग्रामसभा से पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं मिल रही है। अगर स्वीकृति मिल जाती तो जिले के बालू घाटों से बालू उठाव शुरू हो जाता। लेकिन ग्राम सभा अभी तक स्वीकृति नहीं दी है। जिसका नतीजा है कि लोगों को बालू खनन अवैध तरीके से करना पड़ रहा है। बता दें कि जिलेभर में तीन स्तर के बालू घाट है। जिसमें पहले सत्र पर पाँच बालू घाट है। जबकि दूसरे स्तर पर आठ बालू घाट

चिंहित है और तीसरा स्तर पर सात बालू घाट चिन्हित किया गया है। जबकि सभी 20 बालू घाट से बालू तो चोरी छिपे बालू खनन जारी है। पर , इसे वैध तरीके से खनन कराने के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति आवश्यक है। जिसे स्थानीय ग्राम सभा ही कर सकती है। लेकिन ग्राम सभा न तो निर्णय दे रहे हैं। और न ही सरकार की पहल हो रही है। जिससे वैध तरीके से बालू खनन नहीं होने के कारण एक ओर जहाँ आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर बालू का अवैध कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। अवैध उत्खनन के कारण नदियों का स्वरूप बदलता जा रहा है और कई स्थानों पर पुलों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। बालू घाट से वैध तरीके से खनन होना शुरू हो जाता तो विकास कार्य तेज गति से कार्य होगा और कम मूल्य पर लोगों को बालू उपलब्ध हो जाएगा। लेकिन इस पहल पर न तो सरकार को चेतना है और न ही ग्राम सभा को। इससे वैध तरीके से न तो बालू मिल रहा है और न ही नदियों में बालू बच रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध तरीके से बड़े पैमाने पर मशीनों और ट्रैक्टरों के माध्यम से बालू निकाला जा रहा है। लगातार हो रहे उत्खनन से नदियों की गहराई बढ़ती जा रही है और कई जगहों पर नदी का प्राकृतिक बहाव भी प्रभावित हो रहा है। इसका असर यह हो रहा है कि कई नदियां सूखने की कगार पर पहुंच रही हैं। बालू के अनियंत्रित उत्खनन का असर पुलों पर भी पड़ रहा है। नदी के तल से अत्यधिक बालू निकालने से पुलों की नींव कमजोर हो रही है, जिससे बरसात के समय पुलों को नुकसान पहुंचने और बह जाने का खतरा बढ़ जाता है। जिले के कई इलाकों में पहले भी अवैध बालू खनन के कारण पुलों को नुकसान पहुंचने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जिला खनन पदाधिकारी रामनरेश सिंह ने बताया कि खूँटी जिले के विभिन्न नदियों के बालू घाटों की नीलामी हो गई है। लेकिन ग्राम सभा से पर्यावरणीय स्वीकृति आवश्यक है। जिसकी स्वीकृति मिल जाती तो बालू सस्ते दामों में मिल जाता। इसका फायदा उठाकर कुछ लोग अवैध तरीके से बालू की निकासी कर रहे हैं और ऊँचे दामों पर इसकी बिक्री कर रहे हैं। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है, वहीं आम लोगों को महंगे दामों पर बालू खरीदना पड़ रहा है।

बिना भूख के बार-बार भोजन करने से पाचन तंत्र पर पड़ता है अतिरिक्त दबाव

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : ब्रह्माकुमारीज बिष्टुपुर सेंटर में प्राकृतिक चिकित्सा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. रमेश टेवानी (भोपाल) केन्द्र पहुंचे. उन्होंने वहां मौजूद लोगों को बेहतर सेहत के लिये कई टिप्स दिये. डा. टेवानी योग विषय में पीएचडी, एम.फिल तथा एम.एससी की उच्च शैक्षणिक उपाधियां प्राप्त कर चुके हैं. साथ ही वे भोपाल में अपने महाविद्यालय का संचालन भी कर रहे हैं. योग और प्राकृतिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें नेशनल एवार्ड भी मिल चुका है.
डा. टेवानी ने कहा कि हमारे स्वास्थ्य का मुख्य केंद्र हमारा पेट है. हम कई प्रकार के भोजन का सेवन तो करते हैं, परंतु शरीर से अपशिष्ट पदार्थों के सही निष्कासन पर उतना ध्यान नहीं देते. स्पष्ट किया कि यदि हम दिन में तीन बार भोजन करते हैं तो शरीर से अपशिष्ट का निष्कासन भी उतनी ही बार होना चाहिए. शरीर में लंबे समय तक जमा रहनेवाला अपशिष्ट ही अनेक रोगों की जड़ बनता है. उन्होंने यह भी बताया कि भोजन तभी करना चाहिए जब वास्तविक भूख लगे. बिना भूख के बार-बार भोजन करना पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डालता है और इससे शरीर में अपशिष्ट जमा होने लगता है, जो आगे चलकर कई रोगों का कारण बन सकता है. डॉ. टेवानी ने बताया कि उनके जीवन को बदलनेवाला और अनेक गंभीर रोगियों को नया जीवन देनेवाला एक महत्वपूर्ण तत्व है एनीमा, जो प्रकृति का ऐसा वरदान है जिसमें अंतिम अवस्था के रोगियों को भी पुनर्जीवित करने की अद्भुत क्षमता होती है.

रांची, शनिवार
14.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 101, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

एनएचआरसी ने लिया पश्चिम सिंहभूम में नवजात की मौत का संज्ञान, जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर उपमंडल अस्पताल के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण एक नवजात शिशु की कथित मृत्यु का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने रांची स्थित स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव और झारखंड के पश्चिम सिंहभूम के उपायुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने बताया कि 9 मार्च 2026 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 7 मार्च को अस्पताल द्वारा एम्बुलेंस न दिए जाने के बाद पिता को शिशु के शव को गत्ते के बक्से में रखकर बंगरासाई गांव ले जाना पड़ा। खबरों के मुताबिक, अस्पताल के कर्मचारियों ने परिवार को मृत शिशु के शव को अस्पताल से बाहर ले जाने के लिए मजबूर किया और किसी भी प्रकार की सहायता प्रदान करने से इनकार कर दिया था।

लोकसभा में ट्रांसजेंडर व्यक्तिसंशोधन विधेयक, 2026 पेश

नई दिल्ली। लोकसभा में शुक्रवार को ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया गया। विधेयक का उद्देश्य ट्रांसजेंडर की कानूनी व्याख्या को विस्तार देकर इसे अधिक समावेशी बनाने का है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने लोकसभा में आज संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक मौजूदा ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 को संशोधित करेगा। उल्लेखनीय है कि 2019 अधिनियम के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए अक्टूबर 2025 में न्यायमूर्ति आशा मेनन की अध्यक्षता में एक सलाहकार समिति का गठन किया गया था।

मणिपुर : उग्रवादी संगठन केसीपी के दो कैडर गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस का राज्य में उग्रवादियों के विरूद्ध अभियान लगातार जारी है। पुलिस मुख्यालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि गुरुवार को सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के थौबल-थानांतर्गत थौबल वांगमा ताबा इलाके से उग्रवादी संगठन केसीपी (ताइबांगनबा) के दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है।

पीएम मोदी ने जारी की किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त
9.3 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में आए 2000 रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 22वीं किस्त जारी कर दी। इस किस्त के तहत देश भर के 9.3 करोड़ से अधिक किसान परिवारों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 18,640 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि सीधे भेजी गई है। इस योजना के तहत पात्र किसानों को प्रत्येक किस्त में 2,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है, जो सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के गुवाहाटी से इस किस्त को जारी किया।

सरकार के अनुसार इस बार करीब 9.32 करोड़ किसान परिवारों को इसका लाभ मिला है। यह राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी गई है, जिससे उन्हें खेती और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल सके। पीएम-किसान योजना का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत किसानों को हर साल कुल 6,000 रुपए की सहायता दी जाती है, जो तीन समान किस्तों में सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर की जाती है। सरकार का मानना है कि समय पर मिलने वाली यह राशि किसानों को बीज, खाद, कीटनाशक और अन्य कृषि जरूरतों को पूरा करने में मदद करती है।

किस्त जारी होने के बाद किसानों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर सरकार की ओर से संदेश भेजा जाता है। इसके अलावा बैंक की ओर से भी ट्रांजैक्शन से संबंधित मैसेज प्राप्त होता है। किसान अपने मोबाइल पर आए मैसेज के जरिए आसानी से यह जांच सकते हैं कि उनके खाते में 22वीं किस्त की राशि पहुंची है या नहीं। अगर किसी पात्र किसान के खाते में राशि नहीं पहुंचती है, तो वे योजना के हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। किसान 155261 या 011-24300606 पर कॉल करके अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं। यह हेल्पलाइन सेवा कार्यदिवसों में सुबह 9:30 बजे से शाम 6 बजे तक उपलब्ध रहती है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरूआत 24 फरवरी 2019 को की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोरखपुर से इस योजना का शुभारंभ किया था। तब से लेकर अब तक यह योजना देश के करोड़ों किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। इस संबंध में बीते दिनों केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि फरवरी 2019 में योजना शुरू होने के बाद से अब तक किसानों के खातों में 4.09 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे ट्रांसफर की जा चुकी है। 22वीं किस्त जारी होने के बाद यह कुल राशि बढ़कर लगभग 4.27 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो जाएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि इस बार की किस्त में 2.15 करोड़ से अधिक महिला किसानों को भी आर्थिक सहायता मिलेगी। उनके अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह पहल छोटे और सीमांत किसानों को सीधे आय सहायता प्रदान कर कृषि क्षेत्र में एक स्थायी और सकारात्मक बदलाव लाने का काम कर रही है। सरकार का मानना है कि नियमित आर्थिक सहायता से किसानों की वित्तीय स्थिति मजबूत होती है और खेती से जुड़ी जरूरी जरूरतों को समय पर पूरा करना आसान हो जाता है।

झारखंड के लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में सहियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका : शशि प्रकाश

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के सदर अस्पताल ऑडिटोरियम में शुक्रवार को जिला स्तरीय सहिया सम्मेलन सह सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अतिथि के तौर पर अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन शशि प्रकाश झा शामिल हुए। कार्यक्रम का थीम सेलीब्रेटिंग कम्युनिटी लीडर्स था।

राज्य की 57 सहियाओं के पीआरआई मेंबर बनना गर्व की बात : निदेशक

अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि राज्य स्तर से सभी जिलों को निर्देश दिया गया है कि सहियाओं को उनकी प्रोत्साहन राशि का भुगतान समय पर मिले, ताकि उनका मनोबल बढ़े और वे और अधिक उत्साह के साथ अपने कार्यों का निर्वहन कर सकें।

उन्होंने बताया कि राज्य की 57 सहिया पीआरआई मेंबर बनी हैं, जो गर्व की बात है। उन्होंने सभी सहियाओं को इसके लिए बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज गांवों में जितने भी बच्चों का जन्म होता है, उनकी माताओं को सहिया कर्मी भली-भांति पहचानती हैं। सुरक्षित प्रसव, मातृ और शिशु स्वास्थ्य एवं टीकाकरण कार्यक्रम को सफल बनाने में सहियाओं का बहुमूल्य योगदान रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से 14 वर्ष की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीका लगाया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने के लिए गांव-गांव में जागरूकता फैलाने और किशोरियों को स्वास्थ्य केंद्र तक लाकर टीकाकरण कराने में सहिया कर्मियों की अहम भूमिका है।

वहीं सिविल (सीएस) सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि सहिया दीदी ग्रामीण और शहरी समुदाय में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन, पोषण तथा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रति समुदाय को जागरूक करने में उनका योगदान अत्यंत सराहनीय है।

गैंगस्टर प्रिंस खान ने दवा कारोबारी से मांगी एक करोड़ की रंगदारी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के कोतवाली थाना इलाके में गैंगस्टर प्रिंस खान ने एक दवा कारोबारी को धमकी दी है। गैंगस्टर ने कारोबारी से एक करोड़ रंगदारी की मांग की है। रंगदारी की धमकी मिलने के बाद से परिवार में डर और भय व्याप्त है। बताया जाता है कि मामले को लेकर दवा कारोबारी संजय राजगढ़िया ने कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया है। वहीं, रंगदारी नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी गई है। रंगदारी नहीं देने पर दुकान बंद करने और जान मारने की धमकी मिली है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कोतवाली थाना प्रभारी ने शुक्रवार को बताया कि मामले की जानकारी मिली है और पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से नेतरहाट आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में नेतरहाट आवासीय विद्यालय, लातेहार के विद्यार्थियों ने मुलाकात की। विद्यार्थियों ने विधानसभा भ्रमण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री से मिलकर उनसे परिचर्चा की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री के साथ उत्साहपूर्वक बातचीत की और उनके साथ तस्वीरें भी लीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों से उनके अध्ययन और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने सपनों को साकार करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री को उनकी तस्वीर भी भेंट की।

कांग्रेस ने एलपीजी सिलेंडर की किल्लत को लेकर मिट्टी के चूल्हे पर खाना बनाकर किया विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस ने आज देश में एलपीजी सिलेंडर की किल्लत को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकताओं ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय के आगे मिट्टी के चूल्हे पर खाना एवं चाय बनाई। हालांकि पुलिस प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकताओं को बसों में भर करके यहां थाने ले गई। देवेंद्र यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अच्छे दिन बहुत दूर हैं, क्योंकि हम मिट्टी के चूल्हे पर खाना बनाने को मजबूर हैं। देश एलपीजी की भारी किल्लत से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा से समझौता कर, देशवासियों को कतार में खड़ा कर दिया है। हम 'विदेश नीति' का खामियाजा जनता को नहीं भुगतने देंगे।

देवेंद्र यादव ने कहा कि सरकार ने जनता की आवाज दबाने के लिए हमें गिरफ्तार कर लिया है। मगर हम गिरफ्तारियों से नहीं डरते! देश एलपीजी के लिए लाइनों में लगा है, मिट्टी के चूल्हे पर अब खाना पक रहा है और प्रधानमंत्री कहते हैं अमृतकाल चल रहा है!

भारत-ईरान के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत, क्षेत्रीय हालात पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली/तेहरान। भारत और ईरान के विदेश मंत्रियों के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई, जिसमें अमेरिका-इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के बाद क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय हालात पर चर्चा की गई। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को एक्स पर इसकी संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गुरुवार रात ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से एक और बातचीत हुई। द्विपक्षीय मामलों के साथ-साथ ब्रिक्स से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि विदेश मंत्री अराघची ने अपने भारतीय समकक्ष जयशंकर को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए कथित आक्रामक कदमों तथा उनके क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जानकारी दी। अराघची ने कहा कि ईरान की सरकार, जनता और सशस्त्र बल हमलों के खिलाफ अपने वैध आत्मरक्षा के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से ईरान के खिलाफ सैन्य आक्रामकता की निंदा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। ईरानी विदेश मंत्री ने बहुपक्षीय सहयोग के मंच के रूप में ब्रिक्स के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में इस मंच को क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता एवं सुरक्षा के समर्थन में रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष के बाद से डॉ. जयशंकर और अराघची के बीच यह चौथी बातचीत है। पश्चिम एशिया में संकट के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से व्यापारिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित है।

इराक में अमेरिकी सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त, चार की मौत: सेंटकॉम

एजेंसी

लंदन/वाशिंगटन। इराक में अमेरिकी सेना का एरियल रीफ्यूलिंग विमान केसी-135 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में चार सैन्य कर्मियों की मौत हो गयी। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे में शामिल दो बोइंग कंपनी के केसी-135 विमानों में से एक क्रैश हो गया, जबकि दूसरा सुरक्षित उतरा। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि यह घटना न तो अपनी तरफ से हुई गोलीबारी के कारण हुई और न ही दुश्मन की गोलीबारी से।

अमेरिकी सेंट्रल कमान ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पोस्ट में कहा, 12 मार्च की दोपहर लगभग 2 बजे पश्चिमी इराक में एक अमेरिकी केसी-135 रीफ्यूलिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बचाव कार्य जारी रहने के बीच विमान में सवार चालक दल के छह सदस्यों में से चार की मौत हो गई। इस घटना के कारणों की जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इराक में इस्लामिक रेज़िस्टेंस नाम के संगठन ने इस विमान पर हमले की ज़िम्मेदारी ली है। हालांकि अमेरिकी सेना ने इसे दुश्मन का हमला नहीं माना है और बताया है कि विमान वहां गिरा जहां 'दोस्त देश का एयर स्पेस' था। रीफ्यूलिंग विमान लड़ाकू विमान में हवा में ही ईंधन भरता है।

ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम (एबीसी) और अमेरिकी वेबसाइट फॉक्स 8 के अनुसार पश्चिमी इराक में अमेरिकी सेना का एक एरियल रीफ्यूलिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार चार सैन्य कर्मियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान में चालक दल के छह सदस्य सवार थे। इनमें से चार की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि दो की तलाश जारी है। यह दुर्घटना दुश्मन की गोलीबारी या फ्रेंडली फायर के कारण नहीं हुई। फिलहाल, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह घटना मित्र देशों के हवाई क्षेत्र में चल रहे सैन्य अभियान के दौरान हुई। मृत सैनिकों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है और उनके परिवारों को सूचना देने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही नाम जारी किए जाएंगे।

विकसित भारत 2047 की यात्रा में दिव्यांगजन समान भागीदार : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को दिव्यांगजनों की प्रतिभा, उपलब्धियों और आकांक्षाओं का उत्सव मनाने के लिए ह्यपर्पल फेस्टह्ल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि वर्ष 2047 तक ह्यविकसित भारतह्ल के लक्ष्य की दिशा में देश आगे बढ़ रहा है और इस यात्रा में दिव्यांगजन समान भागीदार हैं।

राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान दिनभर चले उत्सव में 8 हजार से अधिक दिव्यांगजन अमृत उद्यान पहुंचे, जिसे विशेष रूप से उनके लिए खोला गया था। इस दौरान विभिन्न संगठनों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से दिव्यांगजनों ने खेल, सीखने और मनोरंजन से जुड़ी कई गतिविधियों में भाग लिया।

शाम को राष्ट्रपति द्रौपदी ने राष्ट्रपति भवन स्थित ओपन एयर थिएटर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी अवलोकन किया, जिसमें दिव्यांग कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी देश या समाज की पहचान केवल उसकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह समाज के वंचित वर्गों के प्रति कितनी संवेदनशीलता दिखाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास और संस्कृति में संवेदनशीलता, समावेशिता और सामंजस्य की भावना हमेशा से प्रमुख रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान सामाजिक न्याय, समानता और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा के आदर्शों को स्थापित करता है। राज्य के नीति निदेशक तत्वों के माध्यम से दिव्यांगजनों को शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक सहायता का अधिकार भी प्रदान किया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि समावेशी समाज के निर्माण के लिए दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण अत्यंत आवश्यक है। यह केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति और संस्था की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है।

उन्होंने दिव्यांगजनों से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार और समाज उनके साथ खड़े हैं। उनका समर्पण, मेहनत और लगन न केवल उनके लिए प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगी, बल्कि अन्य नागरिकों के लिए भी प्रेरणा बनेगी।

उल्लेखनीय है कि ह्यपर्पल फेस्टह्ल का आयोजन सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने किया, जिसका उद्देश्य विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में दिव्यांगजनों के प्रति समझ, स्वीकृति और समावेशन को प्रोत्साहित करना है।

प्रधानमंत्री मोदी आज बंगाल में 18,680 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

एजेंसी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर आएंगे, जहां वह कोलकाता में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और 18,680 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री सड़क, रेलवे, बंदरगाह और नौवहन क्षेत्रों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरूआत करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ह्यपरिवर्तन यात्राह्ल, जो एक मार्च को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत संशोधित मतदाता सूची प्रकाशित होने के एक दिन बाद शुरू हुई थी, राज्य में लगभग 10 हजार किलोमीटर का सफर तय कर चुकी है। पार्टी नेताओं के अनुसार यह यात्रा जनसंपर्क अभियान के साथ-साथ संगठन की जमीनी ताकत को परखने का प्रयास भी है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 28 फरवरी को जारी जानकारी में बताया गया कि एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के बाद से अब तक 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं, जो कुल मतदाताओं का लगभग 8.3 प्रतिशत है। इससे राज्य में मतदाताओं की संख्या करीब 7.66 करोड़ से घटकर लगभग 7.04 करोड़ रह गई है।

इसके अलावा 60.06 लाख से अधिक मतदाताओं को ह्यविवादाधीनह्ल श्रेणी में रखा गया है, जिनकी पात्रता का निर्णय आने वाले समय में कानूनी प्रक्रिया के तहत किया जाएगा।

प्रधानमंत्री का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब खबर है कि निर्वाचन आयोग अगले सप्ताह विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा कर सकता है।

सड़क संपर्क को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री 420 किलोमीटर से अधिक लंबाई की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जिनकी कुल लागत लगभग 16,990 करोड़ रुपये है। इनमें पश्चिम बंगाल और झारखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 तथा पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय राजमार्ग-114 के हिस्से शामिल हैं, जिनका उद्देश्य सड़क सुरक्षा बढ़ाना, यात्रा समय कम करना और क्षेत्रीय संपर्क बेहतर करना है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-116ए के तहत खड़गपुर-मोरेग्राम आर्थिक गलियारे के 231 किलोमीटर लंबे चार लेन मार्ग की पांच परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

प्लंबर और जल सहिया जल जीवन मिशन की कड़ीः उपायुक्त

बिभा संवाददाता

बोकारो। जल महोत्सव के अंतर्गत विश्व प्लंबर दिवस के अवसर पर समाहरणालय सभागार में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए प्लंबरों, जल सहियाओं तथा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पदाधिकारियों/कर्मियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर बेहतर कार्य करने वाले प्लंबरों को उपायुक्त, उप विकास आयुक्त (डीडीसी) तथा पीएचईडी चास के कार्यपालक अभियंता श्री राम प्रवेश राम द्वारा साल ओढ़ाकर, पौधा एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री रवि कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री अतुल कुमार चौबे समेत अन्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्री आयज नाथ झा ने कहा कि प्लंबर और जल सहिया जल जीवन मिशन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इनके समर्पण और मेहनत के बिना हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कोई भी काम छोटा नहीं होता है, बल्कि हर काम का अपना महत्व होता है। हमारा लक्ष्य बड़ा है - जिले के प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना।

उन्होंने कहा कि जो लोग अच्छा काम करते हैं, उन्हें कभी-कभी ताने भी सुनने पड़ते हैं, लेकिन इससे निराश होने की जरूरत नहीं है। जो लोग समाज के प्रति समर्पित होते हैं, वही स्वाभाविक रूप से समाज के सच्चे नेतृत्वकर्ता (नेचूरल लिडर) बनते हैं।

उपायुक्त ने कहा कि जिले में महिला महोत्सव सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है और इस अभियान में जल सहियाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जल सहिया के रूप में महिलाएं गांवों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने का कार्य कर रही हैं। महिलाएं कमजोर नहीं बल्कि सशक्त हैं और समाज के विकास में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के दौरान बेहतर कार्य करने वाले कई प्लंबरों को उपायुक्त, उप विकास आयुक्त तथा कार्यपालक अभियंता द्वारा साल ओढ़ाकर, पौधा एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी को जल संरक्षण तथा स्वच्छ पेयजल व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पदाधिकारी/कर्मी, सहायक अभियंता/कनीय अभियंता, जल सहिया तथा बड़ी संख्या में प्लंबर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन यूनिसेफ के प्रतिनिधि श्री घनश्याम साह ने किया।

योजनाओं के सफल संचालन में प्लंबरों की भूमिका अहम : डीडीसी

उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार ने अपने संबोधन में कहा कि जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के सफल संचालन में प्लंबरों की भूमिका अत्यंत अहम है। गांवों में पाइपलाइन, नल-जल कनेक्शन तथा जल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित रखने में प्लंबरों की तकनीकी दक्षता और मेहनत बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्लंबरों को समय-समय पर प्रशिक्षण देकर उनकी क्षमता को और मजबूत किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था बेहतर तरीके से संचालित हो सके। उन्होंने सभी प्लंबरों से अपील की कि वे जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए जल जीवन मिशन को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

तकनीकी दक्षता से मजबूत होगी जलापूर्ति व्यवस्था : ईई

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (पीएचईडी) चास के कार्यपालक अभियंता (ई.ई.) राम प्रवेश राम ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत जिले में बड़ी संख्या में नल-जल योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं की सफलता काफी हद तक प्लंबरों की तकनीकी दक्षता और तत्परता पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं पाइपलाइन में खराबी आती है या जलापूर्ति में समस्या होती है, तो प्लंबर ही सबसे पहले मौके पर पहुंचकर उसे ठीक करते हैं। इसलिए उनका कार्य बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी प्लंबरों से आग्रह किया कि वे नियमित रूप से योजनाओं का निरीक्षण करते रहें और किसी भी तकनीकी समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त खबरें

वासंतीय नवरात्र 19 मार्च से , तुपकाडीह में तैयारी शुरू

बोकारो(बिभा)। तुपकाडीह चैती दुर्गा मंदिर में 19 मार्च अमावस्या के दिन से शुरू होने वाले वासंतीय नवरात्र , दुर्गा पूजा की तैयारी शुरू हो गई है। मंदिर की साफ सफाई व रंग रोगन के साथ साथ प्रतिमा बनाने का काम हो रहा है। पूजा कमिटी के अध्यक्ष अनिल दिगार ने बताया कि समय कम है इसलिए ग्रुप बनाकर काम किया जा रहा है। अनुदान राशि मांगने के लिए सदस्य गांव वालों से संपर्क कर रहे हैं। दुर्गा पूजा व सबसे बड़े रामनवमी जुलूस का इंतजार सबको रहता है। तुपकाडीह में चैती दुर्गा पूजा व हनुमान झंडा जुलूस की शुरूआत साल 1968 से हुई और तब से धूमधाम से सम्पन्न होता आ रहा है।

बढ़ते कदम फाउंडेशन ने सिलाई सीख रही महिलाओं के बीच बाटा उपहार

जरीडीह(बोकारो) (बिभा)। जरीडीह प्रखंड अंतर्गत जैनामोड़ स्थित सिलाई सेंटर में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत बढ़ते कदम फाउंडेशन के सदस्यों ने सिलाई सीख रही महिलाओं के बीच केक काटकर व उपहार देकर उनके उत्साह को बढ़ाते हुए उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान मुख्य रूप से टांड़ मोहनपुर पंचायत की मुखिया उर्मिला कुमारी ने शामिल होकर सिलाई सेंटर की ट्रेनर तारा देवी के साथ केक काटा। साथ ही आज के इस दौर में महिलाओं द्वारा विभिन्न क्षेत्र में आगे बढ़ने की संभावनाओं को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़कर देश का नाम रोशन कर रही है हमसभी को उन सभी से सीख लेने की जरूरत है। वही कार्यक्रम में शामिल संस्था के निदेशक कृष्णा दत्ता ने भारत की आजादी से लेकर राजनीतिक इतिहास में महिलाओं की भागीदारी को बताते हुए उन्हें सिलाई के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनकर ग्रामीण क्षेत्र की सभी महिलाओं व युवतियों को भी प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ने की बात कही। मौके पर ट्रेनर तारा देवी, दीपमाला दत्ता, अंजू कुमारी, संजू कुमारी, ममता देवी, रेखा देवी, सिखा कुमारी, लक्की कुमारी, खुशबू कुमारी, प्रियंका कुमारी, शुरू बाला कुमारी, अंशु कुमारी, सुमन कुमारी, गीता कुमारी सहित दर्जनों महिला शामिल रही।

जोधाडीह मोड के समीप सिएट एक्सक्लूसिव ट्रक सर्विस हब का शुभारंभ

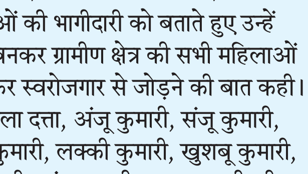

बोकारो(बिभा)। शुक्रवार को जोधाडीह मोड के समीप मालती एंटरप्राइजेज में सिएट का एक्सक्लूसिव ट्रक सर्विस हब शुभारंभ हुआ। सीएट ट्रक हब सर्विस का शुभारंभ मुख्य अतिथि जेड जीएम आशीष श्रीवास्तव, जोनल सर्विस मैनेजर सोमनाथ सरकार, रीजनल मैनेजर देवाशीष घोष, और टेटरी मैनेजर चंदन कुमार झा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जीएम आशीष श्रीवास्तव ने कहां कि मालती एंटरप्राइजेज में स्थित सिएट ट्रक सर्विस हब झारखंड का ऐसा पहला ट्रक सर्विस हब है जहां ट्रक मालिकों के लिए गाड़ियों के अलॉटमेंट, बैलेंसिंग नाइट्रोजन और टायर चेंजिंग का काम एक साथ किया जा सकेगा। ट्रक सर्विस हब खुलने के बाद एक ही छत के नीचे सारी सुविधाएं मिल सकेंगे। उन्होंने बताया कि ट्रक सर्विस हब में काम चलने के दौरान ड्राइवर के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही उन्हें ट्रक के रखरखाव के साथ-साथ चक्का की विभिन्न जानकारी दी जाएगी। वही सिएट कार ट्रक हब के द्वारा आयोजित होने वाले मेडिकल कैंप का भी लाभ ऑनर और ट्रक ड्राइवर उठा सकेंगे।

चंद्रपुरा थाने का एसपी हरविंदर सिंह ने लिया जायजा

चंद्रपुरा (बिभा): चंद्रपुरा थाने का वार्षिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह ने थाने का जायजा लिया। बेरमो डीएसपी वशिष्ठ नारायण सिंह, थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी भी उपस्थित रहे ।निरीक्षण में थाने के विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। एसपी हरविंदर सिंह ने थाना संचालन, अपराध नियंत्रण तथा जनसेवा से जुड़े मामलों पर विस्तृत चर्चा की। थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने विभागीय प्रगति पर रिपोर्ट प्रस्तुत की ।अधिकारियों ने थाने की कार्यप्रणाली को और सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने आगामी योजनाओं पर निर्देश जारी किए। यह निरीक्षण स्थानीय कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

सरकारी स्कूल टैब चोरी कांड का उद्भेदनः हरला से दो चोर धराए

बिभा संवाददाता

बोकारो। चन्द्रपुरा थाना क्षेत्र के राजकीयकृत गवर्नमेंट सेकंडरी स्कूल जुनौरी से चोरी हुए 9 टैब सहित कई सरकारी स्कूलों के सामान की बरामदगी के साथ पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया। बेरमो अंचल के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में गठित छापामारी दल ने हरला थाना क्षेत्र के महुआर बस्ती व वैधमारा से कार्रवाई को अंजाम दिया।

4 मार्च 2026 की रात्रि को अज्ञात चोरों ने जुनौरी स्कूल के कार्यालय का ताला तोड़कर 9 टैब चुरा लिए थे, जो बच्चों की शिक्षा के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए थे। चन्द्रपुरा थाने में 6 मार्च को धारा 303(2) बीएनएस के तहत कांड संख्या 21/2026 दर्ज हुआ। विशेष टीम ने तकनीकी शाखा बोकारो की मदद से छापेमारी की, जिसमें 6 टैब करण कुमार रजवार के घर से तथा 3 टैब उसके साथी सागर कुमार के घर से बरामद हो गए। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि स्कूल बंद रहने व सुरक्षा गार्ड न होने से सरकारी स्कूलों को निशाना बनाते थे। इसके अतिरिक्त करण के घर से एक टैब व 43 इंच का 17 एलईडी टीवी (सीएलटी रिकॉनेक्ट कंपनी का काला रंग) भी बरामद हुए। कुल 10 टैब (9 आईआरए कंपनी के व 1 एसर कंपनी का) मिले। आरोपी ने बताया कि ये टीवी नावाडीह, जरीडीह, हरला व पेटरवार थाना क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों से चुराए गए थे, जबकि अतिरिक्त टैब पेटरवार से। यह बरामदगी बोकारो में सरकारी स्कूलों में चोरी की घटनाओं के सिलसिले को उजागर करती है।

गिरफ्तार आरोपियों में करण कुमार रजवार उर्फ भौन्दू (22 वर्ष), पिता स्व० संतोष रजवार, सेक्टर 9, महुआर बस्ती, थाना हरला ।सागर कुमार (19 वर्ष), पिता संतोष प्रमाणिक, ग्राम वैधमारा, थाना हरला शामिल है। छापामारी टीम में पुलिस उपाधीक्षक सह पुलिस निरीक्षक बेरमो अंचल नवल किशोर सिंह के नेतृत्व में टीम में थाना प्रभारी चन्द्रपुरा पुअनि अजय कुमार सिंह, पुअनि अमरजीत कुमार, पुअनि कुन्दन कुमार पासवान, पुअनि प्रवीण कुमार महतो, सअनि रंजन कुमार, हवलदार शशिभुषण प्रसाद, हवलदार रामेश्वर यादव, आ-द्वारिका लाल प्रसाद, आ-मुस्ताक अंसारी, आ-मनिष कुमार सिंह व आ-अनिश कुमार शामिल थे। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया। स्थानीय स्तर पर स्कूल सुरक्षा पर बहस तेज हो गई है।

चंदनकियारी में 5 विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची द्वारा स्वीकृत पांच विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास शुक्रवार को मध्य विद्यालय दामुडीह के प्रांगण में संपन्न हुआ ।पूर्व मंत्री व चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक के सुपुत्र मुकेश कांत रजक ने विधिवत शिलान्यास कर कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों व ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी ।शिलान्यास के बाद मुकेश कांत रजक ने कहा, ₹शिक्षा समाज विकास की मजबूत नींव है ।₹ उन्होंने बताया कि विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण से बच्चों को बेहतर सुविधाएं व पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल मिलेगा। चंदनकियारी में शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के प्रयास जारी रहेंगे। रजक ने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई कर भविष्य उज्ज्वल बनाने का आह्वान किया ।उपस्थित लोगों ने झारखंड सरकार व शिक्षा परिषद के प्रति आभार जताया, इसे शिक्षा विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया ।कार्यक्रम में विधायक के निजी सचिव प्रकाश शर्मा, बसुकी माहथा, दामोदर महतो, धरतीधर माहथा, महेश माहथा, कामदेव माहथा, महावीर सिंह चौधरी, शिकारी महतो सहित गणमान्यजन, शिक्षक व अभिभावक मौजूद थे।

सेंट मेरीज नर्सरी स्कूल, बोकारो में प्रेप विद्यार्थियों का ग्रेजुएशन डे एवं प्रदर्शनी आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेंट मेरीज नर्सरी स्कूल, बोकारो में 13 मार्च को प्रेप कक्षा के नन्हे विद्यार्थियों का ग्रेजुएशन डे एवं प्रदर्शनी बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री उन्नीकृष्णन नायर, एसेट मैनेजर, ओएनजीसी बोकारो उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रबंधन समिति के सदस्य श्री पी. ई. ईपेन, श्री पी. ए. जकारियाह तथा रेवरेंड फादर डॉ. जोशी वर्गीज, प्रधानाचार्य एम.जी.एम. हायर सेकेंडरी स्कूल भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय में एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें पाँच अलग-अलग विषय-आधारित खंडों के माध्यम से बच्चों की सीख और अनुभवों को प्रस्तुत किया गया। पहले खंड में विद्यालय की 50 वर्षों की गौरवशाली विरासत को स्मृतियों और यादगार चित्रों के माध्यम से दशार्या गया। दूसरे खंड आत्मविश्वास और उपलब्धि में बच्चों ने आई कैन डू इट की भावना के साथ वर्ष भर में सीखी गई गतिविधियों को प्रस्तुत किया।

तीसरे खंड जीवन कौशल और सुरक्षा में बच्चों ने अजनबी से सावधान, अच्छा स्पर्श-बुरा स्पर्श तथा व्यक्तिगत स्वच्छता से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश प्रस्तुत किए। चौथे खंड प्रकृति और जिम्मेदारी में बच्चों ने प्रकृति संरक्षण, पर्यावरण के महत्व तथा विद्यालय में मनाए गए वन महोत्सव जैसे प्रयासों को प्रदर्शित करते हुए पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश दिया। वहीं पाँचवें खंड पहचान और आनंद में बच्चों ने भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे कमल, बाघ, गंगा नदी और बरगद के वृक्ष को प्रस्तुत करते हुए देश की पहचान और विविधता को दशार्या। कार्यक्रम में एक खेल क्षेत्र भी आकर्षण का केंद्र रहा, जहाँ उपस्थित लोगों ने विभिन्न खेलों का आनंद लिया।

ग्रेजुएशन समारोह के दौरान नन्हे विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य रेवरेंड फादर दीनू एम. डेनियल तथा मुख्य अतिथि द्वारा मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने विद्यालय के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने विद्यालय के प्रत्येक सदस्य के प्रति आभार प्रकट करते हुए भावपूर्ण विदाई दी।

यह संपूर्ण कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य रेवरेंड फादर दीनू एम. डेनियल के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

डीपीएस बोकारो को मिली प्रतिष्ठित 7-स्टार रेटिंग, बना देश का अग्रणी एसडीजी स्कूल

बिभा संवाददाता

बोकारो : शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो ने एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर सफलता का परचम लहराया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचारी प्रयोगों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विद्यालय के निरंतर प्रयासों को भारत सरकार की मुहर मिली है। नीति आयोग और एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार से संबद्ध सेंटर फॉर एजुकेशनल डेवलपमेंट (सीईडी) फाउंडेशन ने डीपीएस बोकारो को 7-स्टार रेटिंग से सम्मानित किया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता विद्यालय को स्कूल स्तर पर सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) यानी संधारणीय विकास लक्ष्यों को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए प्रदान की गई है। बता दें कि डीपीएस बोकारो ने न केवल किताबी ज्ञान, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों में विशेष संचेतना जागृत करने की दिशा में एक मानक स्थापित किया है। यही कारण है कि 7-स्टार रेटिंग के साथ-साथ विद्यालय को सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में देशभर में एक पायोनियर (अग्रणी) के रूप में मान्यता मिली है।

शुक्रवार को विद्यालय के वरीय उप प्राचार्य अंजनी भूषण एवं उपप्राचार्या शालिनी शर्मा ने सांकेतिक रूप से यह गरिमामयी सम्मान प्राचार्य डॉ. गंगवार को सुपुर्द किया। इस शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य ने कहा कि यह 7- स्टार रेटिंग केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि हमारे विद्यालय परिवार की सामूहिक मेहनत, दृष्टि और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का जीवंत प्रतिबिंब है। उन्होंने इसका श्रेय स्कूल के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ-साथ समस्त विद्यालय परिवार को देते हुए आगे भी संधारणीय विकास की दिशा में प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। कहा कि भविष्य में भी विद्यालय प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और हरित भारत के निर्माण की दिशा में सतत प्रयासरत रहेगा।

लोक कला राष्ट्रीय महोत्सव में सखी बहिनपा बोकारो इकाई ने दी मनोहारी प्रस्तुति

बिभा संवाददाता

बोकारोः मैथिलानियों की अंतर्राष्ट्रीय संस्था सखी बहिनपा मैथिलानी समूह द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रांची में दो दिवसीय लोक कला राष्ट्रीय महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस महोत्सव में सखी बहिनपा मैथिलानी समूह की बोकारो इकाई ने भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति से सभी को मंत्रगुग्ध कर दिया। बोकारो इकाई की प्रभारी अमिता झा व महासचिव उषा झा के मार्गदर्शन में बोकारो इकाई से सांस्कृतिक प्रभारी जयंती पाठक, कोषाध्यक्ष सुजाता झा, मीडिया प्रभारी संजीता भुवनेश, सदस्या कल्याणी मिश्रा, बीना झा, पूनम झा, आशा पाठक, इंदिरा झा, नीलू झा, मधु ठाकुर, रेखा झा, पूनम, कंचन झा शामिल हुईं। बोकारो इकाई ने समूह गीत चंद्रमुखी सन गौरी हमर छथि सूर्य सन करितौं जमाई... की सुमधुर प्रस्तुति से सबकी प्रशंसा पाई।

रांची के मोराबादी स्थित द लंकावी रिजार्ट में आयोजित इस राष्ट्रीय महोत्सव में दिल्ली, कोलकाता, दुबई, बेंगलुरु, पटना, जमशेदपुर, बोकारो, देवघर, गोड्डा, धनबाद, कोडरमा, सहरसा, दरभंगा, मधुबनी आदि शहरों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन व महाकवि विद्यापति रचित भगवती वंदना जय-जय भैरवि असुर भयाउनि... की सुमधुर प्रस्तुति से हुई। कार्यक्रम में रांची की मेयर रौशनी खलको सहित कई गणमान्य अतिथियों ने भी शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। रैंप वाक सखी बहिनपा दरभंगा इकाई, गीत दिल्ली इकाई, नाटक कोडरमा इकाई, जोगीरा मधुबनी इकाई, नृत्य धनबाद एवं गोड्डा इकाई व समूह गीत सखी बहिनपा बोकारो इकाई द्वारा प्रस्तुत किया गया। अतिथियों व आयोजन में शामिल सभी प्रतिभागियों को सखी बहिनपा की ओर से सम्मानित किया गया। आयोजन की सफलता में सखी बहिनपा समूह की संस्थापिका आरती झा, रांची इकाई की प्रभारी बबिता झा, मनोरमा झा, अनिता झा, सांत्वना मिश्रा, प्रतिभा मिश्रा, पूनम मिश्र, मधु आदि का प्रशंसनीय योगदान रहा।

रॉयल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने किया सेक्टर 4 थाना का शैक्षणिक भ्रमण

बिभा संवाददाता

बोकारो : रॉयल पब्लिक स्कूल सेक्टर 4 के बच्चों ने बैगलेस डे कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को सेक्टर चार थाना का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर स्कूल के छठी कक्षा से लेकर नौवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं ने सेक्टर 4 थाना का शैक्षणिक भ्रमण किया। जिसमें बच्चों ने थाना प्रभारी संजय कुमार से मिलकर उनका स्वागत किया। साथ ही थाना प्रभारी से क्राइम रोकने व मारपीट होने के बाद उसे सुलझाने के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस पर थाना प्रभारी ने बताया कि नागरिकों की सहयोग से ही सभी मामलों को सुलझाया जाता है। साथ ही नगर में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने को लेकर नागरिकों का ही सहयोग लिया जाता है । इसके अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्य रूपम गुप्ता ने बताया बच्चों को थाना का भ्रमण कराकर उन्हें पुलिस के भय को समाप्त किया गया। साथ ही क्राइम रोकने से संबंधित जानकारी थाना प्रभारी से प्राप्त की। मौके पर स्कूल के उपप्राचार्य आलोक चतुवेर्दी, विभा रानी, सुधा सिंह ,पार्वती सिंह आदि शिक्षक शामिल रहे।

डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर 38.62 लाख की ठगी, तीन गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में सक्रिय साइबर अपराधियों के खिलाफ अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) को बड़ी सफलता मिली है। साइबर क्राइम थाना रांची की टीम ने डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर एक व्यक्ति से करीब 38.62 लाख रुपये ठगने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को जमशेदपुर से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई घाटशिला और कदमा थाना क्षेत्र में छापेमारी कर की गई। मामला साइबर क्राइम थाना रांची में कांड संख्या 24/26 के तहत दर्ज

किया गया था। शिकायतकर्ता ने सीआईडी को बताया था कि ठगों ने खुद को केंद्रीय प्रवर्तन एजेंसियों का अधिकारी बताकर उनसे संपर्क किया। इसके बाद उन्हें एक गंभीर मामले में फंसाने और डिजिटल अरेस्ट करने की धमकी दी गई। गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर अपराधियों ने पीड़ित पर दबाव बनाया और अलग-अलग बैंक खातों में कुल 38.62 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सीआईडी की तकनीकी टीम ने जांच शुरू की और डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर आरोपितों की पहचान की। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर टीम ने जमशेदपुर के घाटशिला और कदमा क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान स्थानीय पुलिस के सहयोग से तीन आरोपितों रोहित कुमार जैन, संजीव कुमार मिश्रा और लोकेश महतो को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी के दौरान सीआईडी ने आरोपियों के पास से ठगी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल अन्य सामान भी बरामद किए हैं। फिलहाल सीआईडी इस गिरोह के मुख्य संचालकों और उन बैंक खातों की पहचान करने में जुटी है, जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम को इधर-उधर करने के लिए किया गया था। जांच एजेंसी को आशंका है कि इस गिरोह के तार अन्य राज्यों से भी जुड़े हो सकते हैं। डीएसपी नेहा बाला ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर लाखों रुपये के ठगी करने वाले तीन लोगों को जमशेदपुर से गिरफ्तार किया गया है।

राज्यपाल से शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने लोक भवन में की शिष्टाचार मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को राज्य के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। राज्यपाल ने राज्य में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने, शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा विश्वविद्यालयों में

शैक्षणिक वातावरण को और बेहतर बनाने के संबंध में अपने विचार साझा किए।

विधायक ने विवाह समारोह में राज्यपाल को किया आमंत्रित

बिभा संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से विधायक नवीन जयसवाल ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल को अपनी सुपुत्री के विवाह समारोह में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पत्नी संग विवाह समारोह में हुए शामिल

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपनी धर्मपत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन के साथ सरायकेला-खरसावां जिला के चांडिल प्रखंड स्थित धातकीडीह में गुरु चरण किस्कू के सुपुत्र संतोष कुमार किस्कू संग स्नेहा सोरेन के विवाह के उपलक्ष्य में आयोजित वर-वधू स्वागत समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने नव दंपति को बधाई देने के साथ सुखद एवं खुशहाल दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर गुरु चरण किस्कू एवं उनके सगे-संबंधी मौजूद रहे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री के यहां आगमन पर सरायकेला खरसावां जिला प्रशासन की ओर से स्वागत एवं गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

विमेंस अंडर 23 के नॉक आउट मुकाबले कल से

रांची (बिभा): रांची में 15 मार्च से 22 मार्च तक बीसीसीआई द्वारा आयोजित विमेंस अंडर 23 के नॉक आउट मुकाबले खेले जाएंगे। जिसमें 10 टीमें रांची आ रही जिसमें तमिल नाडु, आंध्र, पंजाब, दिल्ली, मुंबई, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, बंगाल, मध्य प्रदेश और कर्नाटक शामिल है।15 मार्च को पहला प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला तमिल नाडु और आंध्र के बीच जेएससीए स्टेडियम में वही दूसरा प्री क्वार्टर फाइनल मध्यप्रदेश और बंगाल के बीच ऊषा मार्टिन यूनिवर्सिटी ग्राउंड में खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला 22 मार्च को जेएससीए स्टेडियम में खेला जाएगा। टीमें 13 और 14 मार्च को नेट प्रैक्टिस करेंगी। मैच संचालित करने के लिए बीसीसीआई द्वारा नियुक्त मैच ऑफिशियल, अंपायर,मैच रेफरी और वैन्यू मैनेजर रांची आ चुके है। जेएससीए ने इस टूनार्मेंट को सफलता पूर्वक आयोजित करने के लिए सभी तैयारियां कर ली है। कल दोनों ग्राउंड का निरीक्षण मैच रेफरी और बीसीसीआई के वैन्यू इंचार्ज के द्वारा किया जाएगा।

बीटोत्सव 2026 की थीम 'गाथा- द हिस्ट्री इन एनैक्डोट्स' की घोषणा

रांची(बिभा): बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा ने अपने प्रमुख सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सव बीटोत्सव 2026 की आधिकारिक थीम की घोषणा की। यह कार्यक्रम 19 मार्च से 22 मार्च 2026 तक आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ और विद्यार्थियों द्वारा संचालित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर संस्थान के कई वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें डीन ऑफ स्टूडेंट अफेयर्स डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, एसोसिएट डीन ऑफ स्टूडेंट अफेयर्स डॉ. दिलीप कुमार उपाध्याय और डॉ. गौतम शांडिल्य शामिल थे। इसके साथ ही बीटोत्सव 2026 के फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ. सुमित श्रीवास्तव और डॉ. ओ. पी. पांडेय भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। आयोजन समिति के सदस्य और परिसर के विभिन्न विभागों के छात्र भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। आयोजन टीम द्वारा अतिथियों को सम्मान स्वरूप पौधे भेंट किए गए। कार्यक्रम के दौरान बीटोत्सव 2026 की थीम गाथा -द हिस्ट्री इन एनैक्डोट्स का अनावरण किया गया। इसी अवसर पर बीटोत्सव 2026 की आधिकारिक वेबसाइट भी लॉन्च की गई, जहाँ उत्सव से जुड़ी जानकारी और पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध होगी। कार्यक्रम में ऋथम द्वारा एक डीजे प्रस्तुति भी आयोजित की गई। बीटोत्सव, बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा का वार्षिक सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सव है। यह उत्सव देशभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को एक मंच पर लाता है, जहाँ वे प्रतियोगिताओं, प्रस्तुतियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। यह कार्यक्रम संस्थान के मेसरा परिसर, रांची में आयोजित किया जाता है।

शतरंज चैंपियनशिप का हुआ समापन, विजेता हुए पुरस्कृत

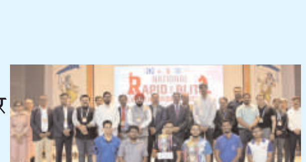

रांची(बिभा) : सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के सभागार में झारखंड राज्य शतरंज संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नेशनल रैपिड एंड ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप 2025-26 का आज समापन हुआ। इस अवसर पर रैपिड कैटेगरी में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के अरण्यक घोष, तमिलनाडु के कार्तिकियन मुरली और हरि माधवन क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को 75,000 रु. से पांच हजार रु. तक की राशि से पुरस्कृत किया गया। टूनामेंट की ब्लिट्ज कैटेगरी में महाराष्ट्र के पुराणिक अभिमन्यु, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के सायंतन दास और तमिलनाडु के हरि माधवन को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस कैटेगरी में विजेताओं को 50,000 रु. से लेकर पांच हजार रु तक की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। प्रतियोगिता के दौरान रांची जिला शतरंज संघ तथा ऑर्गेनाईजिंग कमेटी के सचिव नवजोत अलंग, सतीश कुमार, मिथिलेश पांडे, श्री आशीष साहू, सुनील कालरा, मृदुल कुमार, दीपक कुमार, प्रभात कुमार सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस भव्य आयोजन के लिए आयोजन समिति समेत समस्त प्रतिभागियों को राज्य शतरंज संघ के संरक्षक राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

आदिवासी छात्र संघ का प्रतिनिधिमंडल ने नव नियुक्त कुलपति का से की शिष्टाचार मुलाकात

रांची(बिभा) : आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष विवेक तिर्की के नेतृत्व में संघ के प्रतिनिधिमंडल ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि में नव नियुक्त कुलपति प्रो. राजीव मनोहर से शिष्टाचार मुलाकात कर उनका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर आदिवासी छात्र संघ की ओर से कुलपति को पारंपरिक आदिवासी गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया। मुलाकात के दौरान अध्यक्ष विवेक तिर्की ने नव नियुक्त कुलपति को ज्ञापन सौंपते हुए विश्वविद्यालय की वर्तमान शैक्षणिक स्थिति से अवगत कराया।

आईएएस की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए दिल्ली में फ्लैट खरीदेगी सरकार : चमरा

बिभा संवाददाता

रांची। विधानसभा बजट सत्र की दूसरी पाली में आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि राज्य में आदिवासियों का शोषण रोकना होगा। उन्होंने भाजपा पर आदिवासियों को धोखा देने का आरोप लगाया। मंत्री चमरा लिंडा शुक्रवार को सदन में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछडा वर्ग कल्यांण विभाग और महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के कटौती प्रस्ताव पर चर्चा के बाद सरकार की ओर से सदन में जवाब दे रहे थे।

मंत्री ने कहा कि छात्रवृत्ति के 900 करोड़ रुपये अबतक केंद्र सरकार के पास बाकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने संसाधन विकसित कर और नियमों को शिथिल कर छात्रवृत्ति देने का प्रयास कर रही है। इसपर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य के जनजातीय हॉस्टल पर बात होनी चाहिए कि वहां जाकर देखना चाहिए कि बच्चे किस हालत में रह रहे हैं। छात्राओं के हॉस्टल में नाइट

गार्ड और रसोइया तक नहीं हैं। गैस का कनेक्शन भी नहीं है।

उन्होंने छात्रावासों की संख्या बढ़ाने की मांग की।

जिसपर संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि आदिवासी मुद्दा एक राष्ट्रीय विषय है। इसकी चर्चा सदन में क्यों नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने असम में आदिवासियों के लिए जो घोषणा की थी, उसे अबतक पूरा नहीं किया गया। रघुवर दास के शासनकाल में सीएनटी एक्ट में संशोधन लाया गया था। वहीं सरना कोड को केंद्र सरकार ने अब तक मंजूरी नहीं दी है।

मंत्री ने कहा कि आईएएस की तैयारी के लिए दिल्ली में फ्लैट खरीदा जाएगा, जहां राज्य के छात्र रहकर यूपीएससी की कोचिंग कर सकेंगे। हर जिले में तीन मंजिला कोचिंग लाइब्रेरी और कल्चर हॉल बनाया जाएगा। प्रत्येक हॉस्टल में मुफ्त भोजन के साथ लाइब्रेरियन, कुक और गार्ड की व्यवस्था की जाएगी। बिरसा मुंडा की स्मृति में 40 करोड़ रुपये की लागत से संग्रहालय बनाया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि आदिवासी कल्याण विभाग के 16 अस्पतालों में एमआरआई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। बीआईटी मेसरा में आईटीआई, बीएड और नर्सिंग की पढ़ाई कराई जाएगी, जहां भोजन और हॉस्टल की सुविधा मुफ्त होगी। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने बजट की मांगों पर सदन में लाए गए विपक्ष की कटौती प्रस्ताव को अस्वीकृत करते हुए मांगे स्वीकृत कर दी। इसके साथ ही स्पीकर ने विधानसभा की कार्यवाही 14 मार्च की सुबह 10 बजे तक के लिए स्थगीत कर दी।

प्रकृति पर्व सरहूल में मुख्यअतिथि होंगे पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, दिया आमंत्रण

बिभा संवाददाता

रांची : कांके रोड सरना समिति के एक प्रतिनिधिमंडल डब्लू मुण्डा के अगुवाई में झारखण्ड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी से मुलाकात कर उन्हे आदिवासी पारंपरिक अंगवस्त्र,फूलों का गुलदस्ता देकर 21 मार्च 2026 को प्रकृति पर्व सरहूल में मुख्यअतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया।

इस भेंटवर्ता में मुख्य रूप से कांके रोड सरना समिति अध्यक्ष डब्लू मुण्डा, सचिव

रंजीत पहान, उपसचिव लखन मुण्डा, रोहित लोहरा, राज लोहरा, संदीप लोहरा, प्रकाश टोप्पो, सोमरा गाड़ी,आदि उपस्थित थे।

शिक्षक कक्षाओं के नियमित और गुणवत्तापूर्ण संचालन को लेकर अपनी प्राथमिकता सुनिश्चित करें : कुलपति

डॉ राजीव मनोहर ने डीएसपीएमयू के कुलपति का पदभार ग्रहण किया

बिभा संवाददाता

रांची : लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ राजीव मनोहर ने शुक्रवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची के कुलपति का पदभार ग्रहण किया । झारखंड के राज्यपाल-सह-कुलाधिपति के निदेर्शानुसार वह पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले तीन वर्ष तक इस पद पर कार्य करेंगे। पदभार ग्रहण के उपरांत तत्काल उन्होंने शिक्षकेत्तर कर्मियों से उनकी समस्याओं पर बात करने की पहल करते हुए उनके सकारात्मक त्वरित निष्पादन की बात कही। उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया कि अति शीघ्र

इसका निष्पादन किया जाएगा। कर्मियों ने भी उन्हें शिक्षण और अन्य प्रशासनिक कार्यों में अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कक्षाओं के सुचारू संचालन में सकारात्मक सहयोग देने की बात कही। इसके उपरांत उन्होंने विश्वविद्यालय के गांधी सभागार में सभी संकायों के डीन, विभागाध्यक्षों और शिक्षकों के साथ प्रथम महत्वपूर्ण संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता विश्वविद्यालय की मूलभूत समस्याओं को चिन्हित कर उनके निराकरण की होगी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षकों से यह अपेक्षित होगा कि वह नियत समय पर वर्ग संचालन और गुणवता पूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की पहचान शोध और अनुसंधान से होती है अतः इस दिशा में उनका पूरा प्रयास और सहयोग विश्वविद्यालय परिवार को प्राप्त होगा। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए शिक्षण प्रणाली को भी रुचिकर और प्रासंगिक बनाने की बात कही। उनका स्वयं का भी यह प्रयास होगा कि वह भौतिकी के शिक्षक होने के नाते कुलपति का दायित्व निभाने के साथ साथ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की कक्षाएं लेकर उनका मार्गदर्शन करें। यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

जेसीआई ने 'सस्टेनेबल सिपिंग' अभियान के तहत लाबेद गांव में स्टील की बोतलों का किया वितरण

बिभा संवाददाता

रांची: सामुदायिक कल्याण और पर्यावरण संरक्षण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, जेसीआई राँची द्वारा शुक्रवार को लाबेद गाँव में 'बोतल वितरण' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। सस्टेनेबल सिपिंग पहल के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को हानिकारक प्लास्टिक बोतलों के स्थान पर सुरक्षित और टिकाऊ स्टेनलेस स्टील की बोतलें प्रदान करना है।

लाबेद, जेसीआई रांची द्वारा गोद लिया गया एक गाँव है, जहाँ संस्था ने प्राथमिक विद्यालय, पुस्तकालय, बच्चों का खेल मैदान, पूजा स्थल एवं अन्य स्थायी परियोजनाओं का निर्माण कर गाँव के विकास में

महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी कार्यक्रम में जेसीआई रांची के सदस्यों द्वारा गाँव के बच्चों के बीच स्टेशनरी सामग्री का भी वितरण किया गया।

इस विशेष अवसर पर जेसीआई इंडिया (क्षेत्र-ए) के नेशनल वाइस प्रेसिडेंट जेएफएस जितेश आडवाणी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयं ग्रामीणों को बोतलें वितरित कीं और शुद्ध पेयजल के महत्व पर जोर दिया। इस अभियान का उद्देश्य न केवल स्वास्थ्य सुरक्षा है, बल्कि प्लास्टिक कचरे को कम करके पर्यावरण को बचाना भी है।

कार्यक्रम के दौरान जेसीआई रांची के अध्यक्ष अभिषेक जैन ने कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि लाबेद का हर निवासी शुद्ध और सुरक्षित जल का सेवन करे। प्लास्टिक मुक्त भविष्य की ओर यह हमारा एक छोटा लेकिन प्रभावी कदम है।

इस सफल आयोजन में खउकराँची की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसमें मुख्य रूप से अभिषेक जैन, साकेत अग्रवाल, ऋषभ जैन, अंकित मोदी, राहुल टीबरेवाल, अभ्युदय मोदी, रौनक सिन्हा, सिद्धार्थ जैन, तरुण अग्रवाल, अनिश जैन, मेहुल अग्रवाल शामिल थे। यह जानकारी जेसीआई रांची के प्रवक्ता जेसी रवि सामौता ने दी।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य, स्थापित अधिनियमों के अनुसार ही करें : सीईओ

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण में किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए कोई स्थान नहीं है। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से गहन पुनरीक्षण के लिए प्रत्येक बिंदु अधिनियमों में वर्णित है। पदाधिकारी इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी कार्य अथवा निर्णय भारत निर्वाचन आयोग की ओर से निर्देशित किए गए स्थापित अधिनियमों के अनुसार ही करें। के. रवि कुमार शुक्रवार को निर्वाचन सदन से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे।

के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन के

समय एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ एवं डुप्लीकेट की सूची अलग से प्रकाशित की जाएगी। इस सूची को डिजिटलाइज्ड करने का कार्य ससमय पूरा करें। एएसडीडी सूची को संबंधित मतदान केंद्र के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट से सत्यापित कराना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में जिला स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण पूर्व तैयारियों के अद्यतन स्थिति एवं समन्वय के लिए बैठक अवश्य कर लें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि एक भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से छुटे नहीं इसे लक्ष्य के साथ कार्य करना है। उन्होंने कहा कि बीएलओ घर घर जाने के क्रम में उस घर के मुखिया एवं उस घर में रह रहे सदस्यों की भी एक सूची बना लें जिससे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में सहायता प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि वैसे मकान जिनका मकान संख्या नहीं है उसे नोशनल नंबर देकर चिन्हित करें। जिससे एक मकान में रह रहे मतदाताओं का मतदान केंद्र एक ही स्थान पर रहे।

कुमार ने कहा कि बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर की ट्रेनिंग ससमय करा लें। ट्रेनिंग के दौरान ईसीआई नेट के माध्यम से बीएलओ से संपर्क करने के बुक ए कॉल फीचर की पूरी जानकारी दें साथ ही इसपर मतदाताओं की ओर से किए गए सवालों एवं शिकायतों का त्वरित रूप से निष्पादन करें। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, ट्रेनिंग नोडल देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित निर्वाचन से संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

ई-नीलामी के जरिए दक्षिण पूर्व रेलवे की रद्दी की बिक्री

सं.: एसईआर/एचक्यू-एसटीओआर0सेल(डीएसपीएल)/1/2026-27/सेल/1 दिनांक: 12.03.2026

अप्रैल, मई, जून - 2026 महीने के लिए ई-नीलामी कार्यक्रम

नीलामी कार्यक्रम प्रथम तिमाही 2026-27

माह	मंडल एवं डिपो				
	आद्रा मंडल	खड़गपुर डिपो	चक्रधरपुर मंडल	खड़गपुर मंडल	रांची मंडल
अप्रैल 2026	06.04.2026	07.04.2026	01.04.2026	02.04.2026	06.04.2026
	13.04.2026	16.04.2026	08.04.2026	09.04.2026	10.04.2026
	20.04.2026	21.04.2026	15.04.2026	16.04.2026	17.04.2026
	27.04.2026	28.04.2026	22.04.2026	23.04.2026	24.04.2026
			29.04.2026	30.04.2026	
मई 2026	04.05.2026	05.05.2026	06.05.2026	07.05.2026	08.05.2026
	11.05.2026	12.05.2026	13.05.2026	14.05.2026	15.05.2026
	18.05.2026	19.05.2026	20.05.2026	21.05.2026	22.05.2026
	25.05.2026	26.05.2026	26.05.2026	28.05.2026	29.05.2026
जून 2026	01.06.2026	02.06.2026	03.06.2026	04.06.2026	05.06.2026
	08.06.2026	09.06.2026	10.06.2026	11.06.2026	12.06.2026
	22.06.2026	23.06.2026	24.06.2026	25.06.2026	24.06.2026
	29.06.2026	30.06.2026	30.06.2026		

वि.द्र.: ई-नीलामी अनुसूची एवं कैटलॉग के विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in/e-Auction देखें।

(PR-1296)

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/गार्डनरीच

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

ललित गर्ग

यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए।

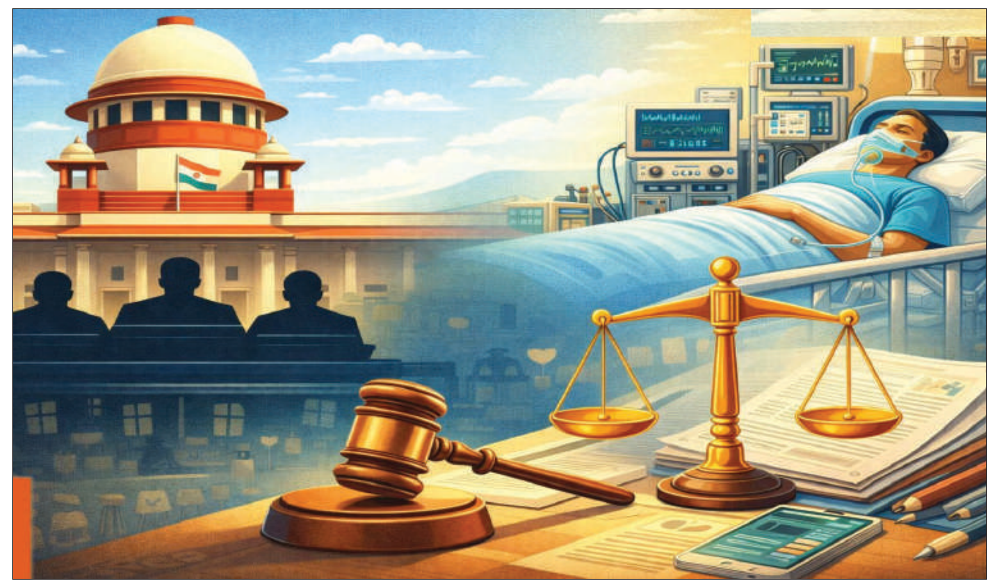

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए?

इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए।

इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए 'लिविंग विल' की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए।

हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है।

इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांत, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे।

इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसा कानून बनाते समय दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा। पहली, यह कि असाध्य रोगियों को अनावश्यक पीड़ा से मुक्ति मिल सके। दूसरी, यह कि किसी प्रकार के दबाव, स्वार्थ या आर्थिक कारणों से किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु के लिए विवश न किया जा सके। स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्त इच्छा का सम्मान इस प्रक्रिया के आवश्यक तत्व होने चाहिए।

निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय केवल एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि संवैधानिक करुणा का एक उदाहरण है। इसमें न्याय, संवेदना और मानवीय गरिमा तीनों का संतुलित रूप दिखाई देता है। वास्तव में यह निर्णय हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन का सम्मान केवल उसे लंबा खींचने में नहीं, बल्कि उसकी गरिमा को बनाए रखने में है। जब उपचार असंभव हो जाए और चिकित्सा केवल पीड़ा को बढ़ाने का माध्यम बन जाए, तब गरिमापूर्ण विदाई भी मानवीयता का ही विस्तार बन जाती है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि भारत में इच्छामृत्यु के प्रश्न पर व्यापक सामाजिक संवाद हो और एक ऐसा संवेदनशील तथा संतुलित कानूनी ढांचा तैयार किया जाए, जो व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने और गरिमा के साथ मरनेकृदोनों का अधिकार सुनिश्चित कर सके।

संपादकीय

पूरा हुआ अविश्वास प्रस्ताव का मकसद

बुधवार, 11 मार्च को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने के लिए लाया गया विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से गिर गया, गिरना ही था। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है। विपक्ष भी इस बात को जानता था कि यह प्रस्ताव सफल नहीं होगा। लेकिन जिस उद्देश्य से विपक्ष ने इस प्रस्ताव को पेश किया, उसमें काफी हद तक उसे सफलता मिल गई है। लोकसभा में अध्यक्ष की आसंदी दलगत राजनीति से ऊपर होती है और उसकी निगाह में पक्ष-विपक्ष का महत्व एक समान होता है। यह व्यवस्था इसलिए बनाई गई है ताकि लोकसभा की कार्रवाई में पक्षपात न रहे। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसदों को जनता ही चुनकर भेजती है, इसलिए दोनों की आवाज को बराबरी से स्थान मिले, यह जरूरी है। अगर विपक्ष की आवाज को दबाया जाए और बहुमत के कारण सारे फैसले सत्ता पक्ष के हक में लिए जाएं, तो यह केवल विपक्षी सांसदों के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि उनके क्षेत्र के करोड़ों मतदाताओं के साथ नाइंसाफी है। अगर जनता के साथ नाइंसाफी होती है, तो फिर लोकतंत्र ही अपना अर्थ खो देता है। इस अर्थ को बचाने के लिए बजट सत्र के पहले चरण में विपक्ष ने ओम बिड़ला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। विपक्ष के लिए शायद यही आखिरी रास्ता भी बचा था कि किसी तरह अपनी बात को आधिकारिक तौर पर दर्ज करा सके। ध्यान रहे कि संसद सत्र के पहले चरण में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने ही नहीं दिया गया। पहले जनरल मनोज नरवणे की किताब के जिक्र पर उन्हें बोलने से रोका गया और नेता प्रतिपक्ष के भाषण के बिना ही राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित कर दिया गया। इसके बाद एपस्टीन फाइल्स के जिक्र पर फिर से राहुल गांधी की बात को दबाया गया। उनके साथ-साथ कई और सांसदों को बोलने से रोका गया। इन सब में बार-बार निगाहें ओम बिड़ला की तरफ ही जाती थीं कि वे नीर-क्षीर विवेक से निर्णय लेंगे, लेकिन उन्होंने भी संसदीय नियमों का हवाला देते हुए बार-बार विपक्ष को ही टोका। हद तो तब हो गई जब लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्ष की महिला सांसदों पर आरोप लगाया कि वे प्रधानमंत्री की कुर्सी के सामने आ गई थीं और इससे प्रधानमंत्री को खतरा था, लिहाजा उन्होंने नरेन्द्र मोदी को सदन में आने से मना कर दिया।

चिंतन-मनन

इच्छा का लक्ष्य है खुशी

बुरी आदत को छोड़ने की असमर्थता तुम्हें तकलीफ देती है। जब तुम बहुत पीड़ित होते हो, वह व्यथा तुम्हें उस आदत से छुटकारा दिलाती है। जब तुम अपनी कमियों से व्यथा महसूस करते हो, तब तुम साधक हो। पीड़ा तुम्हें आसक्ति से दूर करती है। यदि अपने दुगुर्णों को हटा नहीं सकते, तो उन्हें विस्तृत कर दो। चिन्ता, अभिमान, प्रोध, कामना, दुख सबको एक और बड़ा आयाम दे दो, एक दूसरी दिशा। छोटे-छोटे विषयों पर नाराज होने का क्या तुक है? नाराज होना है तो अनन्तता के प्रति, ब्रह्म के प्रति हो। यदि तुम अपने अहंकार को नहीं खत्म कर सकते तो अहंकार करो कि ईश्वर तुम्हारे हैं। यदि आसक्ति तुम पर छाई है, तो सत्य के प्रति आसक्त हो जाओ। यदि ईर्ष्या तुम्हें सताती है, तो सेवा के लिए ईर्ष्या करो। द्वेष के प्रति द्वेष रखो; गुरु से राग करो। दिव्यता के प्रति मदहोश हो जाओ।

इन्द्रिय सुखों की इच्छाएं विद्युत की तरह हैं; जैसे-जैसे वे विषय विस्तुओं की ओर बढ़ती है, निष्प्रभावी हो जाती हैं। अपनी कुशलता से यदि तुम इच्छाओं को अपने भीतर मोड़ सको- अपने अस्तित्व के केन्द्र की ओर- तो तुम्हें मिलेगा एक और आयाम- चिरन्तन सुख, रोमांच, परमानन्द और शात प्रेम। वासना, लोभ और ईर्ष्या इसलिए शक्तिशाली हैं क्योंकि ये केवल ऊर्जा हैं और तुम ही इनके स्रेत हो- वह विशुद्ध ऊर्जा। निष्ठा और भक्ति तुम्हारी ऊर्जा को शुद्ध बनाए रखती हैं, तुम्हें उन्नत करती हैं।

जब तुम यह समझ लेते हो कि तुम स्वयं ही सुख की विद्युत धारा हो, तुम्हारी लालसाएं घटने लगती हैं और प्रशांति आती है। मृत्यु निश्चित है - यह याद रखने से तुम वर्तमान क्षण में सजीव रहते हो, राग और द्वेष से मुक्त। इच्छा खुशी को खत्म करती है, लेकिन सभी इच्छाओं का लक्ष्य है खुशी। जब भी जीवन से खुशी गायब होने लगे, भीतर गहराई में झांककर देखो- तुम पाओगे यह इच्छा के कारण हो रहा है। लेकिन हमारी इच्छा ही केवल खुशी है। कोई जीव आज तक पैदा नहीं हुआ जिसे दुःख की चाह हो- न ऐसा पहले कभी हुआ है, न भविष्य में होगा। जब तुम्हारा छोटा मन इधर-उधर, जब जगह भागते-भागते थक जाता है, वह इस निष्कर्ष पर पहुंचता है, मेरी इच्छाओं ने मेरी खुशी छीन ली है।

एलपीजी की जगह चूल्हा एक सस्ता विकल्प

संजय गोस्वामी

12 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार, ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच फारस की खाड़ी में गंभीर तनाव और संघर्ष जारी है, जो 12वें दिन में प्रवेश कर चुका है। ईरान द्वारा समर्थित गुटों ने अमेरिकी और खाड़ी देशों के तेल टैंकरों पर हमले किए हैं, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति पर संकट खड़ा हो गया है। युद्ध की स्थिति का सीधा असर होटल मालिकों पर पड़ने वाला है। संभावना है कि कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक खत्म होने पर होटल को जल्द ही बंद करना पड़ सकता है। कमर्शियल सिलेंडर की कमी पूरे देश में एलपीजी का संकट है एलपीजी सप्लाई में रुकावट का असर अब इंडिया इंक पर भी पड़ रहा है, कुछ कंपनियों ने कुकिंग गैस की कमी के कारण कैफेटेरिया और फूड सर्विस पर असर पड़ने की वजह से ऑपरेशनल दिक्कतों की रिपोर्ट दी है। साथ ही, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे शहरों में कमर्शियल एलपीजी सप्लाई में रुकावट की खबरें आई हैं, रेस्टोरेंट और खाने की जगहों को सिलेंडर खरीदने में मुश्किल हो रही है और कुछ मामलों में मेन्यू कम कर दिए गए हैं या ऑपरेशन कम कर दिए गए हैं। कई राज्यों में पुलिस ने भी एलपीजी सप्लाई को लेकर अफवाहों के बीच मॉनिटरिंग बढ़ा दी है, और गलत जानकारी, जमाखोरी और सिलेंडर की चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। हालांकि, सरकार का कहना है कि पूरे देश में एलपीजी का कोई संकट नहीं है और सप्लाई को स्थिर करने के लिए रिफाइनरी का आउटपुट लगभग 10% बढ़ा दिया गया है। एलपीजी सप्लाई, सरकार की प्रतिक्रिया और भारतीय शहरों की स्थिति पर लेटेस्ट अपडेट के लिए इस लाइव ब्लॉग को फॉलो करें। एलपीजी सप्लाई की कमी से पूरे भारत में होटल, रेस्टोरेंट पर असर है युद्ध के इस दौर में, गोबर से बनी बायोगैस या गोबर के उपले एलपीजी का एक आत्मनिर्भर और किफायती विकल्प प्रदान करते हैं।चूल्हा एक ऐसा उपकरण है जो स्थानीय ताप या खाना पकाने के लिए उपकरण के अंदर या ऊपर ऊष्मा उत्पन्न करता है। चूल्हे कई प्रकार के ईंधनों से चल सकते हैं, जैसे प्राकृतिक गैस, बिजली, गैसोलीन, लकड़ी और कोयला। चूल्हे के निर्माण के लिए सबसे आम सामग्री कच्चा लोहा, इस्पात और पत्थर हैं। चूल्हे और गोबर के उपले भारतीय ग्रामीण जीवन, संस्कृति और परंपरा के अभिन्न अंग हैं। मिट्टी के चूल्हे और गोबर के उपले न केवल सस्ते और आसानी से उपलब्ध ईंधन हैं, बल्कि आत्मीयता और पवित्रता का भाव भी रखते हैं। आत्मनिर्भरता, सादगी और पर्यावरण मित्रता के प्रतीक के रूप में ग्रामीण जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्वास्थ्य पर प्रभावः पुराने धुंआ उत्सर्जित करने वाले चूल्हे महिलाओं और बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बन सकते हैं, इसलिए लोग अब धुआं रहित चूल्हों की ओर बढ़ रहे हैं। आत्मनिर्भरता की कहानीः कई परिवार बायोगैस के माध्यम से आत्मनिर्भर हो गए हैं, वे गोबर से 8-10 घंटे तक चूल्हे को जलाते हैं। चूल्हा और गोइठा का संबंध केवल भोजन पकाने से नहीं, बल्कि एक जीवनशैली से है जो हमें प्रकृति के करीब रखती है। यह हमारे पूर्वजों की विरासत और सादगी का प्रतीक है, जिसे आज भी ग्रामीण भारत में संजोकर रखा गया है। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला में आज भी लोग पुराने और पारंपरिक ईंधनों का उपयोग न सिर्फ अपने दैनिक जीवन में कर रहे हैं, बल्कि परंपराओं के अनुसार धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं को भी पूरी श्रद्धा के साथ निभा रहे हैं. होली के पर्व से पहले गांवों में घरों में पाले गए मवेशियों के गोबर से गोईठा बनाया जाता है.मान्यता है कि गोबर शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक होता है, यही कारण है कि होली के दिनों में गोईठा की मांग बढ़ जाती है. कई लोग इसे बनाकर बेचते हैं, वहीं जिनके पास गोईठा उपलब्ध नहीं होता, वे गांवों से इसे लाकर होलिका दहन करते हैं. यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी हुई है, बल्कि ग्रामीण संस्कृति और सदियों पुरानी जीवनशैली की गहराई को भी दशार्ती है. चूल्हा और गोइठाः ग्रामीण जीवन के प्रतीक पारंपरिक संस्कृतिः गाँव में मिट्टी के चूल्हे पर बना खाना - विशेषकर रोटी, दाल और बाटी - स्वाद और सौंधी महक के लिए जाना जाता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स का गिरनाः क्या अर्थतंत्र में महासंकट के संकेत?

सौरभ वार्ष्णेय

वैश्विक अर्थव्यवस्था में जब भी ऊर्जा संकट गहराता है, उसका सीधा असर वित्तीय बाजारों और आम लोगों की जेब पर दिखाई देता है। हाल के दिनों में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी तथा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक गिरावट की ओर गया है। यह गिरावट केवल बाजार की सामान्य हलचल नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़े संभावित बड़े संकट का संकेत भी हो सकती है। वहीं जब मैं इस लेख को लिख रहा हूं तो सेंसेक्स और निफ्टी काफी हद तक गिर चुका है। ऐसे में सरकार के कहने के बावजूद जनमानस इस युद्ध के बीच ऊर्जा का भंडार भरकर रखना चाहता है, यह युद्ध क्या पटकथा लिखेगा कोई नहीं जानता क्योंकि रुस-युक्रेन युद्ध भी अभी तक समाप्त नहीं हुआ।

भारत जैसे देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयातित तेल और गैस पर निर्भर है। जब वैश्विक स्तर पर तेल-गैस की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो उसका असर सीधे महंगाई, उत्पादन लागत और व्यापार संतुलन पर पड़ता है। उद्योगों की लागत बढ़ती है, परिवहन महंगा होता है और अंततः इसका बोझ आम उपभोक्ता तक पहुंचता है। निवेशकों को भी यह संकेत मिलता है कि आने वाले समय में कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है।

शेयर बाजार का गिरना इसी चिंता का प्रतिबिंब है। निवेशक भविष्य की आशंकाओं को देखते हुए बाजार से पैसा निकालने लगते हैं। विदेशी निवेशक भी जोखिम से बचने के लिए उभरते बाजारों से पूंजी निकालते हैं, जिससे बाजार में गिरावट और तेज हो जाती है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास की गति पर पड़ सकता है।

ऊर्जा संकट का दूसरा पहलू राजकोषीय दबाव भी है। सरकार को महंगाई नियंत्रित करने के लिए करों में कटौती, सब्सिडी या अन्य राहत उपाय देने पड़ सकते हैं। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता है। साथ ही यदि आयात बिल बढ़ता है तो चालू खाते का घाटा भी बढ़ सकता है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन जाता है।

हालांकि यह भी सच है कि शेयर बाजार हमेशा दीर्घकालिक आर्थिक स्थिति का सटीक दर्पण नहीं होता। कई बार वैश्विक परिस्थितियों, भू-राजनीतिक तनाव या निवेशकों की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से भी बाजार अचानक गिर सकता है। इसलिए सेंसेक्स की गिरावट को तुरंत महा संकट मान लेना भी उचित नहीं होगा। लेकिन इसे एक चेतावनी संकेत जरूर माना जाना चाहिए।

ऐसे समय में सरकार और नीति-निमार्ताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की है। देश को तेल-गैस के आयात पर निर्भरता कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और रणनीतिक भंडार बढ़ाने जैसी नीतियों पर तेजी से काम करना होगा। साथ ही आर्थिक सुधारों और निवेश को बढ़ावा देकर बाजार का भरोसा बनाए रखना भी जरूरी है।

अंततः कहा जा सकता है कि तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स की गिरावट केवल बाजार की घटना नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी चुनौतियों की याद दिलाती है। यदि समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं तो यह संकट अवसर में भी बदल सकता है, लेकिन अगर इसे नजरअंदाज किया गया तो इसके गंभीर आर्थिक परिणाम सामने आ सकते हैं।

निवेशक दोहरी दुविधा में

वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिस्थितियों के बीच आज निवेशक एक कठिन दौर से गुजर रहा है। बाजार में अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय तनाव और महंगाई के दबाव ने निवेशकों को दोहरी दुविधा में डाल दिया है। एक ओर शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षित निवेश विकल्प भी अपेक्षित रिटर्न नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि निवेशक अपने धन को कहाँ और कैसे सुरक्षित रखें। हाल के समय में वैश्विक स्तर पर कई घटनाएँ आर्थिक बाजारों को प्रभावित कर रही हैं। तेल-गैस की कीमतों में अस्थिरता, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों में बदलाव का असर भारत सहित दुनिया के शेयर बाजारों पर दिखाई दे रहा है। जब भी वैश्विक स्तर पर संकट गहराता है, निवेशक जोखिम से बचने के लिए सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख करते हैं। लेकिन वर्तमान स्थिति में सुरक्षित निवेश भी बहुत आकर्षक नहीं दिख रहा।

दूसरी ओर घरेलू स्तर पर भी निवेशकों के सामने कई सवाल खड़े हैं। महंगाई की दर में उतार-चढ़ाव, ब्याज दरों की अनिश्चितता और कंपनियों के भविष्य को लेकर आशंकाएँ निवेशकों को निर्णय लेने में कठिनाई पैदा कर रही हैं। शेयर बाजार में निवेश करने पर जोखिम अधिक है, जबकि बैंक जमा या अन्य सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न सीमित है। यही कारण है कि निवेशक समझ नहीं पा रहे कि जोखिम उठाकर बाजार में बने रहें या सुरक्षित विकल्पों में पैसा लगाएँ।

निवेशकों की यह दुविधा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। बाजार की अस्थिरता के कारण कई छोटे निवेशक घबराकर अपने निवेश को निकाल लेते हैं, जिससे बाजार में और अधिक गिरावट देखने को मिलती है। वहीं कुछ अनुभवी निवेशक इसे अवसर के रूप में देखते हैं और गिरते बाजार में निवेश बढ़ाते हैं। ऐसी स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण है संतुलित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों को घबराहट में निर्णय लेने के बजाय अपने निवेश को विविध क्षेत्रों में बांटना चाहिए और लंबी अवधि की रणनीति अपनानी चाहिए। इससे जोखिम कम किया जा सकता है और बाजार की अस्थिरता का प्रभाव भी सीमित किया जा सकता है।

सरकार और नियामक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी है कि वे आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। पारदर्शी नीतियाँ, निवेश के अनुकूल वातावरण और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर निवेशकों का भरोसा मजबूत किया जा सकता है।

यह कहा जा सकता है कि वर्तमान समय निवेशकों के लिए परीक्षा का दौर है। दोहरी दुविधा के बीच सही निर्णय वही होगा जो धैर्य, समझ और दीर्घकालिक सोच पर आधारित हो। अगर निवेशक संतुलित रणनीति अपनाते हैं, तो अस्थिर बाजार भी भविष्य के अवसरों में बदल सकता है।

तेल-गैस संकट से कैसे मिले निजात?

विश्व राजनीति और ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितता ने एक बार फिर तेल-गैस संकट की आशंका को गहरा कर दिया है। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव, आपूर्ति में रुकावट और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देश पर पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए जब भी वैश्विक स्तर पर संकट पैदा होता है, उसका दबाव देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम उपभोक्ता पर साफ दिखाई देता है।तेल और गैस केवल ईंधन नहीं, बल्कि आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। परिवहन, बिजली उत्पादन, उद्योग और घरेलू उपयोग–हर क्षेत्र इन पर निर्भर है। जब इनकी कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति कम होती है, तो महंगाई बढ़ती है, उत्पादन लागत बढ़ती है और आर्थिक विकास की गति भी प्रभावित होती है। इसलिए यह केवल ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी बन जाता है।इस संकट से निपटने के लिए सरकार को बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण जरूरी है। भारत को केवल कुछ सीमित देशों पर निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग क्षेत्रों से तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। दीर्घकालिक समझौते और रणनीतिक भंडारण भी आपूर्ति सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम वैकल्पिक और नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे स्रोत भविष्य में तेल-गैस पर निर्भरता कम कर सकते हैं। भारत ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन इसे और तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता है।तीसरा, ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। उद्योगों, वाहनों और घरेलू उपयोग में ऊर्जा की बचत से खपत कम की जा सकती है। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार भी तेल की मांग घटाने में मदद कर सकता है। तेल-गैस संकट हमें यह याद दिलाता है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आयात से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नीति, तकनीकी नवाचार और आत्मनिर्भरता से ही सुनिश्चित हो सकती है। यदि भारत समय रहते सही कदम उठाता है, तो वह न केवल इस संकट से उबर सकता है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों का भी मजबूती से सामना कर सकता है।

प्रदान के बोर्ड अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने किया सलगी के रोचो बरवाटोली का भ्रमण, बोले

जैविक खेती में अग्रणी बन सकता है लोहरदगा

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। प्रदान संस्था के बोर्ड अध्यक्ष एस. एम. विजयनंद (पूर्व मुख्य सचिव, केरल तथा पूर्व सचिव, पंचायती राज, भारत सरकार) और बोर्ड की उपाध्यक्ष डॉ. रुक्मिणी बनर्जी, सीईओ एवं प्रमुख, प्रथम संगठन तथा प्रदान संस्था के कार्यकारी निदेशक सरोज महापात्रो ने कुडू प्रखंड के सलगी पंचायत स्थित रोचो बरवाटोली गांव का भ्रमण किया। इस दौरान दोनों सदस्यों ने रोचो बरवाटोली में लोहरदगा में पहली बार इंटरक्रॉपिंग के जरिये हो रही इलायची, वेनिला और काली मिर्च की खेती के मॉडल पर हर्ष व्यक्त किया। साथ ही कहा कि लोहरदगा जिला के पास जैविक खेती में अग्रणी व मॉडल बनने की सभी संभावनाएं मौजूद हैं।

इस अवसर पर सलगी पंचायत की मुखिया सुमित्रा देवी तथा बड़कीचांपी पंचायत के प्रतिनिधि राजधन भगत ने भी इस भ्रमण में भाग लेते हुए स्थानीय विकास और पंचायतों के भविष्य के प्रति अपनी दृष्टि साझा की।

यह भ्रमण विकसित हो रहे लोहरदगा मॉडल को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जिसमें समुदाय-नेतृत्वित विकास, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और जलवायु-अनुकूल आजीविका पर विशेष ध्यान दिया गया। यह गांव प्रदान के गहन फ्ध-अढउ क्लस्टर के

अंतर्गत आता है।

गांव की महिला सदस्यों ने बताया कि किस प्रकार समुदाय के योगदान, सामूहिक प्रयासों और विभिन्न सरकारी विभागों के साथ समन्वय के माध्यम से गांव में विभिन्न विकासात्मक कार्य संचालित की जा रही हैं।महिला सदस्यों द्वारा बीते तीन वर्ष, वर्तमान स्थिति तथा आगामी दस वर्षों में इसके प्रतिफल की जानकारी सभी के समक्ष रखी। बताया कि किस तरह पुनयोर्जी कृषि तकनीक से मिट्टी की सेहत में सुधार, परिवारों के स्वास्थ्य और पोषण में वृद्धि तथा आय में बढ़ोतरी जैसे सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

इस दौरान गांव की महिला सदस्यों ने बताया कि किस तरह सभी ने स्वयं सहायता समूह से आगे बढ़कर किसान उत्पादक समूह (एफपीओ) और क्लस्टर स्तरीय महासंघ में नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभा रही हैं।

प्रस्तुतियों के बाद बोर्ड के सदस्यों ने किसान उत्पादक द्वारा की गई पहल का निरीक्षण किया और 27 एकड़ के आम बागवानी के साथ-साथ की जा रही अंतरवर्तीय खेती और स्ट्रॉ मल्चिंग जैसी तकनीकों का सफल उपयोग से काफी प्रभावित हुए। इसके अतिरिक्त उन्होंने बैकयार्ड पोल्ट्री इकाइयों, पोषण वाटिकाओं, विभिन्न मॉडलों वाले पुनयोर्जी कृषि प्लॉट (जिनमें स्थायी फ्रेंीी ड्डी मॉडल भी शामिल है), बड़े पैमाने पर पपीता बगान, ब्रॉयलर पोल्ट्री यूनिट तथा पुनयोर्जी कृषि नर्सरी का भी निरीक्षण किया।

क्षेत्रीय भ्रमण के बाद अतिथियों ने सीड बैंक, स्थानीय खाद्य पदार्थों और स्थानीय एफपीओ के मूल्य संवर्धित उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सभी हितधारकों के बीच एक चर्चा आयोजित हुई। इस दौरान श्री विजयनंद और डॉ. रुक्मिणी बनर्जी ने महिला सदस्यों के आत्मविश्वास और स्पष्टता की सराहना की, जिसके साथ उन्होंने गांव की बहुआयामी विकास प्रगति प्रस्तुत की। इस भ्रमण में जिला पंचायत राज पदाधिकारी अंजना दास, जिला कृषि पदाधिकारी कालेन खलखो, जिला उद्यान पदाधिकारी सौरव लोहानी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी मोहितोष पांडेय, जिला पशुपालन पदाधिकारी रमेश उरांव व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

उपायुक्त के पहल की सराहना

बोर्ड के सदस्यों ने पंचायत और गांव स्तर पर अपनाए जा रहे कन्वर्जेन्स मॉडल की भी सराहना की। ढफ्अऊअठ टीम द्वारा प्रस्तुत विकास दृष्टिकोण को समुदाय-नेतृत्वित और सहयोगात्मक विकास के एक पुनरुत्पादित मॉडल के रूप में देखा विजयनंद ने जिला के उपायुक्त डॉ ताराचंद के भूमिका की भी सराहना की, जिन्होंने पंचायत सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और विभिन्न विभागों में समन्वय एवं प्रभावी सहयोग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा की पंचायत गोइठ जैसा कार्यक्रम बहुत प्रभावी है और वो इस बात की सरकार से अनुशंसा करेंगे कि झारखंड के सभी जिला में ये कार्यक्रम हर सप्ताह हो। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोहरदगा जिला आने वाले समय में पूर्ण रूप से जैविक कृषि जिला बन सकता है।जिला अधिकारियों ने भी चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए आजीविका, मृदा एवं जल संरक्षण, पंचायती राज सुदृढ़ीकरण तथा जिले में चल रही अन्य विकास पहलों को साझा किए।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त की अध्यक्षता में भू अर्जन की बैठक आयोजित, कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर हुई चर्चा

लोहरदगा(बिभा)। शुक्रवार 13 मार्च को उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में भू-अर्जन की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपायुक्त ने कुडू-घाघरा पथ मे टॉल गेट निर्माण, लोहरदगा बाईपास पथ में अधिग्रहण की गयी भूमि के रैयतों को मुआवजा, कुडू बाजार चौक के पास मुख्य पथ के किनारे नाला निर्माण, कुडू उदयपुरा पथ निर्माण समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। कुडू-उदयपुरा पथ में विवादित व असहमति मामलों को भूमि अधिग्रहण न्यायालय में भेजे जाने और भू-अर्जन कार्यालय में प्राप्त अभिलेखों का मिलान के उपरांत मामलों में भुगतान का निर्देश दिया गया। तोड़े गए संरचनाओं के मामलों में नियमानुसार भुगतान का निर्देश दिया गया। नदिया-इरगांव पथ निर्माण का कार्य व अधिग्रहित की गई भूमि के रैयतों को नियमानुसार भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सुजाता कुजूर, सभी संबंधित अंचल अधिकारी, सभी विभागों के अभियंतागण उपस्थित थे।

सीएसआईआर जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद(बिभा) : सीएसआईआर-केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीआईएमएफआर), धनबाद के बरवा रोड परिसर में 13 मार्च को सीएसआईआर जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्कृति विद्या मंदिर हाई स्कूल, डिगवाडीह के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें 28 विद्यार्थियों एवं 2 शिक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. पल्लवी दास, प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी (जिज्ञासा) ने विद्यार्थियों को सीएसआईआर जिज्ञासा कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी तथा फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप की अवधारणा से परिचित कराया। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के दौरान फोल्डस्कोप के बारे में विस्तार से बताया गया। फोल्डस्कोप एक कम लागत वाला कागज आधारित माइक्रोस्कोप है, जिसे स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका के प्रोफेसर मनु प्रकाश द्वारा विकसित किया गया है। विद्यार्थियों को इसके कार्य सिद्धांत और उपयोगों की जानकारी दी गई। इसके बाद हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण गतिविधि के तहत विद्यार्थियों ने स्वयं फोल्डस्कोप को असेंबल किया और इसके माध्यम से प्याज की कोशिकाओं, बाल तथा मच्छर जैसे सूक्ष्म नमूनों का अवलोकन किया। इस सत्र ने विद्यार्थियों में जिज्ञासा उत्पन्न की तथा उनकी अवलोकन क्षमता को बढ़ाने में सहायता की। कार्यक्रम में दिलीप कुम्भाकर, मुख्य वैज्ञानिक एवं परियोजना प्रमुख - जिज्ञासा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में सुनीता, अमरेश, रूपा, अंकिता एवं सबिता रॉय ने स्वयंसेवक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों को फोल्डस्कोप असेंबल करने में सहायता प्रदान की और कार्यक्रम के सुचारू संचालन में सहयोग किया।

डोरंडा और नामकुम सहित कई क्षेत्रों में 14 को बाधित रहेगी विद्युत सेवा

रांची(बिभा)। बिजली विभाग के डोरंडा अवर प्रमंडल अंतर्गत नार्थ ऑफिस पारा लोरेटो स्कूल के आस पास पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के अंतर्गत तार बदलने का कार्य शुक्रवार को किया जायेगा। इस वजह से सुबह 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक उक्त क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इससे डोरंडा स्थित नार्थ ऑफिस पारा लॉरेटो गेट के आस पास के क्षेत्र में विद्युत सेवा बाधित रहेगी। इसके अलावा विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, कोकर के अधीन आरडीएसएस कार्य के लिए छठ तालाब, पावर हाऊस के नजदीक, चुटिया, न्यू आनंदपुर खिजरी मोड, नामकुम, लीची बगान लोवाडीह, नामकुम और उसके आस पास के क्षेत्रों में विद्युत सेवा सुबह 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक बाधित रहेगी। साथ ही बड़गाई फीडर पावर हाउस - पानी टंकी पावर हाउस के क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, रिम्स के अधीन आरडीएसएस कार्य करने के लिए 11 केवी न्यू आरके मिशन फीडर में खिजुर टोली, ग्रीन पार्क सिटी और शिवाजीनगर में तार को कवर केबल करने के लिए सुबह 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी विभाग की ओर से विज्ञप्ति जारी कर शुक्रवार को दी गई।

मेयर सहित 36 वार्ड पार्षदों ने ली शपथ

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हाल ही में संपन्न हुए नगर निगम चुनाव के बाद मेयर सहित कुल 36 वार्डों के वार्ड पार्षदों ने आधिकारिक रूप से अपने पद की जिम्मेदारी संभाल ली। इस शपथ ग्रहण समारोह में आयुक्त ने सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को संविधान के प्रति निष्ठा और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने की शपथ दिलाई। सबसे पहले मेयर अरविंद राणा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इसके बाद क्रमवार सभी 36 वार्डों के नवनिर्वाचित पार्षदों को भी शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के दौरान सभी जनप्रतिनिधियों ने संविधान के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ निभाने का संकल्प लिया।इस मौके पर जनप्रतिनिधियों ने नगर के समग्र विकास को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने, नागरिक सुविधाओं के विस्तार, सड़क, नाली, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था को बेहतर करने के साथ-साथ जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करने का भरोसा दिलाया।

हजारीबाग नगर निगम में डिप्टी मेयर चुनाव: वार्ड 36 के पार्षद अविनाश यादव की शानदार जीत, 22 वोट हासिल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: नगर निगम के डिप्टी मेयर पद के चुनाव में वार्ड संख्या 36 के पार्षद अविनाश यादव ने शानदार जीत दर्ज की है। मतदान प्रक्रिया में कुल पार्षदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमें अविनाश यादव को 22 वोट मिले। वहीं उनकी प्रतिद्वंदी रश्मि मिताली को 13 वोटों से संतोष करना पड़ा।

इस प्रकार स्पष्ट बहुमत हासिल करते हुए अविनाश यादव डिप्टी मेयर पद के लिए निर्वाचित घोषित किए गए। चुनाव परिणाम घोषित होते ही उनके समर्थकों में जबरदस्त उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और बधाई देकर जीत का जश्न मनाया। नवनिर्वाचित डिप्टी मेयर अविनाश यादव ने अपनी जीत को नगर निगम के पार्षदों और आम जनता के विश्वास की जीत बताया। उन्होंने कहा कि वे शहर के विकास, स्वच्छता व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ काम करेंगे।

उपायुक्त ने जिले के 13 उच्च विद्यालयों को प्लस टू उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करने हेतु राज्य स्तर पर भेजा प्रस्ताव

बिभा संवाददाता

रामगढ़: उच्च विद्यालयों के प्लस टू उच्च विद्यालय में उत्क्रमण को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम के द्वारा उपायुक्त सहित समिति के अन्य सदस्यों को प्रखंड स्तर से उच्च विद्यालयों के प्लस टू उच्च विद्यालय में उत्क्रमण को लेकर प्राप्त प्रस्ताव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई जिसके उपरांत उपायुक्त के द्वारा विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं शिक्षकों की उपलब्धता बच्चों की स्कूल तक पहुंच सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों के उत्क्रमण पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला स्तरीय समिति द्वारा उच्च विद्यालय भुरकुंडा, पीएम श्री हाई स्कूल पतरातु, उच्च विद्यालय बरकाकाना, उच्च विद्यालय दाड़ीडीह, उच्च विद्यालय बिचा, उच्च विद्यालय कोरामबे, उच्च विद्यालय बरियातू, उच्च विद्यालय सूतरी, उच्च विद्यालय बंदा, उच्च विद्यालय रजरप्पा प्रोजेक्ट, उच्च विद्यालय कुलही, उच्च विद्यालय गढ़के, राम मनोहर लोहिया श्रमिक हाई स्कूल बोंगाहारा को प्लस टू उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करने हेतु प्रस्ताव को अनुमोदन देते हुए राज्य स्तर पर अनुमोदन हेतु प्रस्ताव भेजा गया। बैठक के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रामनवमी महासमिति अध्यक्ष पद के लिए आज महासंग्राम

104 अखाड़ों के अध्यक्ष,सचिव और 22 पूर्व महासमिति अध्यक्ष करेंगे मतदान, शाम तक आएगा फैसला

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी से पूर्व हजारीबाग में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव को लेकर माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है। रामनवमी की भव्य शोभायात्रा और पर्व को ऐतिहासिक रूप से सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से महासमिति का अध्यक्ष चुना जाता है। इस बार अध्यक्ष पद के लिए छह प्रत्याशी मैदान में हैं और सभी ने अखाड़ों के अध्यक्ष और सचिव के साथ पूर्व अध्यक्षों के बीच अपने समर्थन के लिए जोरदार प्रयास किए हैं। आज शनिवार को सुबह 8 बजे से बड़ा अखाड़ा परिसर में मतदान प्रक्रिया शुरू हो रही है। जो शाम 4 बजे तक चलेगी। इसके बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा और वर्ष 2026-27 के लिए रामनवमी महासमिति के नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान हो जाएगा। चुनाव में शहर के 104 अखाड़ों के अध्यक्ष व सचिव मतदान करेंगे, जबकि 22 पूर्व महासमिति अध्यक्ष भी इसमें सहभागी बन रहे हैं। चुनाव को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए हजारीबाग पुलिस प्रशासन द्वारा परिसर में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पूरी चुनाव प्रक्रिया के संचालन के लिए 21 सदस्यीय चुनाव समिति का गठन किया गया है, जो मतदान से लेकर परिणाम घोषणा तक की जिम्मेदारी निभा रही है। चुनाव समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतरे प्रत्याशियों में अजय दास को स्वास्तिक, पुरुषोत्तम पांडेय को ओम, लड्डू यादव को त्रिशूल, मनीष यादव को गदा, दीप प्रकाश नारायण को चक्र तथा दीपक देवराज को शंख चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है। गौरतलब है कि बीते मंगलवार को सभी प्रत्याशियों ने झंडा चौक पर अपनी दावेदारी प्रस्तुत करते हुए समर्थकों के बीच शक्ति प्रदर्शन भी किया था। अब सबकी निगाहें आज शाम होने वाले परिणाम पर टिकी हैं कि वर्ष 2026-27 के लिए रामनवमी महासमिति की कमान आखिर किसके हाथों में जाएगी।

भारत की जनगणना 2027 के लिए जिला एवं प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों का प्रशिक्षण प्रारम्भ

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: भारत की आगामी जनगणना 2027 के सफल संचालन के उद्देश्य से जिला एवं प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों तथा तकनीकी सहायकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 13 मार्च 2026 से 15 मार्च 2026 तक प्रमण्डलीय पंचायत प्रशिक्षण संस्थान, जबरा, हजारीबाग में आयोजित किया जा रहा है।प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग, अनुमण्डल पदाधिकारी, बरही, सहायक समाहर्त्ता सह प्रशिक्षु आईएएस, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी तथा जनगणना कार्य निदेशालय, झारखण्ड के संयुक्त निदेशक सह मास्टर प्रशिक्षक एवं राष्ट्रीय प्रशिक्षक के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं सांख्यिकीय प्रक्रिया है, जिसके आधार पर विभिन्न विकास योजनाओं का निर्माण एवं क्रियान्वयन किया जाता है। इसलिए प्रशिक्षण के माध्यम से संबंधित पदाधिकारियों एवं तकनीकी सहायकों को जनगणना से संबंधित प्रक्रियाओं, तकनीकी पहलुओं तथा डाटा संकलन की विधियों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है, ताकि जनगणना कार्य को पारदर्शी, सटीक एवं प्रभावी तरीके से संपन्न कराया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जनगणना के विभिन्न चरणों, कार्यप्रणाली, डिजिटल उपकरणों के उपयोग तथा डाटा प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखण्डों से आए पदाधिकारी एवं तकनीकी सहायक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के माध्यम से जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु आवश्यक दक्षता विकसित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

अधिवक्ताओं की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर कार्य-परिस्थितियों को लेकर विधानसभा में विधायक प्रदीप प्रसाद ने उठाया मुद्दा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : विधायक प्रदीप प्रसाद ने झारखंड विधानसभा में राज्य के अधिवक्ताओं की सुरक्षा, सम्मान और उनके कार्य-परिस्थितियों को सुदृढ़ बनाने से संबंधित एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया। उन्होंने सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करते हुए कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, इसलिए उनके अधिकारों, सुरक्षा और गरिमा की रक्षा करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने झारखंड में अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश के कई राज्यों में यह कानून लागू है, जिससे अधिवक्ताओं को सुरक्षा और सम्मानजनक वातावरण में कार्य करने का अधिकार मिला है। झारखंड में भी इस कानून को लागू कर अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा की जानी चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के विभिन्न बार एसोसिएशनों में अधिवक्ताओं के लिए पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इस स्थिति को देखते हुए सभी बार एसोसिएशनों में अधिवक्ताओं के लिए बेहतर और गरिमापूर्ण कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आवश्यक आधारभूत संरचनाओं के विकास की आवश्यकता है।इसी क्रम में विधायक प्रदीप प्रसाद ने गौरवशाली इतिहास वाले हजारीबाग बार एसोसिएशन के विकास से जुड़ा अनुपूरक प्रश्न भी उठाया। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि यहां अधिवक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस पहल की जाए, ताकि उन्हें सुगम, सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण मिल सके।

श्रीमद्भागवत कथा दैहिक, दैविक और भौतिक तापों से मुक्ति का सरल मार्ग : आचार्य प्रभुदास

बिभा संवाददाता

कुडू। श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण और मनन मानव जीवन के लिए अत्यंत कल्याणकारी माना गया है। यह कथा मनुष्य को दैहिक, दैविक तथा भौतिक तीनों प्रकार के कष्टों से मुक्ति दिलाने का सरल और प्रभावी माध्यम है। श्रीमद्भागवत में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्ति और धर्म के सिद्धांतों का सुंदर वर्णन मिलता है, जो व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति और जीवन में सही मार्ग प्रदान करता है। लोहरदगा कुडू के बरवाटोली में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिन गुरुवार को अपने प्रवचन में व्यास आचार्य प्रभुदास जी महाराज ने कही। उन्होंने कहा कि कृष्ण भक्ति को सनातन परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति करने से मनुष्य के जीवन में चारों पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की

प्राप्ति संभव होती है। भक्ति मनुष्य के हृदय को शुद्ध करती है और उसे ईश्वर के निकट ले जाती है। इसीलिए संत-महात्माओं ने सदैव मानव मात्र को ईश्वर भक्ति करने, श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने और अपने जीवन को सदाचार, प्रेम और भक्ति के मार्ग पर चलाने का संदेश दिया है। श्रीमद्भागवत कथा न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाती है, बल्कि समाज में नैतिकता, सद्भाव और सकारात्मकता का भी संचार करती है। उन्होंने कथा में भगवान का बाल लीलाओं और गिरिराज जी कि कथा सुनाई । साथ ही कथा स्थल पर भगवान को 56 भोग लगाया।

परमात्मा की व्यवस्था जीवों के उत्पति के साथ हैं: यज्ञाचार्य पंडित रामाकांत शास्त्री।

कथा स्थल पर पांचवें दिन इस यज्ञ के यजाचार्य पंडित रामाकांत शास्त्री ने कहा कि परमात्मा की व्यवस्था जीवों की उत्पति से ही शुरू हो जाता है। क्योंकि जीवों की उत्पति परमात्मा के इच्छा से ही होती है। संसार के आपाधापी से ऊपर उठने के लिए परमात्मा का निरंतर नाम जप कीजिए। जीवन में दुविधा का निवारण गुरु के मार्गदर्शन से हो सकता है। इससे पूर्व यज्ञाचार्य ने सुबह के यज्ञ परिक्रमा के बाद दोपहर से संध्या तक यजमान दंपति राजाराम साहू सुरेश्वरी देवी, मनोज महतो उर्मिला देवी को संस्कृत पारायण का पाठ कराया। दिन भर यज्ञ परिक्रमा,पूजा व संध्या में भगवत कथा और भंडारा में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

इजराइल में हैं यूपी के 6004 श्रमिक, सभी के सुरक्षित होने का दावा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा है कि इजराइल में कार्यरत राज्य के निर्माण श्रमिकों की कुशलक्षेम पर लगातार नजर रखी जा रही है और वर्तमान में किसी प्रकार की चिंता की स्थिति नहीं है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एमके शनुगा सुन्दरम् ने बताया कि उत्तर प्रदेश के कुल 6004 निर्माण श्रमिक इजराइल में विभिन्न निर्माण कंपनियों में कार्यरत हैं। इन श्रमिकों का चयन राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और इजराइल की सरकारी संस्था पीबा (पापुलेशन, इमीग्रेशन एंड बार्डर अथारिटी) के माध्यम से किया गया था और वर्ष 2024 के दौरान उन्हें इजराइल भेजा गया था। उन्होंने बताया कि ये सभी श्रमिक इजराइल की अलग-अलग निर्माण परियोजनाओं में नियमित रूप से कार्य कर रहे हैं। राज्य सरकार उनके कुशलक्षेम पर लगातार निगरानी बनाए हुए है और इस संबंध में भारत सरकार तथा भारतीय दूतावास से निरंतर संपर्क रखा जा रहा है। इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने भी राज्य सरकार को अवगत कराया है कि स्थिति नियंत्रण में है और दूतावास लगातार श्रमिकों के संपर्क में है। फिलहाल किसी श्रमिक ने भारत लौटने को लेकर चिंता व्यक्त नहीं की है। दूतावास ने आपात स्थिति के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन और ईमेल सुविधा भी जारी की है, जिसके माध्यम से भारतीय नागरिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

ड्रोन से गिराया गया संदिग्ध पैकेट, इलाके में हड़कंप

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू के आर.एस. पुरा सेक्टर में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को एक संदिग्ध खेप बरामद हुई है। गुरुवार को देर रात लगभग 11:00 बजे, आर.एस. पुरा सेक्टर में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास बीएसएफ द्वारा एक संदिग्ध पैकेट बरामद की गई है। माना जा रहा है कि खेप को एक पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराया गया था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह खेप सीमावर्ती इलाके में एक लिपटे हुए पैकेट के रूप में मिली, इसका वजन करीब 1500 ग्राम था। सूचना मिलते ही, बीएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और इलाके को सुरक्षित किया। बरामद किए गए पैकेट को अभी तक खोला नहीं गया है। बताया जा रहा हैं कि पैकेट को केवल मेटल डिटेक्टर से उचित जांच के बाद ही खोला जाएगा, ताकि इसके अंदर किसी भी विस्फोटक सामग्री की संभावना को पूरी तरह से खत्म हो सके। बरामद की गई खेप की आगे की जांच और तकनीकी परीक्षण जारी है। गौरतलब है कि बदादुरपुर गांव के बाहरी इलाके में खेतों से एक जॉइंट ऑपरेशन में 12 करोड़ कीमत के हाई ग्रेड नारकोटिक्स (संदिग्ध ड्रोन ड्रॉपिंग) की भारी मात्रा बरामद की गई। यह इलाका भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर से बस कुछ किलोमीटर दूर है।

13 साल से कम उम्र के यूजर्स के लिए नए पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट ला रहा व्हाट्सएप

नई दिल्ली (एजेंसी)। व्हाट्सएप ने बड़ा ऐलान किया है कि 13 साल से कम उम्र के यूजर्स के लिए नए पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट नाम की शुरुआत कर रहा है। यह सिर्फ कॉलिंग और मैसेजिंग तक सिमट कर रह जाएंगे। पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट की मदद से माता-पिता अपने बच्चों की कम्युनिकेशन गतिविधियों को कंट्रोल कर सकते है। कंपनी ने बताया है कि आने वाले दिनों में इस रोलआउट करेगी। हालांकि किसी टाइम लाइन का जिक्र नहीं किया है। नए पेरेंट कंट्रोल के तहत माता-पिता ये तय कर सकते हैं कि उनका बच्चा किन लोगों से बातचीत कर सकता है और किन लोगों से नहीं। व्हाट्सएप के पेरेंट्स मैनेज्ड अकाउंट के तहत छोटे बच्चों को मेटा एआई, जैसे फीचर्स का एक्सेस नहीं मिलेगा। साथ ही कंपनी इन अकाउंट्स से मिलने वाले डेटा का यूज विज्ञापन के लिए नहीं करेगी। पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट को सक्रिय करने के लिए माता-पिता को अपने और अपने बच्चे का डिवाइस एक साथ रखना होगा। इसके बाद क्विक रिस्पोंस कोड के जरिए दोनों हैंडसेट को लिंक करना होगा। पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट के तहत यूजर्स को सख्त डिफॉल्ट सेटिंग्स, पेरेंट कंट्रोल को और बेहतर किया गया है। कंपनी ने बताया है कि 13 साल से कम उम्र वाले यूजर्स के लिए ये अकाउंट खासतौर से बनाए गए हैं। पैरेंट्स अनजान लोगों से आने वाले मैसेज रिक्वेस्ट का भी रिव्यू कर सकते हैं। व्हाट्सएप ने बताया है कि इन सेटिंग्स को सिर्फ पेरेंट्स ही बदल सकते हैं। जिसके लिए पहले पिन नंबर से वेरिफाई करना होगा।

आगरा में युवती ने वीडियो वायरल कर दी जान, आरोपी पुलिस कांस्टेबल गिरफ्तार

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आगरा से खाकी को शर्मसार करने वाला एक बेहद दुखद और गंभीर मामला सामने आया है। ताजगंज थाना क्षेत्र में एक युवती ने कथित तौर पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मौत को गले लगाने से पहले युवती ने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा किया, जिसमें उसने अपनी आपबीती बताते हुए एक पुलिस कांस्टेबल पर गंभीर आरोप लगाए। इस घटना के बाद स्थानीय पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और न्याय प्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पीड़िता आगरा के ताजगंज थाने में ही तैनात कांस्टेबल जेबी गौतम के साथ पिछले काफी समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। युवती का आरोप था कि सिपाही ने उसे शादी का झांसा दिया और लंबे समय तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। दोनों के बीच रिश्ते की शुरुआत भरोसे के साथ हुई थी, लेकिन वक्त के साथ यह भरोसा उत्पीड़न और धोखे में बदल गया। युवती ने अपने अंतिम वीडियो में स्पष्ट रूप से कहा कि कांस्टेबल ने उसे चार साल तक पत्नी की तरह साथ रखा, लेकिन जब शादी की बात आई, तो उसने अपने परिवार का बहाना बनाकर हाथ पीछे खींच लिए। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में युवती का दर्द साफ छलक रहा था। उसने रोते हुए कहा, जेबी गौतम ने मुझे चार साल बीवी बनाकर रखा और अब छोड़ दिया। जब भी शादी के लिए कहती हूं, तो वह कहता है कि परिवार नहीं मानेगा। युवती ने सिस्टम पर सवाल उठाते हुए यह भी कहा कि क्या वह पुलिसवाला है, इसलिए उस पर कोई कार्रवाई नहीं होगी? उसने वीडियो में आरोपी कांस्टेबल और उसके परिवार को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए मांग की कि उसे जीते जी न्याय नहीं मिला, लेकिन मरने के बाद जरूर मिलना चाहिए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया। परिजनों की तहरीर और वायरल वीडियो को आधार मानकर आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज किया गया।

दो दशक पुराने वामपंथ को हराकर सीएम बनी ममता... क्या 2026 में दोहरा पाएंगी 2021 की सफलता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक परिदृश्य 2016 के विधानसभा चुनावों से लेकर 2021 और 2026 के चुनावों की तैयारी तक काफी बदल चुका है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रभुत्व वाली 294 सीटों वाली विधानसभा में वाम-कांग्रेस गठबंधन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बढ़ती लोकप्रियता और टीएमसी के सुदृढ़ीकरण के बीच उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा हैं, जो क्षेत्रीय गतिशीलता, जनसांख्यिकी और मतदाता सूची में बदलाव से प्रभावित हैं।

2016 में टीएमसी ने 2011 की वाम-विरोधी लहर को और मजबूत कर 211 सीटों के साथ भारी बहुमत हासिल किया। वाम मोर्चा-कांग्रेस गठबंधन को केवल 32 सीटें मिलीं (गठबंधन के हिसाब से सीपीएम को 26 और कांग्रेस को 0), जिनमें कोलकाता, मुर्शिदाबाद और घाटाल जैसे औद्योगिक क्षेत्रों की कुछ सीटें शामिल थीं। भारतीय जनता पार्टी को केवल 3 सीटें मिलीं, जो मुख्य रूप से दार्जिलिंग और शहरी बाहरी इलाकों में थीं, जो राज्य में भगवा पार्टी की शुरुआती उपस्थिति का संकेत देती हैं। टीएमसी ने दक्षिण बंगाल (उदाहरण के लिए दक्षिण 24 परगना में 31/31) और शहरी कोलकाता (11 में से अधिकांश सीटें) में शानदार जीत हासिल की, जबकि मुर्शिदाबाद जैसे मुस्लिम बहुल जिलों और ग्रामीण हुगली में वामपंथियों की ताकत बनी रही। 2011 के परिसीमन के बाद 23 जिलों में 294 निर्वाचन क्षेत्रों को स्थिर किया गया, जिससे टीएमसी के ग्रामीण आधार को मजबूती मिली।

इसके बाद 2021 के चुनावों ने एक बड़ा बदलाव ला दिया, इसमें भाजपा ने हिंदुत्व-एनआरसी के मंच पर 77 सीटें जीतकर जबरदस्त बढ़त हासिल की। बीजेपी ने जंगलमहल (पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, पुरुलिया, बांकुरा-30 सीटें) और उत्तर बंगाल (दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी) में भी बढ़त बनाई। संदेशखाली जैसे मुद्दों और कोविड प्रबंधन में हुई गड़बड़ियों को लेकर सत्ता विरोधी लहर के बावजूद टीएमसी ने वापसी कर 213 सीटें जीतीं। टीएमसी ने अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों (मालदा, मुर्शिदाबाद, दो 24 परगना- बड़ी बढ़त) में दबदबा बनाए रखा और दक्षिण 24 परगना (31 सीटें), हावड़ा (16) और हुगली (18) में अपनी सीटें बरकरार रखीं। भाजपा ने सीमावर्ती और आदिवासी क्षेत्रों में जीत हासिल की, लेकिन मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा, जहां टीएमसी की कल्याणकारी योजनाओं ने 30 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर दिलाए।

अब मार्च 2026 तक, अप्रैल-मई में चुनाव होने वाले हैं, और 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त हो रहा है। विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के बाद मतदाता सूचियों से 63.66 लाख नाम (मतदाताओं के 10 प्रतिशत से अधिक) हटा दिए गए हैं, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों, मतुआ (नमशूद्र) क्षेत्र और अल्पसंख्यक जिलों की 125 से अधिक सीटों पर जनसांख्यिकी में बदलाव आया है। इसके प्रभावों में मतुआ और उत्तरी बंगाल के उन क्षेत्रों में बीजेपी की संभावित बढ़त शामिल है, जहां नाम हटाए गए हैं, और यह टीएमसी के अल्पसंख्यक गढ़ों जैसे मुर्शिदाबाद और मालदा को चुनौती दे सकता है, जहां नाम हटाए जाने से भारी नुकसान हुआ है। उत्तर और दक्षिण 24 परगना (कुल 64 सीटें), पुरबा बर्धमान (16) और पुरबा मेदिनीपुर (16) जैसे जिलों में उथल-पुथल का सामना करना पड़ रहा है, जहां राजकोषीय तनाव (अनुमानित 62,000 करोड़ रुपये का घाटा) विपक्षी चर्चाओं को बल दे रहा है।

भाजपा ने सीमावर्ती और जंगलमहल क्षेत्रों में हिंदुओं के बीच नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (सीएए-एनआरसी) के भय का फायदा उठाते हुए अपनी सीटें 3 से बढ़ाकर 77 कर लीं, जबकि टीएमसी ने मुस्लिम वोट बैंक (30-40 प्रतिशत वोट बैंक) को एकजुट करके इसका मुकाबला किया। 2011 के बाद परिसीमन ने सीमाएँ तय कर दीं, लेकिन 2026 के एसआईआर मतदाता सूची ने नरम पुनर्निर्धारण का काम किया, जिससे मतुआ (नागरिकता के बाद) में भाजपा को मजबूती मिली और टीएमसी के कल्याणकारी प्रभुत्व की

परीक्षा हुई। आर्थिक संकट - बढ़ता घाटा (2022-23 में 49,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में 1,05,000 करोड़ रुपये का ऋण) - और अंतरिम बजट में किए गए तुष्टीकरण (उत्तरी बंगाल के विकास के बजाय मदरसा निधि का उपयोग) ने विभाजन को और गहरा कर दिया। उत्तर-दक्षिणी बंगाल का विभाजन और गहरा गया है, टीएमसी 200 से अधिक सीटों पर नजर गड़ाए हुए है, जबकि भाजपा गठबंधन के माध्यम से 100 से अधिक सीटों का लक्ष्य बना रही है। यह बदलाव पश्चिम बंगाल में वामपंथ के पतन से लेकर टीएमसी-भाजपा के द्विध्रुवीय चुनावी मुकाबले तक के परिवर्तन को दर्शाता है, जिसमें 2026 के चुनाव सीमित सीटों और सीमावर्ती क्षेत्रों की जनसांख्यिकी पर निर्भर करेगा।

बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी, विधानसभा अध्यक्ष ने ली अधिकारियों की बैठक

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद राजधानी पटना में प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। धमकी एक ईमेल के जरिए भेजी गई थी, जिसमें विधानमंडल भवन को विस्फोट से उड़ाने की बात कही गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गए और पूरे विधानसभा परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को हाई अलर्ट पर कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखकर विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक बुलाई। बैठक में सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं की समीक्षा की गई और विधानसभा परिसर की व्यापक जांच कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यह भी कहा गया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह मजबूत रखा जाए। निर्देश मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने विधानमंडल परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। प्रवेश द्वारों पर निगरानी बढ़ा दी गई है और आने-जाने वाले लोगों की कड़ी जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की भी मदद ली जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या संभावित खतरे का समय रहते पता लगाया जा सके। फिलहाल जांच एजेंसियां उस ईमेल की पड़ताल कर रही हैं जिसके माध्यम से धमकी दी गई थी। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह मेल किस स्थान से भेजा गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हो सकते हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और आश्वासन दिया है कि सुरक्षा के सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

सोनिया गांधी से जुड़े मामले में सुनवाई टली... अब मामले की 30 मार्च को सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ मतदाता सूची में कथित जालसाजी को लेकर शुक्रवार को सुनवाई होनी थी। लेकिन मामले में दायर रिवीजन पिटीशन पर शुक्रवार दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली ये सुनवाई टल गई है। अब मामले की अगली सुनवाई 30 मार्च को होगी।

शुक्रवार की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट से सुनवाई टालने की मांग की गई थी। इसके बाद अदालत ने नई तारीख दी। ये याचिका वकील विकास त्रिपाठी की तरफ से दायर की गई है। सोनिया गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग वाली याचिका को सितंबर में खारिज किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट के इसी फैसले को त्रिपाठी ने चुनौती दी है।

दरअसल सोनिया गांधी के खिलाफ याचिका में नागरिकता और मतदाता सूची को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। याचिका में दावा किया गया है कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता हासिल की थी। आरोप है कि नागरिकता मिलने से 3 साल पहले, यानी 1980 की मतदाता सूची में उनका नाम नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में शामिल था।

इस पर याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि जब सोनिया गांधी के पास 1983 तक नागरिकता नहीं थी, तब 1980 में किस आधार पर और किन दस्तावेजों के सहारे मतदाता सूची में नाम जोड़ा गया? क्या इसके लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया? याचिका में ये भी पूछा गया है कि 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से क्यों हटाया गया था?

पिछली सुनवाई के दौरान सोनिया गांधी की ओर से अदालत में जवाब दाखिल किया गया है। उनके वकीलों ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। सोनिया गांधी ने याचिका को पूरी तरह से तथ्यहीन और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। इसके पहले इसी मामले में सोनिया गांधी के खिलाफ जांच और मुकदमा दर्ज कराने की मांग वाली याचिका को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने बीते साल सितंबर में खारिज किया था। कोर्ट ने तब याचिका में पर्याप्त आधार नहीं पाए थे। अब रिवीजन पिटीशन के जरिए ऊपरी अदालत में मामले को फिर से उठाने की कोशिश की जा रही है।

महाराष्ट्र विधानसभा में महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2026 विधेयक पेश

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में देवेंद्र फडणवीस सरकार ने शुक्रवार को महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2026 नामक विधेयक पेश किया। इस विधेयक का मकसद गैर-कानूनी धर्मांतरण पर रोक लगाना है।

विधानसभा में यह विधेयक पेश करने वाले गृह राज्य मंत्री पंकज भोयर ने कहा, बिल का मकसद धर्म की आजादी के अधिकार की रक्षा करना है। इसका मकसद जबरदस्ती, धोखाधड़ी, लालच या शादी के जरिए किए गए गैर-कानूनी धर्मांतरण पर भी रोक लगाना है। बिल में गैर-कानूनी धर्मांतरण को जबरदस्ती, धोखाधड़ी, गलत जानकारी, जबरदस्ती, गलत असर या लालच देकर किया गया धर्मांतरण बताया गया है। बिल के मुताबिक, कोई भी व्यक्ति या संस्था किसी दूसरे व्यक्ति को तोहफे, कैश, नौकरी, मुफ्त शिक्षा, शादी का वादा, बेहतर लाइफस्टाइल, या भगवान का का लालच देकर गैर-हिंदू धर्म में अन्य धर्म में बदलने की कोशिश नहीं कर सकती, जिसे लालच माना गया है। लालच, जबरदस्ती,

धोखा या गलत जानकारी, जबरदस्ती या धमकी, धोखाधड़ी के तरीके और गलत असर डालना गैर-कानूनी होगा। विधेयक में जबरदस्ती किसी व्यक्ति या ग्रुप को उसकी मर्जी के खिलाफ धर्म बदलने के लिए मजबूर करने के काम गैरकानूनी धर्म परिवर्तन बतलाया गया है।

यह विधेयक गैर-हिंदू धर्म में बदलने की प्रोसेस में शामिल लोगों के रिश्तेदारों या करीबी परिवार के सदस्यों को गैर-कानूनी धर्म परिवर्तन का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करने की इजाजत देता है, जिससे पुलिस जांच शुरू हो सकती है। कानून के तहत अपराध गैर-जमानती होंगे, जिससे पुलिस को जबरदस्ती धर्म परिवर्तन के आरोप में केस दर्ज करने और जांच शुरू करने की इजाजत मिलेगी। विधेयक पुलिस स्टेशन के इंचार्ज के लिए किसी भी व्यक्ति की शिकायत दर्ज करना जरूरी बनाता है। बिल के सेक्शन 14 में गैर-हिंदू धर्मों में धर्म बदलने के लिए उकसाने वाले संगठनों पर बैन लगाने और उन्हें सजा देने के कानूनी प्रावधान हैं।

दूसरे राज्यों में लागू ऐसे ही कानूनों के आधार पर बिल में शामिल कानूनी प्रावधानों में, जो लोग गैर-हिंदू धर्मों में धर्म बदलना चाहते हैं, उनके लिए एक तय सरकारी अथॉरिटी से पहले इजाजत लेना, धर्म बदलने से 60 दिन पहले पहले से बताना और धर्म बदलने के बाद उसे रजिस्टर कराना शामिल है। महाराष्ट्र फ्रीडम ऑफ रिलिजन एक्ट, 2026 के ड्राफ्ट के प्रावधानों के अनुसार, धर्म बदलने को रजिस्टर न करने या प्रक्रियाओं का पालन न करने पर कोई भी धर्म बदलना अमान्य हो सकता है। विधेयक के अनुसार, शादी का झांसा देकर गैर-कानूनी धर्म बदलने में शामिल पाए जाने वालों को सात साल की जेल और 1 लाख रुपये का जुमार्ना भी देना होगा। किसी नाबालिग, पागल व्यक्ति या महिला या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति का धर्म बदलने के लिए उकसाने की कोशिश करने पर सात साल की जेल और 5 लाख रुपये का जुमार्ना हो सकता है। विधेयक के मुताबिक, बड़े पैमाने पर धर्म बदलने के लिए उकसाने वालों को सात साल की जेल और 5 लाख रुपये का जुमार्ना होगा, जबकि बार-बार ऐसा करने वालों को 10 साल की जेल और 5 लाख रुपये का जुमार्ना होगा। विधेयक के मुताबिक, जबरदस्ती धर्म बदलने के दोषी पाए जाने वालों को 7 साल तक की जेल और 3 लाख रुपये का जुमार्ना होगा।

फडणवीस की महायुति सरकार का कहना है कि अल्पसंख्यकों के बनाए शिकारी धर्म बदलने के रैकेट से कमजोर बहुसंख्यक हिंदुओं को बचाने के लिए ऐसा धर्म बदलने के खिलाफ कानून जरूरी है। महाराष्ट्र धर्म की आजादी बिल, 2026 उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे दूसरे राज्यों के ऐसे ही धर्म बदलने के खिलाफ कानूनों पर आधारित है।

राहुल गांधी की देश को गुमराह करने और भारत की छवि खराब करने की आदत बन गई

-केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष के नेता पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश को गुमराह करने और वैश्विक मंच पर भारत की छवि खराब करने का आरोप लगाया। संसद के बाहर गिरिराज सिंह ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की यह आदत बन गई है कि वे देश में भ्रम फैलाते हैं और विदेश नीति पर सवाल उठाते हैं। मकर द्वार पर चाय पीते हुए और देश का अपमान करते हुए उन्होंने कोविड महामारी के दौरान भी देश में भ्रम फैलाया।

गिरिराज की ये टिप्पणियां केंद्र और विपक्ष के बीच राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चल रही तीखी बहस के बीच आई हैं, जिसे पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और वैश्विक आपूर्ति पर इसके प्रभाव ने और हवा दी है। एक दिन पहले, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं, और कहा था कि दर्द तो अभी शुरू हुआ है। राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के वैश्विक और घरेलू स्तर पर दूरगामी परिणाम होने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि इसका असर देश भर में महसूस होना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि रेस्तरां और होटल बंद हो रहे हैं और एलपीजी की उपलब्धता को लेकर लोगों में दहशत है। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ गया है। अमेरिका, इजराइल और ईरान में जंग जारी है। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य, जिससे वैश्विक तेल का 20फीसदी प्रवाह होता है, बंद कर दिया गया है। इसके बहुत गंभीर परिणाम होंगे, खासकर हमारे लिए क्योंकि हमारे तेल और प्राकृतिक गैस का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज से ही होकर गुजरता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ऊर्जा सुरक्षा किसी भी राष्ट्र की स्थिरता की नींव होती है। उन्होंने भारत की ऊर्जा साझेदारी संबंधी निर्णयों को बाहरी शक्तियों के प्रभाव में लेने के विचार की आलोचना की।

हापुड़ में नेता के घर से 55 एलपीजी सिलेंडर बरामद, गैस संकट के बीच जमाखोरी का भंडाफोड़

हापुड़ (एजेंसी)। जिले में प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध जमाखोरी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। एक तरफ जहां आम जनता वैश्विक तनाव और आपूर्ति में बाधा के कारण रसोई गैस के एक-एक सिलेंडर के लिए तरस रही है, वहीं दूसरी तरफ भारी मात्रा में गैस सिलेंडरों को छिपाकर रखने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हापुड़ प्रशासन की टीम ने स्थानीय नेता अब्दुल रेहान के आवास पर छापेमारी कर वहां से 55 भरे हुए एलपीजी सिलेंडर बरामद किए हैं। यह कार्रवाई उस समय हुई है जब पूरे क्षेत्र में गैस की भारी किल्लत और कालाबाजारी की शिकायतें लगातार मिल रही थीं।

जानकारी के अनुसार, पिछले कई दिनों से जिला प्रशासन को सूचना मिल रही थी कि कुछ लोग गैस संकट का फायदा उठाकर सिलेंडरों का अवैध भंडारण कर रहे हैं और उन्हें ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। इसी क्रम में जब अधिकारियों को अब्दुल रेहान के घर पर बड़ी संख्या में सिलेंडर जमा होने की सटीक जानकारी मिली, तो संबंधित विभागों की एक संयुक्त टीम ने वहां छापेमारी की। घर के भीतर और स्टोर रूम में सिलेंडरों का बड़ा जखीरा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। प्रशासन ने तत्काल सभी 55 सिलेंडरों को जब्त कर लिया और उन्हें सुरक्षित रूप से संबंधित विभाग को सौंप दिया।

इस घटना के बाद से स्थानीय निवासियों में गहरा रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि गैस एजेंसियों के चक्कर काटने और कई दिनों के इंतजार के बावजूद उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है, जबकि प्रभावशाली लोग अपने घरों में सिलेंडरों का अंबार लगाए बैठे हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि इस तरह की जमाखोरी ही बाजार में कृत्रिम कमी पैदा कर रही है, जिससे आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ गया है।

प्रशासन अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि गैस एजेंसियों के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये सिलेंडर किन नामों पर बुक किए गए थे और बिना वितरण के एक ही स्थान पर कैसे पहुंचे। राज्य सरकार और मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के बाद, प्रशासन कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपना रहा है। हापुड़ देहात थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नीरज ने बताया कि आरोपी अब्दुल रेहान के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चूंकि मामले में सजा का प्रावधान सात साल से कम है, इसलिए आरोपी को फिलहाल थाने से जमानत दे दी गई है, लेकिन जांच जारी है और जल्द ही न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि जनता के हितों के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

भारत में अलग है इच्छामृत्यु का तरीका, कई देशों में जहरीला इंजेक्शन व आत्महत्या भी है प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इच्छामृत्यु को लेकर कानूनी और मानवीय बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने गाजियाबाद के 32 साल के हरीश राणा के मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देते हुए उनके कृत्रिम जीवन रक्षक उपकरण हटाने की मंजूरी दे दी। हरीश पिछले 13 सालों से कोमा में है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने दिल्ली स्थित एम्स में डॉक्टरों की निगरानी में यह प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने यह भी कहा कि पूरी प्रक्रिया मानवीय और सम्मानजनक तरीके से की जानी चाहिए और मरीज को पैलिएटिव केयर में रखा जाए ताकि उसे कम से कम कष्ट हो। निष्क्रिय इच्छामृत्यु वह प्रक्रिया है जिसमें मरीज को जीवित रखने वाले कृत्रिम साधनों या इलाज को रोक दिया जाता है। इसमें वेंटिलेटर, कृत्रिम पोषण, फीडिंग ट्यूब या अन्य जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरण हटा दिए जाते हैं। इसके बाद मरीज की मृत्यु स्वाभाविक रूप से होती है, क्योंकि इलाज जारी रखने से केवल शरीर को कृत्रिम रूप से जिंदा रखा जा रहा होता है और स्वास्थ्य में सुधार की कोई संभावना नहीं रहती। भारत में इस प्रक्रिया को 'गरिमापूर्ण मृत्यु' के अधिकार से जोड़कर देखा जाता है।

बता दें भारत में 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी शर्तों के साथ निष्क्रिय इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता दी थी। हालांकि यहां सक्रिय इच्छामृत्यु यानी किसी मरीज को जानबूझकर घातक इंजेक्शन या दवा देकर मृत्यु देने की अनुमति नहीं है। दूसरी ओर दुनिया के कई देशों में इच्छामृत्यु के अलग-अलग रूपों को कानूनी मान्यता मिली है। अमेरिका के कुछ राज्यों में डॉक्टर की सहायता से आत्महत्या की अनुमति है, जबकि नीदरलैंड में डॉक्टर द्वारा इंजेक्शन देकर या चिकित्सा सहायता से इच्छामृत्यु दोनों मान्य हैं। कनाडा में भी चिकित्सकीय सहायता से इच्छामृत्यु को कानूनी स्वीकृति दी गई है।

गंगा से बरामद हुए दो मासूम भाइयों का शव, मां की चीत्कार से दहल उठा माहौल

घर के सामने से लापता हुए थे दोनों मासूम, 16 घंटे बाद गंगा से मिले शव

होली मनाने मुंबई से आया था गांव, पसरा मातम

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । गंगा नदी में डूबने से दो मासूम भाइयों की मौत हो गई। गुरुवार दोपहर से लापता दोनों बच्चों के शव शुक्रवार सुबह गंगा से बरामद किए गए। घटना के बाद गांव में मातम पसरा गया वहीं परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार राजमहल थाना क्षेत्र के सरकंडा गांव निवासी सेंटू चौरसिया के दो बेटों का शव शुक्रवार सुबह गंगा से बरामद किया। वहीं मृत बच्चों की पहचान आठ वर्षीय आर्यन कुमार और छह वर्षीय राघव कुमार के रूप में हुई है। दोनों बच्चे गुरुवार दोपहर से घर से लापता थे। शव मिलने की खबर मिलते ही गंगा तट पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिवार के लोग गहरे सदमे में हैं। बता दे कि गुरुवार दोपहर से लपता दोनों बच्चा देर शाम तक वापस नहीं लौटे। काफी देर तक बच्चों के घर नहीं आने पर परिवार के लोगों ने उनकी तलाश शुरू की। आसपास के इलाके में काफी खोजबीन की गई, लेकिन दोनों बच्चों का कहीं पता नहीं चल सका। इसी दौरान शाम करीब 5 बजे गांव के ही एक व्यक्ति ने गंगा के किनारे बच्चों की चप्पल और कपड़े पड़े होने की सूचना दी। सूचना मिलते ही राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी व परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और कपड़ों की पहचान की। इस दौरान स्थानीय लोगों की मदद से मछली पकड़ने वाले जाल के सहारे नदी में बच्चों की तलाश शुरू की गई। देर रात तक खोजबीन चलती रही, लेकिन अंधेरा होने के कारण बच्चों का शव बरामद नहीं हो सका। वहीं शुक्रवार सुबह घर से लगभग 150 मीटर दूर नमामि गंगा सीढ़ी घाट के पास गंगा में एक बच्चे का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। यह खबर गांव में आग की तरह फैल गई और कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। वहीं ग्रामीणों और परिजनों ने दूसरे बच्चे की तलाश शुरू की। कुछ ही दूरी पर दूसरे बच्चे का शव भी नदी में मिल गया। दोनों मासूम भाइयों का शव देखकर गांव में शोक की लहर दौड़ गया।इधर शव मिलने कि सुचना मिलते ही राजमहल थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर दोनों बच्चों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। इधर बच्चे कि मां कोक्षजब पता चला कि बच्चा का शव मिला तो कोहराम मच गया। वह दौड़ती हुई गंगा तट पर आई और दोनों बच्चे को गले लगा कर चिपक गई और दहाड़ मार मार कर रोने लगी वहीं उनकी मां को रोते देखा वहां मौजूद सभी की आंखें नम हो गई किसी की आंखों में आंसू नहीं रख रहे थे।

बता दे कि पिता सेंटू चौरसिया अपनी पत्नी प्रियंका देवी और बच्चों के साथ पिछले तीन वर्षों से मुंबई में मजदूरी का काम करते थे। वे करीब 13 दिन पहले होली का त्योहार मनाने अपने गांव सरकंडा आए थे, लेकिन होली की खुशियां मातम में बदल गया। इधर घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

माह-ए-रमजाना के चौथा जुमा पर मस्जिदों में अदा की गई विशेष नमाज, अमन-चैन के लिए मांगी दुआएं

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । माह-ए-रमजान के चौथा जुमा पर शुक्रवार को शहर के विभिन्न मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की गई है। मस्जिदों में नमाजियों की काफी भीड़ देखी गई है। दोपहर 12 बजे आजान होने के साथ ही शहर के मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ उमड़ने लगी थी। इधर कॉलेज रोड स्थित बिचला टोला मस्जिद में पेशइमाम हाफिज निजामुद्दीन ने अपनी तकरीर में माह - ए - रमजान के तीसरा अशरा पर रौशनी डालते हुए कुरआन व हदीस से कई जानकारी दिए है। वही पेश इमाम साहिब ए निसाब पर जकात फर्ज बताते हुए कहा कि अपनी जान- माल सदका करने की बात कही है। खास कर इन रकम से अपने आसपास के गरीब-गुरबा की मदद करे। ईद की खुशी में सभी लोग शामिल हो सके। वही नमाज के बाद देश मे अमन व शांति के लिए दुआ की गई है। वही शहर के एलसी रोड मस्जिद स्थित जामा मस्जिद, छोटी मस्जिद, कुलीपाड़ा, हबीबपुर, सकरोगढ, मजहरटोला, इकरा कॉलोनी आदि मस्जिदों में जुमा की विशेष नमाज अदा की गई है। इधर लोग चौथा जुमा को अलविदा जुमा मनाने को लेकर असमंजस में रहे। हालांकि कुछ लोगो ने चौथा जुमा पर भी नए कपड़े पहने है। वही मौलाना के अनुसार 29 का चांद हुआ तो ये जुमा अलविदा कहलायेगा। अन्यथा अगला जुमा ही अलविदा जुमा होगा।

संक्षिप्त खबरें

अधिवक्ता की मृत्यु पर शोक सभा आयोजित कर दी श्रद्धांजलि

साहेबगंज(बिभा) । साहेबगंज जिला अधिवक्ता संघ के एक अधिवक्ता शमीम अख्तर उम्र 75 वर्ष का इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। जिसको लेकर अधिवक्ता संघ परिसर में मृत आत्मा की शांति के लिए शोक सभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। साथ ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार के न्यायालय कक्ष में अधिवक्ताओं एवं न्यायिक पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से शोक सभा का आयोजन कर दो मिनट मौन धारण किया है। वहीं संघ की ओर से प्रस्ताव पारित कर मृतक अधिवक्ता के परिजन को भेजी जाएगी। कहा वहीं शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य में भाग नहीं लिया है। वहीं अधिवक्ता शमीम अख्तर 1980 में साहेबगंज सिविल न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में अपना कार्य प्रारंभ किए थे। शोक सभा में न्यायिक पदाधिकारी के अलावा अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रेमनाथ तिवारी, सचिव विजय कुमार कर्ण, ललित स्वदेशी, बीएन ओझा, सुनील कुमार शर्मा, संजय जयसवाल, देवेंद्र कुमार सिंह, मंजर रजा, रंजीत झा, गौतम सिंह, कृष्णानंद महावर, रामानंद प्रसाद, राजीव कुमार समेत अन्य अधिवक्ता शामिल हुए।

उत्तर पलाशगाछी में दस बकायदारों का कटा विद्युत कनेक्शन

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में बिजली विभाग की टीम के द्वारा लगातार अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को विद्युत कनीय अभियंता चंदन कुमार के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने उत्तर पलाशगाछी पंचायत के नाकिर टोला एवं खट्टीटोला गांव में अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले 10 उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काट दिया है। बिजली विभाग की टीम ने बताया कि अभियान के दौरान पांच हजार से अधिक बकाया वाले 10 उपभोक्ताओं का कनेक्शन काटा गया है। साथ ही उनलोगों को बकाया राशि जल्द-जल्द भुगतान करने के साथ-साथ विद्युत कार्यालय से आरसीडीसी रशीद लेकर ही बिजली उपयोग करने को कहा गया। मौके पर लाइनमैन रविन्द्र मंडल, पूरन साहा, अरूण मंडल, प्रकाश मंडल, दिपक मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

जिला अधिवक्ता संघ साहेबगंज का चुनाव 28 को, अधिसूचना जारी

साहेबगंज(बिभा) । साहेबगंज जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव सत्र 26 - 28 का अधिसूचना मुख्य चुनाव आयुक्त जनार्दन प्रसाद शाह, चुनाव आयुक्त राम यादव एवं सुरेश बजाज के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी कर दिया गया है। बताया कि 13 मार्च को मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। जिसमें कुल 146 अधिवक्ता मतदाता सूची में अंकित है। वहीं 14 से 17 मार्च तक मतदाता सूची में अंकित नाम के बाबत आपत्ती एवं निवारण की तिथि निर्धारित की गई है और 17 मार्च को फाइनल मतदाता सूची प्रकाशन की तिथि निर्धारित की गई है। तदोपरांत 18 मार्च से 20 मार्च तक नामांकन की तिथि निर्धारित किया गया है। 23 मार्च को नामांकन वापसी के उपरांत दोपहर 3:30 बजे तक वैध प्रत्याशी की सूची प्रकाशित की जाएगी। 28 मार्च को सुबह 10:30 बजे से संध्या 4:00 बजे तक मतदाता व मतदान कर सकते हैं। तत्पश्चात मुख्य चुनाव आयुक्त एवं चुनाव आयुक्त के द्वारा मतगणना का परिणाम घोषित किया जाएगा और जीते हुए प्रत्याशी 30 मार्च को जिला अधिवक्ता संघ भवन साहेबगंज में शपथ ग्रहण करेंगे। जिसकी जानकारी चुनाव आयुक्त सुरेश बजाज ने दी है।

साहेबगंज - सकरीगली सड़क का स्थिति जर्जर, जल्द हो निर्माण : विधायक

राजमहल(बिभा) । राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधानसभा बजट सत्र में साहेबगंज - सकरीगली जर्जर मुख्य सड़क के मामले को उठाते हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजमहल अनुमंडल को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली मुख्य सड़क के बावजूद पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। इसलिए इस सड़क का निर्माण की आवश्यकता है। कहा जनहित में अविलंब सड़क का निर्माण कराया जाए। कहा बारिश के दिनों में मार्ग पर चलने वाले राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है, वहीं वाहन भी दुर्घटनाग्रस्त होती है।

श्रीकुंड व आहूतग्राम पीएचसी चालू कराने की मांग को लेकर विधायक ने विधानसभा में उठाया मामला, मंत्री को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

बरहरवा । पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुक्रवार को पाकुड़ विधायक निसात आलम ने झारखंड विधानसभा में मामला उठाते हुए विभागीय मंत्री से भी मुलाकात कर ज्ञापन सौपा। जानकारी के अनुसार अंतर्गत बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के श्रीकुंड पंचायत स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीकुंड एवं आहुतग्राम पंचायत स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रहमतपुर में डॉक्टर, एएनएम की तथा पारामेडिकल कर्मी की प्रतिनियुक्ति को लेकर जिले के उपायुक्त ने पद सृजित कर राज्य मुख्यालय को भेज दिया है। वहीं विधायक ने बताया कि दोनों स्थानों पर अस्पताल के भवन बनकर तैयार है। यहां पर डॉक्टर, पारामेडिकल स्टाफ एवं एएनएम की प्रतिनियुक्ति अगर हो जाती है तो यह अस्पताल आम लोगों को लिए चालू हो जाएगा और लोगों को पश्चिम बंगाल तथा अन्य स्थानों पर इलाज के लिए नहीं जाना पड़ेगा। वहीं मामले को लेकर विभागीय मंत्री तथा अपर मुख्य सचिव ने दोनों ही जगहों के लीये जल्द आवश्यक पहल करने का भरोसा देते हुए कहा की रिपोर्ट जिला के उपायुक्त से मंगवा लिया गया है। जल्द ही दोनों अस्पताल को चालू करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में जो भी अस्पताल बनकर तैयार है और डॉक्टरों की कमी है उसे दूर करने के लिए भी विभागीय मंत्री से वार्ता किया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि हमारे पाकुड विधानसभा क्षेत्र में जो भी डॉक्टरों की कमी है उसे दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

एचपीवी टीकाकरण को लेकर किया समीक्षा, कम उपलब्धि वाले कर्मियों पर लगाया फटकार

बिभा संवाददाता

राजमहल । शुक्रवार को राजमहल अनुमंडल अस्पताल स्थित सभागार कक्ष में अनुमंडल अस्पताल उपाधीक्षक उदय टुडू एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा के संयुक्त अध्यक्षता में मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। वही बैठक का मुख्य उद्देश्य 14 वर्ष से 15 वर्ष तक के बच्चों को लगने वाले एचपीवी टीकाकरण की प्रगति की समीक्षा किया। इसके अलावा आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्तर पर संचालित स्वास्थ्य विभाग के सभी कार्यक्रमों का बारीकी से अवलोकन किया गया। वही समीक्षा के दौरान विभिन्न योजनाओं में लक्ष्य के अनुरूप प्रदर्शन नहीं करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों पर अधिकारियों ने नाराजगी जताते हुए उन्हें कड़ी फटकार लगाई। वहीं बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, बीटीटी के साथ-साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉक्टर अबू कलाम, प्रखंड लेखा प्रबंधक अमित कुमार, प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू एवं यूनिसेफ व स्कूल संस्था के फील्ड मॉनिटर उपस्थित थे।

डीसी ने किया विद्युत विभाग की समीक्षा दिए कई आवश्यक दिशा निर्देश

लातेहार : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में विद्युत परियोजना से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य मंत्री उज्जवल झारखण्ड योजना एवं पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत चल रहे कार्यों की बिन्दुआर समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने विद्युत आपूर्ति, सुदृढ़ बिजली-व्यवस्था के अलावा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर विद्युत आपूर्ति को सुदृढ़ करने का निर्देश विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता को दिया गया।
बैठक में विद्युत कार्यपालक अभियंता राजदेव मेहता, अन्य संबंधित उपस्थित थे।

132 विद्यालयों में होगी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक जांच परीक्षा

बिभा संवाददाता

उधवा । उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत रविवार को उधवा प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में प्रस्तावित बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक जांच परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। इस संदर्भ में शिक्षा विभाग के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अटल बिहारी भगत ने इस संवाददाता को जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत 15 वर्ष से अधिक आयु के असाक्षरों के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक जांच परीक्षा आयोजित की जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के ऐसे नागरिक जो साक्षर नहीं है और शिक्षा की मुख्यधारा से बाहर रहे है। वहीं बीपीओ ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र के कुल 132 विद्यालयों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक जांच परीक्षा होगी। जिसमें कुल 2500 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिसमें 920 पुरूष एवं 1580 महिला शामिल है। साथ ही उन्होंने बताया परीक्षा को लेकर सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय रविवार को खुलें रहेंगे। साथ ही उन्होंने सभी विद्यालयों के केंद्राधीक्षकों एवं वीक्षकों को शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा संपन्न कराने का निर्देश दिया है।

उपायुक्त ने जनता दरबार का आयोजन कर सुनी आमलोगों की समस्या

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त हेमंत सती ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। इसके साथ ही उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकताओं की समस्याओं को सुनने के बाद उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें। ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके। ज्ञात हो कि हर सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

लातेहार उपायुक्त ने किया राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधि के साथ बैठक

बिभा संवाददाता

लातेहार: जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष/ प्रतिनिधि के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति एवं उनकी सूची उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा की गई।
बैठक के दौरान उपायुक्त ने उपस्थित प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि माह अप्रैल में झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर बीएलए की नियुक्ति करना तथा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करना आवश्यक है।उपायुक्त ने बताया कि पूर्व में आयोजित बैठक में सभी राजनीतिक दलों के द्वारा 10 दिनों के भीतर बीएलए की सूची उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था, किन्तु अब तक केवल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं आजसू पार्टी के द्वारा ही बीएलए की सूची उपलब्ध कराई गई है।उपायुक्त द्वारा सभी जिलाध्यक्ष/सचिवों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने बीएलए की सूची एवं उनका विवरण दिनांक 16 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के पूर्व आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण की जा सकें।
बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय रजक, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष/ प्रतिनिधि - अरुण दुबे - झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, गुंजर उरांव -भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, मुंगेश्वर राम - बसपा, प्रमोद पाण्डेय - आम आदमी पार्टी एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की फरियाद

लातेहार: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। आज के जन शिकायत निवारण में मुख्य रूप से स्वास्थ्य बीमा को अप्रूव कराने के संबंध में, बिजली बिल संबंधित, एल पी सी नहीं करने के संबंध में, जमीन का रशीद कटवाने संबंधित जुड़े आवेदन आये। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित कर सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए , समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया।

डिजनीलैंड मेला का नगर परिषद अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत पोखरिया टाउन हॉल के पीछे डिज्नीलैंड मेला का विधिवत उद्घाटन नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान, नगर परिषद उपाध्यक्ष विनीता देवी, वार्ड पार्षद दीपा देवी व चमरू उरांव, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्रीनिवास यादव सहित अन्य ने फीता काटकर व दीप प्रज्वलित करके किया। वही अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र व बुके देकर किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि शहरवासियों के लिए मनोरंजन का बेहतरीन साधन है। शहरवासी इसका लाभ उठाए। वही मेला प्रबंधक रणजीत साहा ने बताया कि मेला में जलपरी का शो, हाइड्रोलिक झूला, ब्रेक डांस सहित मनोरंजन के साधन, 100 दुकानों में विभिन्न प्रदेशों के सामग्री, दिल्ली के घर व किचन की सामग्री, बनारसी पान की दुकान रहेगी। सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है, शराबियों की इंट्री बैंड है। गर्भवती महिलाओं को झूला ब्रेक डांस में प्रतिबंध है। फायर सेफ्टी की पूरी व्यवस्था की गई है। मौके पर गोपाल सिंह, विप्लव चक्रवर्ती, अमल विश्वास, किशन पटेल सहित अन्य थे।

हॉकी विश्वकप 2026: खिताब जीतने पर भारतीय महिला टीम का ध्यान, सेमीफाइनल में इटली की चुनौती

हैदराबाद (एजेंसी)। एफआईएच हॉकी महिला विश्वकप 2026 के लिए क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम घरेलू दर्शकों के सामने इटली के खिलाफ शुक्रवार को सेमीफाइनल में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के खिताब की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी। भारतीय टीम पूल बी में तीन मैचों में सात पॉइंट्स और स्कॉटलैंड पर बेहतर गोल डिफरेंस के साथ शीर्ष पर है। मेजबान टीम ने पूल स्टेज में दो जीत और एक ड्रॉ दर्ज किया।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत उरुग्वे के खिलाफ 4-0 की जबरदस्त जीत के साथ की। अपने दूसरे मैच में, उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 2-2 से करीबी मुकाबला ड्रॉ खेला और फिर वेल्स पर 4-1 की आसान जीत के साथ ग्रुप स्टेज खत्म किया। पूल स्टेज में शानदार प्रदर्शन के साथ भारत ने टूर्नामेंट के नियम के तहत एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपना क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया, जिसके तहत दो क्वालिफाइंग इवेंट्स में चौथे नंबर पर रहने वाली दुनिया की सबसे ऊंची रैंक वाली टीम को वर्ल्ड कप में जगह मिलती है।

क्वालिफायर्स का सैंटियागो लेग पहले खत्म हो गया था, जहां चिली, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड ने तीन डायरेक्ट क्वालिफिकेशन स्पॉट हासिल किए थे। जापान सैंटियागो में चौथे नंबर पर रहा और अभी दुनिया में 15वें नंबर पर है। दुनिया भर नौवें नंबर की टीम मेजबान भारत ने कम से कम यह पक्का कर लिया है कि वे दोनों टूर्नामेंट्स में सबसे ऊंची रैंक वाली चौथी टीम के तौर पर खत्म करेंगे, जिससे विश्व कप के लिए उनका टिकट पक्का हो गया है। अब उसका मकसद अपनी लय बनाए रखते हुए फाइनल में जगह बनाने पर होगा।

फाइनल में भारत का मुकाबला इटली से होगा। इटली पूल ए में चार अंक के साथ दूसरे नंबर पर रहा है, जिसने एक जीत, एक ड्रॉ और एक हार दर्ज की है, जिससे मेजबान टीम को सेमीफाइनल से पहले थोड़ी साइकोलॉजिकल बढ़त मिली है। भारत की फॉरवर्ड नवनीत कौर के शानदार फॉर्म को भी आगे बढ़ाना चाहेगा, जो अभी चार गोल के साथ टूर्नामेंट की संयुक्त शीर्ष स्कोरर हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक बनाकर शानदार प्रदर्शन किया था।

वहीं इटली की बात की जाए तो वह फेडेरिका कार्टा पर निर्भर रहेगा, जो उनकी मुख्य अटैकिंग खिलाड़ी रही हैं और उन्होंने अब तक इस कॉम्पिटिशन में तीन गोल किए हैं। हेड-टू-हेड मुकाबलों की बात करें तो, भारत और इटली 2012 से सात बार एक-दूसरे से भिड़ चुके हैं। भारत ने उनमें से पांच मैच जीते हैं, जबकि इटली ने एक जीत दर्ज की है और एक गेम ड्रॉ रहा है, जिससे मेजबान टीम को सेमीफाइनल से पहले थोड़ी साइकोलॉजिकल बढ़त मिली है।

सेमीफाइनल से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'एफआईएच हॉकी विमेंस वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफाई करना इस ग्रुप के लिए एक जरूरी माइलस्टोन है, और प्लेयर्स ने टूर्नामेंट में अब तक जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके लिए वे बहुत क्रेडिट की हकदार हैं। उन्होंने पूरे पूल स्टेज में अच्छा डिसिप्लिन, कॉम्पोजर और अटैकिंग इंटेंट दिखाया है।

इटली एक कॉम्पिटिटिव टीम है और उन्होंने इस टूर्नामेंट में दिखाया है कि वे मजबूत टीमों को परेशान कर सकते हैं। हमारे लिए, फोकस अपने प्लान को अच्छी तरह से एग्जिक्यूट करने, अपने स्ट्रक्चर को बनाए रखने और उसी ऊर्जा और विश्वास के साथ खेलते रहने पर होगा।' भारतीय महिला टीम शुक्रवार को शाम सात बजकर 30 मिनट पर सेमीफाइनल में इटली से भिड़ेगी।

वैभव को एशियाई खेलों के लिए मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम से डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि इस साल भारतीय टीम का काफी व्यस्त कार्यक्रम है और उसे अपनी धरती के साथ ही विदेशी मैदानों पर भी काफी क्रिकेट खेलना है। इसी को देखते हुए ये भी हो हो सकता है भारतीय बोर्ड दो टीमें उतारे जिस एक अनुभवी और दूसरी युवा क्रिकेटरों से भरी रहेगी। उसे जून से लेकर अक्टूबर तक लगातार कई टीमों से खेलना है। इसी दौरान उसे जिम्बाब्वे के अलावा नई टीम आयरलैंड से भी खेलना है। वैभव ने पिछले कुछ समय से भारतीय अंडर 19 के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए उन्हें इस साल के अंत में एशियाई खेलों में उतरने का अवसर मिल सकता है।

वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं, जिसके बाद जुलाई में वह सीमित ओवरों के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम इस दौरान 5 टी20 के साथ ही 3 एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा इस व्यस्त कार्यक्रम के बीच दो नए दौरे भी जुड़ सकते हैं। इंग्लैंड पहुंचने से पहले भारत डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों की छोटी सीरीज खेल सकता है। वहीं श्रीलंका क्रिकेट समुद्री तूफान 'दित्वह' से हुए नुकसान की कमी पूरी करने के लिए भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों से पहले तीन टी20 मैच खेलने का अनुरोध कर सकती है।

आईसीसी ने टी20 विश्वकप विजेताओं पर की इनामों की बारिश, भारतीय टीम को मिले 24 करोड़

-उपविजेता न्यूजीलैंड को मिले 13 करोड़ रुपये

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष टी20 विश्वकप 2026 के लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। टूर्नामेंट में कुल 11.25 मिलियन अमेरिकी डॉलर करीब (1 अरब, 39 करोड़, 4 लाख, 43 हजार) की इनामी राशि दी गयी है। इस बार की इनामी राशि पिछली बार से अधिक है। इसमें विजेता भारतीय टीम को 2.63 मिलियन डॉलर करीब 24.3 करोड़ रुपये जबकि उपविजेता न्यूजीलैंड को 26,39,423 अमेरिकी करीब 13 करोड़ की इनामी राशि मिली है। वहीं सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम को 10,05,577 डॉलर करीब 9 करोड़ रुपये और इंग्लैंड की टीम को 9,74,423 डॉलर करीब 8 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं सुपरआठ की चार टीमों, वेस्टइंडीज को 5,38,269 डॉलर करीब 4 करोड़ 95 लाख रुपये। वहीं पाकिस्तान 4,91,538 डॉलर करीब 4 करोड़ 80 लाख। जिम्बाब्वे को 4,91,538 डॉलर करीब 4 करोड़ 51 लाखा, श्रीलंका को 475,962 डॉलर करीब 4 करोड़ 37 लाख रुपये मिलेंगे।

इस बीच, जो टीमें सुपर 8 स्टेज तक पहुंचीं लेकिन आगे नहीं बढ़ पाईं, जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए शामिल हैं, उनमें से प्रत्येक टीम को 3,09,808 डॉलर दिए जाएंगे। 2 करोड़ 85 लाख रुपये दिये जाएंगे।

शेष प्रतिभागियों में स्कॉटलैंड को 2,78,654 डॉलर करीब 2 करोड़ 56 लाख और आयरलैंड को 2,71,731 डॉलर करीब 2 करोड़ 49 लाख रुपये मिलेंगे। इस बीच, इटली, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड अरब अमीरात और नेपाल को 2,56,154 डॉलर करीब 2 करोड़ 35 लाख रुपये देने की घोषणा की गई है

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले स्टेज में बाहर हो होने वाली कनाडा, नामीबिया और ओमान की टीमों को 2,25,000 डॉलर करीब 2 करोड़ 6 लाख का इनाम लाग लेने के लिए दिया गया है।

पिछले विश्वकप की तरह खेलते तो शायद ही जीत मिलती: सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि समय के साथ ही खेल की रफ्तार भी बदल रही है, ऐसे में आक्रामक अंदाज अपनाना सफल रहा। वहीं अगर अगर भारतीय टीम पिछले टी20 विश्व कप की तरह खेलती तो उसे इसबार शायद ही जीत मिलती। सूर्या का कहना है कि पिछली बार जब रोहित शर्मा और विराट कोहली के समय भारतीय टीम जीती थी तब हालात अलग थे। वहीं अब अलग हैं।

कप्तान रोहित और कोच राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में भारतीय टीम का खेल बेहद संतुलित और अनुभव पर आधारित माना जाता था। यह रणनीति 2024 तक प्रभावी रही पर दो साल बाद टी20 क्रिकेट की बदलती मांगों के सामने यह थोड़ी धीमी और पारंपरिक लगने लगी। इसी कारण सूर्यकुमार और

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बार खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने को कहा। इससे टीम में यह साफ संदेश दिया गया कि अब कोई भी खिलाड़ी निजी उपलब्धियों के पीछे न जाकर टीम की जीत के लिए खेलेगा। इसी कारण जरूरत के अनुसार किसी भी खिलाड़ी को किसी भी क्रम पर उतारा गया। सूर्यकुमार ने कहा, हमें पता था कि 2024 टी20 विश्व कप में जिस तरह का क्रिकेट हमने खेला था, वह आगे काम नहीं करेगा। इसलिए हमने तय किया कि अब व्यक्तिगत रिकॉर्ड पर ध्यान नहीं देंगे, हमारा ध्यान सिर्फ मैच जीतना होगा। इसी कारण सेमीफाइनल तक हमारे किसी भी खिलाड़ी का नाम सबसे ज्यादा रन बनाने वालों या सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में नहीं था पर इसके बाद भी हम जीत रहे थे। इस कारण है कि हर खिलाड़ी योगदान दे रहा था। उन्होंने आगे कहा कि इस सोच को टीम में शुरू से ही मजबूत करना जरूरी था।वहीं भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक से भी माना है कि साल 2024 और 2026 की टीमों के बीच अंतर था। उनका मानना है कि 2024 की टीम अनुभव से भरी थी पर उसमें इतनी आक्रामकता नहीं थी। तब रोहित आक्रामक होकर खेलते थे जबकि विराट एक छोर संभाले रहते थे। वहीं अब टीम में कम अनुभव वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनमें आक्रामकता और आत्मविश्वास भरा हुआ है। टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ी संतुलन लाते हैं, जबकि अभिषेक शर्मा जैसे युवा खिलाड़ी अपनी अलग शैली के साथ विरोधी टीम पर दबाव बना देते हैं।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा टी20 विश्वकप का अगला सत्र

मुम्बई ।आईसीसी टी20 विश्वकप का 11 वां सत्र अब साल 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में संयुक्त रुप से खेला जाएगा ।यह टूर्नामेंट 21 अक्टूबर से 19 नवंबर, 2028 के बीच होगा ।इस प्रकार साल 2022 के बाद ऑस्ट्रेलिया को दूसरी बार इस वैश्विक इवेंट की मेजबानी का अवसर मिलेगा ।वहीं न्यूजीलैंड में पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा ।टूर्नामेंट के आयोजन की जिम्मेदारी डेम थेरेसी वॉल्श के पास है ।वाल्श के अनुसार ये मुकाबले ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी), सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी), एडिलेड ओवल और पर्थ का ऑप्टस स्टेडियम में खेले जाएंगे ।वहीं न्यूजीलैंड में ऑकलैंड के ईडन पार्क, वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम और क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में होंगे ।.इसमें 20 टीमें भाग लेंगी ।इस टूर्नामेंट में भी आईसीसी का साल 2024 का ही प्रारुप लागू रहेगा ।इस टूर्नामेंट के लिए 12 टीमों को स्थान मिल गया है ।ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को मेजबान होने के कारण पहले ही जगह मिल गयी है ।वहीं इस साल की विजेता भारतीय टीम के अलावा, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और जिम्बाब्वे.को भी इसमें रैंकिंग के आधार पर जगह मिली है ।इसके अलावा अफगानिस्तान, बांग्लादेश और आयरलैंड को भी शामिल किय गया हैं ।वहीं बचे 8 स्थानों के लिए रीजनल क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट इस साल के बीच में शुरू होंगे ।अमेरिका और यूरोप में उप-रीजनल क्वालीफायर आयोजित किए जाएंगे, जिससे एसोसिएट देशों को भी 20 टीमों में शामिल होने का अवसर मिलेगा ।

शुभमन के लिए टी20 टीम में वापसी संभव नजर नहीं आती : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि बल्लेबाज शुभमन गिल को टी20 टीम में जगह मिलने की कोई संभावना नहीं है ।आकाश के अनुसार शुभमन की बल्लेबाज टी20 के अनुरुप नहीं है और ऐसे में उन्हें इसमें कप्तानी मिलने की उम्मीद तो करनी ही नहीं चाहिये ।आकाश के अनुसार उनके लिए तो इस सबसे छोटे प्रारुप में जगह बनाना भी मुश्किल है ।शुभमन अभी टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान हैं ।वह पिछले साल टी20 में वापसी में सफल रहे थे पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के कारण अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये ।एशिया कप में उन्हें उपकप्तान बनाया गया था पर वह टीम को आक्रामक शुरुआत नहीं दे पाये ।वह वापसी के बाद 15 मैचों में एक बार भी पचास रन नहीं बना पाये ।इसी कारण उन्हें टी20 विश्वकप के लिए जगह नहीं मिली थी ।शुभमन ने भारतीय टीम की ओर से 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 869 रन बनाये हैं ।इस दौरान उनका औसत 28.03 और स्ट्राइक रेट 138.59 का रहा ।आकाश ने कहा,शुभमन के लिए वापसी बेहद कठिन है ।भारतीय टीम की बड़ी सोच थी कि तीनों प्रारुपों का एक कप्तान होना चाहिए ताकि आसानी हो पर ये संभव नहीं दिखता ।वह टेस्ट और एकदिवसीय के कप्तान हैं लेकिन टी20 की कप्तानी नहीं मिल सकती ।इस समय तो भारत की टी20 टीम में जगह मिलना भी कठिन है ।अभी भारतीय टीम जिस अंदाज में खेल रही है ।उसको देखते हुए बड़े स्कोर के लिए आक्रामक बल्लेबाजों की जरुरत होती है ।ऐसे में उन्हें इस प्रारुप के प्रयास में एकदिवसीय की लय नहीं खोनी चाहिये ।वहीं टीम से बाहर किए जाने के बाद शुभमन ने कहा था कि वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और जब भी अवसर मिलेगा अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देने की कोशिश करेंगे ।

धोनी का निचले क्रम पर उतरना सहित नहीं : पुजारा

चेन्नई ।बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भले ही 44 साल के हो गये हैं पर इसके बाद भी उनके खेलने से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लाभ ही होगा ।पुजारा के अनुसार धोनी अगर 20 से 30 गेंदों का भी सामन करते हैं तो भी वह मैच बदल सकते हैं ।गौरतलब है कि बढ़ती उम्र और फिटनेस की दिक्कतों के कारण धोनी पिछले कुछ समय से निचले क्रम पर ही उतर रहे हैं पर पुजारा का मानना है कि ये सही नहीं है ।उनका कहना है कि धोनी का निचले क्रम पर खेलने का फैसला सही नहीं है ।वह ऊपरी क्रम पर टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं ।

पुजारा ने कहा, 'मुझे धोनी के नंबर 8 या 9 पर बल्लेबाजी करना सही नहीं दिखता क्योंकि आज भी उनकी बल्लेबाजी ऐसी है कि वह मैच का रुख मोड़ सकते हैं ।निचले क्रम पर अगर वह सिर्फ 5 या 10 गेंद खेलकर ही प्रभावित कर सकते हैं तो 25 या 30 गेंदें खेलने पर तो तूफान ही मचा देंगे ।.' पुजारा का मानना है कि धोनी जिस प्रकार के हिटर हैं उसको देखते हुए उन्हें ऊपरी क्रम पर भेजा जाना चाहिये ।पुजारा ने कहा कि सीएसके के ड्रेसिंग रूम का माहौर काफी अच्छा रहता है। इसी कारण टीम और खिलाड़ी एक दूसरे के प्रति समर्पित रहते हैं। खिलाड़ियों को मालूम होता है कि उनसे टीम किस प्रकार की उम्मीदें करती है ।इसी कारण सीएसके में रहने वाला हमेशा उसके साथ बना रहता है ।वहीं टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन के अनुसार हमेशा ही आईपीएल से पहले धोनी की फिटनेस और उनके हर मैच खेलने को लेकर भी अटकलें रहती हैं पर ये तय है कि वह अंतिम ग्यारह में बने रहेंगे ।

कार्लोस अल्काराज लगातार पांचवीं बार इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपनी जीत का सिलसिला 16 मैचों तक बढ़ाया और गुरुवार को बीएनपी परीबा ओपन में लगातार पांचवें इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में पहुंचे। टॉप सीड खिलाड़ी ने कैमरन नॉरी के खिलाफ 6-3, 6-4 से जीत हासिल की, जिससे उन्होंने ब्रिटेन के खिलाड़ी से बदला ले लिया, जिसने उन्हें पिछले नवंबर में पेरिस में हराया था।

अल्काराज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में नॉरी के बारे में कहा, 'मुझे उनके स्टाइल से बहुत दिक्कत होती है। हर बार जब मैं उनके खिलाफ खेलता हूं तो यह मेरे लिए हमेशा बहुत मुश्किल होता है। उनके स्टाइल, उनके (हैवी) टॉपस्पिन फोरहैंड, सुपर हाई के साथ यह थोड़ा कन्फ्यूजिंग है। और फिर बैकहैंड, बहुत फ्लैट और बहुत लो। कभी-कभी उनके खिलाफ खेलना मुश्किल होता है। मुझे सही शॉट मिल रहा है। मैंने अच्छा खेला। मैंने सॉलिड खेला। जब भी हो सका, मैंने एग्रेसिव खेला। मैं इस लेवल पर खेलकर खुश हूं।'

अल्काराज और नॉरी ने पूरे मैच में मोमेंटम बदला, लेकिन स्पेन के खिलाड़ी ने ज़्यादातर अपना पलड़ा भारी रखा। पहला सेट आखिरी चार गेम में तीन बार सर्व ब्रेक के साथ खत्म हुआ। इसके बाद नॉरी ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, जिसके बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम जीतकर जवाब दिया। 22 साल के खिलाड़ी ने 10 ब्रेक के मौके बनाए, जिनमें से चार को भुनाया। तेज बेसलाइन हिटिंग, हल्के ड्रॉप शॉट और शानदार नेट प्ले का मिक्स दिखाते हुए, दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी ने एक घंटे 33 मिनट में जीत हासिल की।

अल्काराज ने कहा, 'टेनिस लगभग आधे सेकंड में सही शॉट चुनने के बारे में है,' जिन्होंने 19 फोरहैंड विनर के साथ गेम खत्म किया। 'कभी-कभी मैं शॉट मिस कर देता हूँ क्योंकि मैंने सही वाला नहीं चुना होता। मेरे दिमाग में, मेरे पास सात, पाँच ऑप्शन होते हैं, कभी-कभी मेरे लिए सही वाला चुनना मुश्किल होता है।'

अपनी जीत के साथ, अल्काराज लगातार पांच इंडियन वेल्स सेमीफ़ाइनल में पहुंचने वाले तीसरे व्यक्ति बन गए, उनके हमवतन राफेल नडाल (2006-13) और विरोधी नोवाक जोकोविच (2011-16) ही उनसे आगे हैं। अल्काराज हेड2हेड सीरीज में नॉरी से 6-3 से आगे हैं। 26 बार के टूर-लेवल टाइटलिस्ट सेमीफाइनल में दानिल मेदवेदेव के खिलाफ अपने 6-2 के रिकॉर्ड को बेहतर करना चाहेंगे। अल्काराज ने मेदवेदेव के साथ अपने पिछले चार मुकाबले जीते हैं। अल्काराज ने 2023 और 2024 में इंडियन वेल्स का खिताब जीता, दोनों फाइनल में मेदवेदेव को हराया।

आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के सहायक कोच की भूमिका में नजर आयेंगे दहिया

अहमदाबाद ।गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 में बेहतर प्रदर्शन के लिए पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज विजय दहिया को अपना नया सहायक कोच बनाया है ।दहिया कोच के तौर पर काफी सफल रहे हैं ।वह दो बार की खिताब विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) में भी सहायक कोच रहे है ।इसके अलावा उनके कोच रहते ही दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी खिताब भी जीता था ।अब देखना है कि गुजरात को दहिया से कितना लाभ मिलता है ।इससे पहले टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को बल्लेबाजी कोच नियुक्त था ।ऐसे में दहिया को उनके साथ मिलकर टीम की बल्लेबाजी को निखारना होगा ।गुजरात टाइटंस को उम्मीद है कि दाहिया के होने से टीम का कोचिंग स्टाफ और बेहतर तरीके से खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर पायेगा ।दहिया ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के साथ ही दो टेस्ट मैच भारतीय टीम की ओर से खेले हैं ।खेल से संन्यास के बाद वह कोच के तौर पर घरेलू क्रिकेट में दिल्ली के साथ जुड़े रहे हैं ।दहिया के कोच रहते ही साल 2007-08 सत्र में दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी खिताब जीता और उसके बाद से वह कई अन्य घरेलू और आईपीएल टीम के भी कोच रहे हैं ।गुजरात की टीम आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम में से एक हैं ।वह अपने शुरुआती चार सत्र में से तीन में प्ले ऑफ में पहुंची और उसने एक बार खिताब भी जीता है ।

रंकीरेड्डी के कंधे में दर्द के कारण उनकी और चिराग की जोड़ी स्विस ओपन से हटी

बासेल ।सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के कंधे में दर्द के कारण उनकी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय पुरुष जोड़ी ने शुक्रवार को स्विस ओपन के क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया ।इस सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अंतिम आठ युगल मुकाबलों में रंकीरेड्डी और शेट्टी का मुकाबला डेनमार्क के क्रिश्चियन फॉस्ट कजेर और रासमस कजेर से होना था ।बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश से सुर्खियां बटोरने वाले अमलापुरम के 25 वर्षीय रंकीरेड्डी अपने दाहिने कंधे की समस्या से जूझते रहे हैं ।रंकीरेड्डी ने 2023 में बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जिसकी गति 565 किलोमीटर प्रति घंटा थी ।भारतीय टीम के मलेशिया मूल के कोच टैन किम हर ने 'पीटीआई' को बताया, 'यह पुरानी चोट है ।उम्मीद है कि वह जल्दी ठीक हो जाएंगे ।इसमें कम से कम एक सप्ताह लगेगा ।' समझा जा रहा है कि यह चोट नयी नहीं है और शीर्ष स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ियों में आम है ।भारतीय जोड़ी ने बृहस्पतिवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान के हिरोकी ओकामूरा और क्योहेई यामाशिता के खिलाफ 74 मिनट के कड़े मुकाबले में 21-15, 15-21, 28-26 से जीत हासिल की ।एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग अब सात से 12 अप्रैल तक होने वाली बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे ।भारतीय जोड़ी ने 2023 में खिताब जीता था ।

मैं सिर्फ टाइमिंग पर ध्यान देती हूं, मेडल्स पर नहीं : पैरालंपिक प्रीति पाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रीति पाल, जो पैरालंपिक खेलों में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं, ने अपनी सफलता का राज बताया है। उनका कहना है कि वह सिर्फ अपनी टाइमिंग बेहतर करने पर ध्यान देती हैं और मेडल जीतने के बारे में सोचकर खुद पर दबाव नहीं डालतीं।

प्रीति ने 2024 पेरिस पैरालंपिक्स में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे - एक महिलाओं की 100मी रेस में और दूसरा 200मी टी35 रेस इवेंट में। बुधवार को चल रहे वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में महिलाओं की 100मी टी35/टी37 रेस में गोल्ड मेडल जीतने के बाद यूनीवार्ता से बात करते हुए प्रीति ने कहा, 'यह वह मुकाबला है जहां हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करता है। यहां बात मेडल की नहीं, बल्कि टाइमिंग की होती है। यहां मुकाबला करने आए सभी एथलीटों ने अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश की है। मुझे तो यह भी लगता है कि मैं ठीक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाई जैसा मैं ट्रेनिंग के दौरान कर रही थी।'

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 11 से 13 मार्च तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला जा रहा है जिसमें 8 देशों के एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। प्रीति ने रेस में गोल्ड मेडल जीतने के लिए 14.46 सेकंड का समय लिया। रूस की मार्गरीटा माताएवा 16.25 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि करीना माचुलस्काया ने 17.38 सेकंड के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

एक पैरा एथलीट के तौर पर उन्हें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उन पर बात करते हुए इस स्प्रिंटर ने कहा कि चोटें एथलीटों के लिए सबसे बड़ी रुकावटों में से एक बनी रहती हैं, खासकर तेज रफ्तार वाले स्पीड सेशंस के दौरान। 'कई दिक्कतें आई हैं, खासकर चोटें। चोटें तो हर एथलीट को लगती हैं। जब हम स्पीड सेशंस शुरू करते हैं, तो चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। रिकवरी बहुत जरूरी हो जाती है। हमारे कोच हमें आइस बाथ (बर्फ के पानी में नहाना) दिलवाकर रिकवरी में मदद करते हैं, जिससे बहुत फ़ायदा होता है।'

उन्होंने यह भी जोड़ा कि चोट-मुक्त रहने से एथलीट ट्रेनिंग, खान-पान और आराम पर बेहतर तरीके से ध्यान दे पाते हैं। मुकाबले की अपनी तैयारियों के बारे में प्रीति ने बताया कि पिछले एक महीने से ट्रेनिंग के दौरान वह अपनी अब तक की सबसे अच्छी टाइमिंग हासिल कर रही थीं। 25 साल की इस एथलीट ने खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए नेशनल ट्रेनिंग ग्रुप को श्रेय दिया।

प्रीति ने कहा, 'हमारी तैयारी बहुत अच्छी रही है। नेशनल टीम में हम एक ग्रुप के तौर पर ट्रेनिंग करते हैं और एक-दूसरे से सीखते हैं। हमारे साथ सिमरन शर्मा जैसी एथलीट हैं, जो अर्जुन अवॉर्ड विजेता और पैरालंपिक मेडलिस्ट हैं, और चिराग बरेठा हैं, जो पहले दुनिया में नंबर एक रैंक पर थे। साथ में प्रैक्टिस करने से हम सभी को बेहतर बनने में मदद मिलती है।' आगे की ओर देखते हुए इस पैरा स्प्रिंटर ने कहा कि वह आने वाले इवेंट में और भी दमदार प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

200मी का इवेंट तीसरे दिन है और मैं उसमें अच्छा करने की पूरी कोशिश करूंगी। मैं कोई बहाना नहीं बनाना चाहती, मैं बस अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाना चाहती हूं।' यूपी की रहने वाली इस एथलीट का मानना है कि असली मुकाबला खुद से ही होता है और अपने ही पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ना ही उनका मुख्य लक्ष्य है।

सैमसन के होने से राजस्थान के खिलाफ पहले ही मुकाबले में भारी पड़ेगी सीएसके : इरफान पठान

नई दिल्ली ।पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान के अनुसार आईपीएल में इस बार बल्लेबाज संजू सैमसन के आने का लाभ चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को मिलेगा। आईपीएल नीलामी के पहले ही ट्रेड डील के तहतर ही सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से सैमसन को हासिल कर लिया था ।पठान के अनुसार जिस प्रकार का जबरदस्त प्रदर्शन विश्वकप में सैमसन ने किया है। उससे वह काफी अच्छे फार्म में हैं। ऐसे में उनके होने भर से राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ होने वाले शुरुआती मैच में सीएसके की टीम के पास जीत के अधिक अवसर रहेंगे ।पठान के अनुसार, सैमसन लंबे समय तक रॉयल्स में शामिल रहे हैं ।ऐसे में उन्हें टीम की रणनीति के अलावा, खिलाड़ियों के खेलने के तरीके का भी अंदाजा है। इसका लाभ भी सीएसके को मिलेगा। सीएसके ने सैमसन को लगभग 18 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है ।वहीं इसके बदले में सैम कुरम और अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स की टीम में चले गए ।पठान के अनुसार सैमसन के होने से टीम को रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में काफी लाभ होगा ।इसका कारण है कि सैमसन लंबे समय तक राजस्थान में रहे है और जानते हैं कि टीम केपावरप्ले में किस प्रकार खेलती है, बीच के ओवरों में उनकी रणनीति क्या होती है और गेंदबाजी संयोजन कैसे काम करता है ।सीएसके अपना पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में खेलेगी। संजू सैमसन एक दशक से भी अधिक समय तक राजस्थान रॉयल्स का अहम हिस्सा रहे हैं ।उन्होंने 2013 में टीम के साथ अपना सफर शुरू किया और जल्द ही टीम के प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल हो गए ।बाद में उन्हें टीम की कप्तानी भी सौंपी गई। आईपीएल में सैमसन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है ।उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए 150 से ज्यादा पारियां खेलते हुए 4,000 से अधिक रन बनाए हैं । उनके नाम दो शतक और कई अर्धशतक दर्ज हैं ।उनका स्ट्राइक रेट भी 140 से अधिक रहा है ।ऐसे में वह लीग के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में से एक हैं ।

सब के लिए जल, जल के लिए सब: जन, पंचायत और जल जीवन मिशन

बिहान भारत

सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पाइपलाइनों, पंपों और भंडारण सुविधाओं जैसी अवसंरचनाओं की जरूरत होती है। इस्पात और कंक्रीट के इन नेटवर्कों के अलावा जल प्रणालियों को हर रोज चालू रखने के लिए इन्हें संभालने वाले लोग भी चाहिए होते हैं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम स्तर पर निर्वाचित प्रतिनिधि, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूहों के सदस्य, प्रशिक्षित स्वयंसेवी और तकनीकी कर्मी एक साथ मिल कर स्थानीय जल आपूर्ति प्रणालियों का संचालन, निगरानी और रखरखाव करते हैं। इस तरह, वे ग्रामीण परिवारों तक सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति में सहायता करते हैं।

जल जीवन मिशन की शुरूआत अगस्त 2019 में की गई। इसका उद्देश्य हर ग्रामीण परिवार को घर में नल के कनेक्शन के जरिए सुरक्षित पेयजल पर्याप्त मात्रा में मुहैया कराना है। इस कार्यक्रम की शुरूआत के समय सिर्फ 3.23 करोड़ ग्रामीण घरों में नल का कनेक्शन था। इस मिशन के परिणामस्वरूप 3 मार्च 2026 तक देश भर में 15.82 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों में नल के जरिए पानी की आपूर्ति की जा रही थी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक पेयजल पहुंचाने के भारत के संकल्प का पता चलता है। इस योजना को 2028 तक बढ़ाते हुए इसके लिए 2026-27 के संघीय बजट में 67670 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। देश भर में ग्रामीण पेयजल अवसंरचना के तेजी से विस्तार में निचले स्तर पर काम करने वाले हजारों व्यक्तियों की कोशिशों का बड़ा योगदान है।

गांवों में ये कोशिशें उन व्यक्तियों की प्रतिबद्धता में प्रतिबिंबित होती हैं जिन पर जल प्रणालियों और उनके कामकाज की निगरानी तथा अपने समुदायों के लिए पानी की गुणवत्ता की रक्षा करने की जिम्मेदारी है। राष्ट्रपति ने इस तरह के योगदानों की सराहना करते हुए इन्हें प्रोत्साहन देने के लिए विशिष्ट व्यक्तियों को ग्रामीण पेयजल प्रशासन को मजबूत

करने में उनके योगदान के लिए जल महोत्सव 2026 के दौरान पुरस्कृत किया। देश भर में 8 से 22 मार्च तक चलाए जा रहे इस अभियान का मकसद जल जीवन मिशन के अंतर्गत जन भागीदारी को बढ़ावा देना है। नीचे वर्णित गाथाएं कुछ व्यक्तियों के प्रयासों की झलक देते हुए अपने समुदाय में ग्रामीण पेयजल सेवाओं के संचालन में उनकी भूमिका की झलक पेश करती हैं।

स्थानीय भागीदारी के जरिए ग्राम जल प्रणालियों का संचालन

उत्तर प्रदेश में चित्रकूट जिले के मानकुवर गांव में ग्रामीण पेयजल प्रणाली का कामकाज इस बात को दशार्ता है कि स्थानीय भागीदारी ग्रामीण अवसंरचना को चलाए रखने में किस तरह की भूमिका निभा सकती है।

ग्राम प्रधान रचना देवी के नेतृत्व में मऊ ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना ने गांव के सभी 340 परिवारों और 1971 निवासियों के लिए घर में नल के जरिए पानी की सप्लाई सुनिश्चित की है। अवसंरचना के निर्माण के साथ ही यह सुनिश्चित करने के प्रयास भी किए गए हैं कि प्रणाली लंबे समय के लिए प्रभावी ढंग से काम करती रहे।

गांव का हर परिवार जल आपूर्ति प्रणाली के संचालन और रखरखाव के लिए मासिक 50 रुपए का उपयोगकर्ता शुल्क देता है। इस तरह हर महीने जमा होने वाली लगभग 5275 रुपए की रकम का इस्तेमाल प्रणाली की नियमित संचालन की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाता है। गांव की जल और स्वच्छता समिति की नियमित बैठकों में बिलिंग, जमा रकम और सेवा आपूर्ति की समीक्षा की जाती है। ये बैठकें जल आपूर्ति प्रणाली के प्रबंधन में पारदर्शिता और सामूहिक निगरानी सुनिश्चित करती हैं। रचना देवी ने समिति में महिलाओं और अनुसूचित जाति समुदायों के सदस्यों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया है। उनके इस प्रयास से ग्राम स्तर पर समावेशी जल प्रशासन को मजबूती मिली है।

हिमालय की ऊंचाइयों पर जल प्रवाह

लद्दाख के लेह जिले में हिमालय की ऊंचाइयों पर बसे माथो गांव में एक भरोसेमंद पेयजल प्रणाली को चलाए रखने के लिए लगातार तकनीकी प्रयासों तथा स्थानीय संस्थाओं और जमीनी कार्यकताओं के बीच तालमेल की जरूरत होती है।

लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी विभाग के लाइनमैन त्सेरिंग दोर्जे ने माथो में ग्राम पेयजल अवसंरचना की स्थापना और रखरखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने दुर्गम क्षेत्र और मौसम की चुनौतीपूर्ण स्थितियों में काम करते हुए यह सुनिश्चित करने में योगदान किया है कि गांव के परिवारों को जल जीवन मिशन के अंतर्गत भरोसेमंद पेयजल कनेक्शन मिल सके। स्थानीय समुदाय के सदस्यों के सामूहिक प्रयासों से गांव में पेयजल सेवाओं के विस्तार और संचालन में मदद मिली है। इस मिसाल से जाहिर होता है कि किस तरह प्रशासनिक और तकनीकी कर्मी ग्रामीण जल कार्यक्रमों को लागू करने में योगदान करते हैं।

गुजरात में जल गुणवत्ता की रक्षा करती महिलाएँ

गुजरात के नवसारी जिले के गणदेवी तालुका के मानेकपुर गाँव में, ग्राम जल गुणवत्ता टीम की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से जल गुणवत्ता की निगरानी की जा रही है। ग्राम जल गुणवत्ता टीम की सदस्य फाल्गुनीबेन संजयभाई राठौड़, जल जीवन मिशन के तहत गाँव के घरों में स्वच्छ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 'फील्ड टेस्ट किट' का उपयोग करके नियमित रूप से पीने के पानी की जांच करती हैं।

पिछले तीन महीनों में, उन्होंने गाँव की सभी बस्तियों के घरों से नमूने एकत्र करने को सुनिश्चित करते हुए, पानी के 19 नमूनों की जाँच की। जाँच के साथ-साथ, समुदाय के भीतर पानी की गुणवत्ता और कीटाणुशोधन के तरीकों (जैसे कि घर पर क्लोरीन से पानी साफ करना) के बारे में जागरूकता गतिविधियाँ भी बढ़ाई जा रही हैं, ताकि स्वच्छ पेय जल उपलब्ध कराने में मदद मिल सके।

वह यह भी सुनिश्चित करती हैं कि जल गुणवत्ता परीक्षण के परिणामों को समुदाय के साथ साझा किया जाए। यदि पानी की गुणवत्ता को लेकर कोई चिंता या समस्या होती है, तो स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार प्रयोगशाला में परीक्षण के माध्यम से नमूनों का सत्यापन किया जाता है। ग्राम पंचायत की एक निर्वाचित सदस्य होने के नाते, फाल्गुनीबेन 'भुलकू महिला बचत मंडल' स्वयं सहायता समूह से भी जुड़ी हुई हैं और गाँव में आशा कार्यकर्ता के रूप में भी कार्य करती हैं, जिससे वह सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता और सामुदायिक एकजुटता में अपना योगदान दे रही हैं।

जल गुणवत्ता की निगरानी और सामुदायिक भागीदारी में अपनी सक्रियता के माध्यम से, वह गाँव में सुरक्षित पेयजल प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने में योगदान दे रही हैं।

सिक्किम में सामुदायिक नेतृत्व आत्मनिर्भर जल प्रबंधन को बढ़ावा दे रहा है

सिक्किम में, दो महिला सरपंचों ने गाँवों को आत्मनिर्भर जल प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ाने में मदद की है। जब सरकार की ग्रामीण नल-जल पहल उनके गाँवों तक पहुँची, तो शीला सुब्बा और पुष्पा सिंटुरी इस प्रयास में शुरू से ही शामिल हो गईं और उन्होंने वहां के लोगों के साथ मिलकर काम करना शुरू कर दिया।

उन्होंने अपने गाँवों के घरों और वार्डों का दौरा किया, स्वच्छ और सुरक्षित पीने के पानी के महत्व तथा सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता के बारे में समझाया। जैसे-जैसे गाँव वाले चचाओं और योजना बनाने में शामिल होते गए, उनमें इस व्यवस्था को बनाए रखने को लेकर एक साझा समझ विकसित हुई। इससे घरों के लिए उपयोगकर्ता शुल्क का योगदान करना आसान हो गया, जिससे गाँवों को अपनी जल आपूर्ति व्यवस्था को बनाए रखने में मदद मिली।

दारांमदीन ब्लॉक के अंतर्गत रुम्बुक जीपीयू में, सरपंच शेला सुब्बा ने ग्राम जल आपूर्ति प्रणाली के प्रबंधन में सक्रिय सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया है। नियमित बैठकों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से, गाँव वाले योजना बनाने और रखरखाव की गतिविधियों में भाग लेते हैं। आज, सभी घरों के साथ-साथ स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में नल के पानी के कनेक्शन उपलब्ध हैं। सामुदायिक भागीदारी से जल आपूर्ति के सुचारू संचालन और किसी भी प्रकार के व्यवधान के तुरंत समाधान में भी मदद मिलती है।

अपर थाम्बोंग जीपीयू में, सरपंच पुष्पा सिंतुरी ने ग्राम जल आपूर्ति प्रणाली की वित्तीय संवहनीयता को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया है। यहाँ के परिवार नियमित रूप से 'उपयोगकर्ता शुल्क' का योगदान देते हैं और एकत्र की गई धनराशि का उपयोग रखरखाव और मरम्मत के लिए पारदर्शी तरीके से किया जाता है। अनुशासित वित्तीय प्रबंधन, उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के साथ, यह गाँव एक विश्वसनीय पेयजल प्रणाली बनाए रखने में सफल रहा है।

गाँवों तक नल के पानी की पहुँच का विस्तार

झारखंड की कंचनपुर ग्राम पंचायत में, मुखिया पिंकी राणा के नेतृत्व में ग्रामीण पेयजल की पहुँच का विस्तार करने के प्रयास कई गाँवों तक पहुँच चुके हैं।

उनके कार्यकाल के दौरान, पंचायत ने कई बस्तियों में शत प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन पहुँचाने का लक्ष्य हासिल किया। इस विस्तार के तहत कंचनपुर गाँव के 670 परिवारों, हेथलाग के 384 परिवारों और गोविंदपुर के 357 परिवारों तक नल का पानी पहुँचाया गया।

इस उपलब्धि के साथ, पंचायत को 'हर घर जल पंचायत' के रूप में मान्यता दी गई, जो इन गांवों में पाइप से पीने के पानी को पहुँचाने के सफल विस्तार को दशार्ता है। इसके साथ ही, परिवारों को नियमित रूप से उपयोगकर्ता शुल्क देने के लिए प्रोत्साहित करने के भी प्रयास किए गए हैं। इस योगदान से समय के साथ जल आपूर्ति प्रणाली के संचालन और रखरखाव में सहायता मिलती है।

सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण जल प्रणालियों को बनाए रखना लद्दाख, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और सिक्किम के उदाहरण यह दशार्ते हैं कि ग्रामीण पेयजल प्रणालियों का कामकाज किस तरह बुनियादी ढांचे और स्थानीय भागीदारी की मिली-जुली ताकत पर निर्भर करता है। 'जल जीवन मिशन' के तहत तैयार किए गए बुनियादी ढांचे के साथ-साथ, ग्राम पंचायतों, अग्रिम पंक्ति के कार्यकताओं, महिला समूहों, प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और तकनीकी कर्मियों की भागीदारी भी गाँव के स्तर पर इन प्रणालियों के रोजाना के कामकाज में योगदान देती है। इस तरह की भागीदारी के माध्यम से, समुदाय ग्रामीण जल आपूर्ति के बुनियादी ढांचे के संचालन, रखरखाव और निगरानी में सहायता करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पूरे देश में घरों तक स्वच्छ पेयजल लगातार पहुँचता रहे।

झारखंड

बोकारो के विभिन्न मस्जिदों में अदा हुई अलविदा की नमाज, अमन-चैन और देश की तरक्की के लिए मांगी दुआ

बिभा संवाददाता

बोकारो : हर साल की तरह इस साल भी बोकारो के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में अलविदा की नमाज सादगी और सौहार्दपूर्ण वातावरण में अदा की गई। उकरीद, सिवनडीह, डुमरो आजाद नगर, हैसाबातु, मखदुमपुर, इस्लामपुर, सिजुवा, झोपरो, बालीडीह, भर्रा, चास, अंसारी मोहल्ला, सुल्तान नगर, न्यू पिंडरगड़िया, सोलागिडी, आगरडीह, धनगरी, करमागौडा, महेशपुर, पिपराटाड़, बस्तेजी, पचौड़ा, रजा नगर, मोहनडीह, जाला, घटयारी, सोनाबाद, नारायणपुर और गोपालपुर समेत कई इलाकों की मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाजियों ने अलविदा की नमाज अदा की।

सुबह से ही विभिन्न मस्जिदों में नमाजियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। मस्जिदों के अंदर के साथ-साथ बाहर भी नमाजियों की भारी भीड़ देखने को मिली। नमाज के बाद लोगों ने देश में अमन-चैन, आपसी भाईचारा और देश की तरक्की व खुशहाली के लिए दुआ मांगी।

इस मौके पर सक्रिय समाजसेवी रिजवानुल होदा उर्फ कारी साहब ने कहा कि अलविदा का अर्थ रुखसत होना या जुदा होना है। माह-ए-रमजान का पवित्र महीना हमसे विदा हो रहा है, इसलिए इसे अलविदा की नमाज कहा जाता है। उन्होंने कहा कि लोग ईद की तैयारियों में जुट गए हैं।

उन्होंने कहा कि यदि रब्बुल आलमीन ने चाहा तो आने वाला जुम्मा 20 मार्च को दोबारा अलविदा की नमाज अदा की जाएगी या फिर चांद दिखाई देने पर ईद की नमाज अदा की जाएगी।

कारी साहब ने लोगों से अपील की कि अपने पड़ोसियों, जरूरतमंदों, मिस्कीनों, गरीबों तथा आर्थिक रूप से कमजोर भाई-बहनों और रिश्तेदारों की मदद को प्राथमिकता दें, ताकि वे भी खुशी-खुशी ईद-उल-फितर का त्योहार मना सकें।

इस अवसर पर समाजसेवी रिजवानुल होदा उर्फ कारी साहब, अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष हाजी कमरुल हक, महासचिव हाजी हुसैन इमाम रिजवी, सचिव महबूब सुब्हानी, कोषाध्यक्ष अब्दुल गफ्फार अंसारी, हाजी साधन बाबू, पूर्व सदर हाजी शम्स तमरेज अंसारी, अब्दुल मन्नान अंसारी, फैयाजुद्दीन अंसारी, हाजी अब्दुल सत्तार अंसारी, हाजी कोट बाबू अंसारी, हाजी शब्बीर अंसारी, हाजी राजा बाबू अंसारी, नसीम अंसारी, इमामुल हक, नसरुल हक शाहबाज, सफीउल्लाह अंसारी, गुलामी ईरानी उर्फ मिट्ठू बाबू, रोशन शहजादा, यकीन अंसारी उर्फ बाजीगर, ख्वाजा गुलाम, मुखिया अजहरुद्दीन अंसारी, मोहम्मद फारूक अंसारी, अबुल कलाम, हसन, जान मोहम्मद, नसीम अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे।

रामनवमी श्रृंगार समिति का उपायुक्त से शिष्टाचार भेंट, झांकी रूट सुधार का किया आग्रह

बिभा संवाददाता

रांची: श्री रामनवमी श्रृंगार समिति, रांची के प्रतिनिधि मंडल ने आज उपायुक्त महोदय से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान समिति ने मंगलवारी घोल तथा महा अष्टमी के आयोजन एवं झांकी प्रतियोगिता में आने वाली समस्याओं की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कराया।

प्रतिनिधि मंडल ने विशेष रूप से झांकी के रूट में होने वाली परेशानियों पर जोर दिया। उन्होंने रूट की मरम्मत, विद्युत व्यवस्था की मरम्मत तथा महा अष्टमी के दिन झांकी रूट पर विशेष पालन कराने का आग्रह किया।

उपायुक्त को विधिवत धार्मिक एवं पूजा के प्रतीक के रूप में चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया तथा महा अष्टमी के आयोजन में निमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष बबलू यादव, मंत्री अजय वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष मयंक गिरी, संयोजक शंकर सिन्हा व राकेश वर्मा (रिंकू), मुख्य सलाहकार विष्णु देव प्रसाद (लीलू), मुख्य संरक्षक सुनील यादव और सुभाष चंद्र झा उपस्थित थे।

देश विरोधी ट्रेड डील के खिलाफ युवा कांग्रेस का संसद घेराव 16 मार्च को

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस ने शुक्रवार को रांची स्थित कांग्रेस भवन में संवाददाता सम्मेलन कर इंडो-यूएस ट्रेड डील के विरोध में 16 मार्च को दिल्ली में संसद घेराव करने की घोषणा की। संगठन के नेताओं ने इस डील को देश और किसानों के हितों के खिलाफ बताते हुए इसका विरोध तेज करने की बात कही।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रांची महानगर युवा कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव सिंह ने कहा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील देश के किसानों पर सीधा प्रहार है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस समझौते के कारण भारत की विदेशी नीति प्रभावित हो रही है और कई फैसलों में अमेरिका का दबाव दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार भारत के उत्पादों पर अमेरिका में लगभग 18 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जबकि अमेरिका के डेयरी और कृषि उत्पादों को भारत में बिना टैरिफ के बेचने की छूट मिल सकती है। इससे भारतीय किसानों के उत्पाद महंगे और अमेरिकी उत्पाद सस्ते हो जाएंगे, जिससे किसानों को नुकसान होगा।

गौरव सिंह ने कहा कि इस डील के विरोध में झारखंड युवा कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ता 16 मार्च को दिल्ली पहुंचकर संसद घेराव में शामिल होंगे। इसके बाद राज्य के सांसदों के आवास के बाहर भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस की मांग है कि इंडो-यूएस ट्रेड डील को तत्काल रद्द किया जाए। यदि सरकार इस पर ध्यान नहीं देती है तो देशहित में जेल भरो आंदोलन भी चलाया जाएगा।

संवाददाता सम्मेलन में बाल संरक्षण आयोग के सदस्य उज्ज्वल तिवारी, अनुशासन समिति के अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, उपाध्यक्ष शिल्पी वर्मा, दीपक साव, विवेक धान तथा महासचिव गौरव गोलू सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

उसुलाईन इंग्लिश मिडियम स्कूल से काफी बच्चे फेल , अभिभावक पहुंचे स्कूल

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत संचालित उसुलाइन इंग्लिश मिडियम स्कूल में काफी संख्या में विद्यार्थी इस बार वार्षिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गये। जिन अभिभावकों को को उनके बच्चे की अनुत्तीर्ण होने का विश्वास नहीं हुआ तो शुक्रवार को विद्यालय जा धमके और फिर शिक्षिकाओं से सभी की उत्तरपुस्तिका दिखाने की मांग की। वहीं लोगों का कहना है कि उनके बच्चे इतना खराब प्रदर्शन नहीं किये होंगे जो कि फेल हो जाएं। इधर, शिक्षिकाओं ने भी बताया कि बच्चों अभिभावक ध्यान नहीं देते हैं , जिसका नतीजा है कि बच्चे पढ़ाई ठीक से नहीं कर पाते हैं। अभिभावक घर में अच्छी तरह ध्यान देंगे तो निश्चित ही अच्छा करेंगे। वहीं अभिभावकों का कहना है कि हम सभी में जानते हैं कि इस स्कूल में अचछ पढ़ाई होती है इसलिए ही नामांकन कराए हैं। लेकिन बच्चों को क्या और कैसे पढ़ाया जाता है कि बच्चे सीख नहीं पा रहे हैं। हमें ट्यूशन ही पढ़ाना होता तो फिर बच्चों को क्यों पढ़ाते। बच्चों को क्या सीखाना है, कैसे सिखाना है । ये सभी। तो शिक्षिकाओं पर निर्भर करता है। वहीं। काफी देर तक बहन हुई। नतीजा यह हुआ कि इसपर बैठक करके निर्णय लेने की बात कही गयी है। और समय दिया गया है। तभी जाकर अभिभावक उसुलाइन स्कूल से निकले ।

धनबाद के लिए ऐतिहासिक दिन : अमृत भारत एक्सप्रेस का हुआ भव्य स्वागत

बिभा संवाददाता

धनबाद। दक्षिण भारत और पूर्वी भारत के बीच रेल संपर्क को मजबूत करने वाली पोत्तनूरझधनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन शुक्रवार को 2199 किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर धनबाद स्टेशन पहुंची। ट्रेन के आगमन पर स्टेशन परिसर में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद सांसद ढुल्लू महतो अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ मौजूद रहे। रेलवे अधिकारियों, कार्यकताओं और यात्रियों ने ट्रेन का फूल-मालाओं से स्वागत किया।

रेलवे के अनुसार यह स्पेशल ट्रेन पोत्तनूर से चलकर लगभग 2199 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए धनबाद पहुंची। अब यह धनबादझपोत्तनूर अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में 14 मार्च को दोपहर 2 बजे धनबाद से रवाना होगी और विभिन्न प्रमुख स्टेशनों पर रुकते हुए 16 मार्च को सुबह 11:20 बजे पोत्तनूर (कोयंबटूर) पहुंचेगी। रेलवे द्वारा शुरू की गई यह नई ट्रेन धनबाद और पोत्तनूर (कोयंबटूर) के बीच सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

ट्रेन का परिचालन बोकारो झ रांची झ राउरकेला झ संबलपुर झ टिटिलागढ़ झ रायगड़ा झ विजयवाड़ा झ काटपाडी झ सलेम झ कोयंबटूर मार्ग से किया जाएगा। फिलहाल इस ट्रेन का संचालन साप्ताहिक आधार पर किया जा रहा है।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक पोत्तनूर से धनबाद तक यह ट्रेन करीब 45 घंटे 45 मिनट में सफर पूरा करेगी और धनबाद से पोत्तनूर लगभग 45 घंटे 20 मिनट में तय की जाएगी।

ट्रेन की संरचना भी यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। इसमें 8 स्लीपर कोच, 11 जनरल कोच, दो दिव्यांग फ्रेंडली कोच और एक पैंट्री कार शामिल हैं। जिससे लंबी दूरी की यात्रा यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक होगी।

इस नई रेल सेवा से दक्षिण भारत के औद्योगिक क्षेत्रों और पूर्वी भारत के कोयला एवं खनिज क्षेत्रों के बीच संपर्क और मजबूत होगा। खासकर कोयंबटूर और तिरुप्पुर जैसे टेक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग हब में काम करने वाले झारखंड और ओडिशा के हजारों प्रवासी मजदूरों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। पहले इन मजदूरों को अपने घर पहुंचने के लिए कई ट्रेनों का सहारा लेना पड़ता था और लंबी व कठिन यात्रा करनी पड़ती थी, लेकिन अब उन्हें सीधी, सस्ती और सुविधाजनक रेल सेवा उपलब्ध हो सकेगी।

रेलवे और स्थानीय लोगों का मानना है कि यह नई अमृत भारत एक्सप्रेस न केवल यात्रियों के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि इससे व्यापार, उद्योग और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस दौरान सांसद ढुल्लू महतो ने धनबाद लोकसभा क्षेत्र की जनता की ओर से प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि धनबाद लोकसभा क्षेत्र की देवतुल्य जनता ने उनसे कई नई ट्रेनों की मांग रखी थी। इस मांग को उन्होंने गंभीरता से प्रधानमंत्री और रेल मंत्री के समक्ष रखा जिसे स्वीकार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पिछले तीन महीनों में धनबाद को तीन नई ट्रेनें मिल चुकी हैं। साथ ही दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे, गोरखपुर और बक्सर के लिए भी नई ट्रेनों की मांग की गई है जिस पर सकारात्मक सहमति मिली है। सांसद ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री जो वादा करते हैं उसे जरूर पूरा करते हैं और उनके मंत्रिमंडल के मंत्री भी उसे अमल में लाते हैं। उन्होंने कहा कि धनबाद लगातार विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में यहां और भी कई सुविधाएं मिलेंगी।

भारतीय रेलवे ने पश्चिम बंगाल में इंफ्रास्ट्रक्चर और यात्री सेवाओं में बड़े सुधार के साथ कनेक्टिविटी और यात्री सुविधा के एक नए चरण की शुरूआत की

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे पश्चिम बंगाल में कनेक्टिविटी, यात्री सुविधाओं और परिचालन दक्षता को और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री की 14 मार्च, 2026 को होने वाली यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण रेलवे पहलों का उद्घाटन और शुभारंभ करने जा रहा है। ये परियोजनाएं रेल मंत्रालय के क्षमता विस्तार, यात्रा अनुभव में सुधार और आधुनिक रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से क्षेत्रीय जुड़ाव को बढ़ावा देने पर निरंतर फोकस को दशार्ती हैं।

इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण पुरुलिया-आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) एक्सप्रेस का शुभारंभ होगा, जिससे पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा। पश्चिम बंगाल के कम कनेक्टिविटी वाले जिलों में से एक पुरुलिया के निवासियों के लिए, यह सेवा पहली बार राष्ट्रीय राजधानी के लिए सीधी रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। उम्मीद है कि यह नया संपर्क पूर्वी भारत और उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे उत्तरी राज्यों के बीच अक्सर यात्रा करने वाले छात्रों, श्रमिकों और परिवारों सहित यात्रियों के लिए यात्रा को काफी आसान बना देगा। कई बार ट्रेन बदलने और लंबे यात्रा मार्गों पर निर्भरता कम करके, यह नई सेवा अधिक सुविधा, यात्रा के समय में कमी और रोजगार एवं शिक्षा के अवसरों तक बेहतर पहुंच प्रदान करेगी।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छह पुनर्निर्मित रेलवे स्टेशनों के उद्घाटन से राज्य में यात्री सुविधाओं को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। कामाख्यागुरी, तामलुक, हल्दिया, बरभूम, अनारा और सिउरी के स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया गया है और इनमें उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पुनर्निर्मित स्टेशनों में बेहतर प्रतीक्षा क्षेत्र, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल सूचना प्रणाली, सुगम आवागमन क्षेत्र और लिफ्ट एवं एस्केलेटर जैसी सुलभ सुविधाएं मौजूद हैं। इन सुधारों का उद्देश्य यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक, सुलभ और सुखद यात्रा का वातावरण तैयार करना और स्टेशन के समग्र अनुभव को बेहतर बनाना है।

प्रमुख रेल मार्गों पर रेल क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से, बेल्दा और दंतान के बीच लगभग 16 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की जाएगी। इस व्यस्त खंड पर तीसरी लाइन के जुड़ने से रेल क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिससे अधिक ट्रेनें चल सकेंगी और भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी। ट्रैक की बढ़ी हुई क्षमता से यात्री और माल ढुलाई दोनों सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित होगा, साथ ही इस मार्ग का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए समयबद्धता और विश्वसनीयता में भी सुधार होगा।

परिचालन दक्षता और सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए, कलाइकुंडा और कनिमोहुली के बीच स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) प्रणाली भी चालू की जाएगी। स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली पटरियों को स्वचालित सिग्नल ब्लॉकों में विभाजित करके ट्रेनों को कम अंतराल पर सुरक्षित रूप से चलाने में सक्षम बनाती है। इस तकनीकी उन्नयन से उच्च सुरक्षा मानकों को बनाए रखते हुए पटरियों के एक ही हिस्से पर अधिक संख्या में ट्रेनें चल सकेंगी। इसका अर्थ यात्रियों के लिए बेहतर सेवा आवृत्ति, समय की पाबंदी और अधिक कुशल ट्रेन परिचालन है।

ये पहलें पश्चिम बंगाल के रेलवे नेटवर्क में हो रहे व्यापक परिवर्तन का हिस्सा हैं। 2014 से राज्य में लगभग 1,400 किलोमीटर नई रेलवे पटरियां बिछाई गई हैं, जिससे रेल क्षमता और कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पश्चिम बंगाल के पूरे रेलवे नेटवर्क का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण भी हो चुका है, जिससे ट्रेनों का परिचालन तेज, स्वच्छ और अधिक ऊर्जा-कुशल हो गया है।

सुरक्षा और परिचालन में सुधार भी प्रमुख प्राथमिकता रही है। राज्य भर में 500 से अधिक रेल फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया गया है ताकि लेवल क्रॉसिंग को समाप्त किया जा सके, यातायात प्रवाह को सुगम बनाया जा सके और दुर्घटनाओं के जोखिम को कम किया जा सके। इसके अतिरिक्त, राज्य में 105 किलोमीटर के मार्ग पर कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली (ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम) को तैनात किया गया है, और 1,041 किलोमीटर के मार्ग पर कार्य जारी है तथा लगभग 3,200 किलोमीटर के कुल क्षेत्र को कवर करने के लिए अनुमोदन प्राप्त हो चुके हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यात्री सुविधाओं का बड़े पैमाने पर उन्नयन किया जा रहा है , जिसके तहत पश्चिम बंगाल के 101 स्टेशनों का लगभग 3,600 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। नौ स्टेशन पहले ही पूरे हो चुके हैं, जो रेलवे सुविधाओं के आधुनिकीकरण और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के निरंतर प्रयासों को दशार्ते हैं।

राज्य में रेलवे नेटवर्क को और मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश किए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल में लगभग 93,000 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं वर्तमान में विभिन्न चरणों में चल रही हैं, जिनमें नई लाइनें बिछाना, स्टेशनों का पुनर्निर्माण, सुरक्षा संबंधी पहल और क्षमता वृद्धि कार्य शामिल हैं। राज्य के लिए वार्षिक रेलवे बजट आवंटन में भी काफी वृद्धि हुई है, जो 2009-14 के दौरान 4,380 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में 14,205 करोड़ रुपये हो गया है।

संक्षिप्त खबरें

प्रख्यात साहित्यकार फणीश्वर नाथ रेणु की जयंती के अवसर पर साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन

कोलकाता(बिभा) : दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्यालय, गार्डनरीच में शुक्रवार को हिन्दी के प्रख्यात साहित्यकार फणीश्वर नाथ रेणु तथा सुप्रसिद्ध कवि, कथाकार और चिंतक अज्ञेय की जयंती के अवसर पर एक गरिमामय साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राजभाषा विभाग द्वारा किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर हिन्दी अधिकारी रीता कायम ने दोनों महान साहित्यकारों के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि फणीश्वर नाथ रेणु ने अपनी रचनाओं के माध्यम से ग्रामीण जीवन की संवेदनाओं और सामाजिक यथार्थ को अत्यंत सजीव रूप में प्रस्तुत किया, जबकि अज्ञेय ने आधुनिक हिन्दी साहित्य को नई दृष्टि, नई संवेदना और प्रयोगशीलता प्रदान की। उन्होंने कहा कि ऐसे साहित्यकारों की जयंती मनाना उनके साहित्यिक योगदान को स्मरण करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को साहित्य के प्रति प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान साहित्यकारों की रचनाओं का पाठ भी किया गया, जिससे उपस्थित कर्मचारियों को हिन्दी साहित्य की समृद्ध परंपरा से परिचित होने का अवसर मिला। साथ ही इस अवसर पर हिन्दी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों को हिन्दी में काम करने के लिए प्रशिक्षित किया गया ।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत आरपीएफ ने दो नाबालिग बालकों को सुरक्षित बचाया

आसनसोल(बिभा): ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई करते हुए आसनसोल मंडल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 11 मार्च 2026 को ट्रेन संख्या 12376 में अकेले यात्रा कर रहे दो नाबालिग बालकों को सुरक्षित बचाया। मानव तस्करी की आशंका से संबंधित विशेष सूचना के आधार पर एसआई विजय कुमार ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट तथा चाइल्ड हेल्पलाइन के कर्मचारियों के साथ मिलकर लगभग 15:20 बजे प्लेटफॉर्म संख्या 02, आसनसोल स्टेशन पर ट्रेन के आगमन के बाद जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान सामान्य श्रेणी के एक कोच में दो नाबालिग बालक अकेले यात्रा करते हुए पाए गए। पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि वे जसीडीह स्टेशन से ट्रेन में सवार हुए थे और अपने परिवार के परिचित एक व्यक्ति के साथ काम के लिए चेन्नई जा रहे थे। आरपीएफ टीम ने तुरंत उनके परिवार के सदस्यों से संपर्क किया, जिन्होंने पूरी जानकारी की पुष्टि की और बच्चों को रोककर सुरक्षित घर भेजने का अनुरोध किया। चूंकि दोनों नाबालिग बिना किसी वैध अभिभावक के यात्रा कर रहे थे, इसलिए उन्हें ट्रेन से उतारकर आसनसोल स्टेशन स्थित चाइल्ड हेल्पलाइन डेस्क पर लाया गया। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों नाबालिगों को आगे की देखभाल और आवश्यक कार्रवाई हेतु चाइल्ड हेल्पलाइन प्राधिकरण को सौंप दिया गया। यह त्वरित कार्रवाई एक बार फिर रेलवे परिसरों और ट्रेनों में बच्चों की सुरक्षा तथा मानव तस्करी की रोकथाम के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत आरपीएफ की सतर्कता को दशार्ती है। यात्रियों से अपील है कि यदि किसी बच्चे को अकेले या संदिग्ध परिस्थितियों में यात्रा करते हुए देखें तो तुरंत रेलवे अधिकारियों को सूचित करें।

यात्री सुविधा के मद्देनजर आनंद विहार टर्मिनल-टाटा वन वे स्पेशल का परिचालन 16 से

धनबाद(बिभा) : यात्री सुविधा के मद्देनजर उनके सुगम आवागमन हेतु गढ़वा रोड- डालटनगंज- बरवाडीह- लातेहार- टोरी- बरकाकाना स्टेशन के रास्ते आनंद विहार टर्मिनल से गाड़ी संख्या 04432 आनंद विहार टर्मिनल- टाटा वन वे स्पेशल का परिचालन किया जायेगा। यह गाड़ी दिनांक 16.03.26 को आनंद विहार टर्मिनल से 05:00 बजे रवाना होगी तथा दिनांक 17.03.26 को 13:00 बजे टाटा पहुँचेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर किया गया शुभारंभ

धनबाद(बिभा): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पोत्तनूर (कोयम्बत्तूर) स्टेशन से गाड़ी संख्या 06619 पोत्तनूर-धनबाद अमृत भारत उद्घाटन स्पेशल के रूप में परिचालन किया गया। इस अवसर पर शुक्रवार को सांसद दुलू महतो एवं धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र धनबाद स्टेशन पर तथा अन्य अतिथि चन्द्रपुरा स्टेशन पर गाड़ी संख्या 06619 पोत्तनूर-धनबाद अमृत भारत उद्घाटन स्पेशल के आगमन के अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर अन्य अतिथि गणमान्य, मंडल के अधिकारीगण, कर्मचारीगण सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रेल पटरियों को उन्नत बनाने का 80 प्रतिशत काम पूरा, 50 प्रतिशत मार्ग सेमी हाईस्पीड के लिए तैयार: वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली: रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय रेल नेटवर्क के 50 प्रतिशत रेल-मार्गों को उन्नत कर सेमी-हाई स्पीट रेलगाड़ी चलाने लायक कर दिया गया है जिस पर रेलगाड़ियां 130 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सुरक्षित दौड़ सकती है।

राज्य सभा में प्रश्न काल के दौरान अपने मंत्रालय से संबधित पूरक प्रश्नों का जवाब देते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में पिछले एक दशक में रेल पटरियों के अपग्रेडेशन (उन्नयन) का काम बहुत गंभीरता से किया जा रहा है। 80 प्रतिशत रेल लाइनों को अपग्रेड कर 110 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार के लिए मजबूत और सुरक्षित किया गया है तथा 50 प्रतिशत मार्ग 130 किमी प्रति घंटे की ट्रेनों के लिए उपयुक्त बनाए जा चुके हैं जो सेमी हाई-स्पीड की श्रेणी में आता है।

उन्होंने यात्री ट्रेनों के समय पर परिचालन के रिकार्ड के बारे में एक अनुपूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि इस समय रेलवे की 24 डिवीजनों में गाड़ियों के समय पर चलने का रिकार्ड 90 प्रतिशत , 43 डिवीजनों में 80 प्रतिशत और आठ डिवीजनों में 95 प्रतिशत तक पहुंच गया है। मदुरै, रतलाम, हुबली, अजमेर जैसे कुछ डिवीजनों में समयानुसार परिचालन का स्तर 77 प्रतिशत है।

श्री वैष्णव ने कहा , ₹भारतीय रेल का यह प्रदर्शन जर्मनी, फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों के स्तर का है पर हमारी तुलना का आधार जापान होना चाहिए जहां समयबद्ध परिलाचन का एक अपना ही पैमाना है।₹ उन्होंने कहा कि इसके लिए वहां कुछ विशिष्ट कार्य प्रणालियां हैं जिनमें से कुछ को भारतीय रेल में भी अपनाया जा रहा है।

रेल मंत्री ने कहा कि जापान में मरम्मत और रख रखाव की योजना 26 सप्ताह पहले से लागू की जाती है। भारत में भी पिछले दो-ढाई साल से इसकी शुरूआत की गयी है जिसके परिणाम बहुत अच्छे आ रहे हैं। इसके और व्यापक इस्तेमाल और इसमें महारथ हासिल कर लिये जाने के बाद स्थिति में निश्चित रूप से बड़ा सुधार दिखेगा।

उन्होंने कहा कि यात्री ट्रेनों के समय पर आने-जाने को सुनिश्चित करते के लिए भारतीय रेल का मुख्य रूप से प्रौद्योगिकी वाले औजार और समाधान समावेश जिसमें एआई आधारित निगरानी के अलावा रख रखाव पर जोर है। रेल अवसंरचना की निरंतर निगरानी के लिए इंटरनेट ऑफ दी थिंग्स और एआई का भी प्रयाग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिंगल सेट ट्रेन (जिसमें इंजन को ट्रेन से अलग नहीं करना पड़ता) से भी समयबद्धता सुधरी है।

उन्होंने कहा कि भारतीय रेल हर रोज 25000 ट्रेनों का परिचालन करती है और इनकी समय सारिणी का प्रबंधन एक जटिल काम है।

ट्रेनों की समयबद्धता को लेकर यात्रियों को डैश-बोर्ड (इलेक्ट्रानिक सूचना पट्टिका) की सुविधा दिये जाने के विचार के संबंध में एक अन्य अनुपूरक प्रश्न के जवाब में श्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे के नेटवर्क के इष्टतम उपयोग के लिए रेलवे अपनी समय सारिणी पर आईआईटी बांबे और आईआईटी मद्रास के माध्यम से अनुसंधान करा रही है। आईआईटी मुंबई ने कुछ अच्छा काम किया है। रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) भी नेटवर्क के इष्टतम प्रयोग को सुनिश्चित करने में आईटी टूल के विकास में लगा रहता है।

रेल मंत्री ने कहा कि जापान और दक्षिण कोरिया में यात्रियों के लिए रेल कॉरीडोर अलग कर दिए गये हैं और पुराने मार्गों को मालगाड़ी गलियारों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस बार के बजट में सात हाईस्पीड रेल गलियारों की घोषणा उसी दिशा में शुरूआत है। उन्होंने उदाहरण दिया कि चेन्नई- बेंगलूरू हाईस्पीड गलियारे के चालू हो जाने पर दोनों महानगरों की दूरी घट कर 73 मिनट की रह जाएगी।

एक अन्य प्रश्न के जवाब में रेल मंत्री ने कहा कि मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरीडॉर के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय के एक दल ने हाल में कार्य का निरीक्षण करने के बाद प्रगति पर संतोष जताया है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की पिछली उद्धव ठाकरे सरकार ने इस परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण का काम नहीं किया जबकि गुजरात में समय से जमीन की व्यवस्था होने के चलते वहां के हिस्से में पहले से ही काम तेज चल रहा है। इस रेल-मार्ग पर देश में पहली बार समुद्र के अंदर रेल टनल बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है।

महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका में आगे आने की आवश्यकता : जिप अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

बोकारो। महिला महोत्सव सप्ताह के अवसर पर शुक्रवार को जिला प्रशासन द्वारा जिला पंचायत संसाधन केंद्र (डीपीआरसी) में पंचायती राज एवं विकेंद्रीकरण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपने-अपने पंचायतों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 20 महिला मुखियाओं को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया, वहीं उपस्थित अन्य सभी मुखियाओं को पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता देवी, उप विकास आयुक्त (डीडीसी) श्रीमती शताब्दी मजूमदार, डीपीआरओ मो. सफीक आलम, नोडल पदाधिकारी श्री पंकज दूबे, तांतरी दक्षिणी की मुखिया शांति देवी, बुंडू की मुखिया निहारिका सुकृति तथा जरीडीह पूर्वी की मुखिया कंचन देवी, प्रदान की पीयूष मोई, पिरामल फाउंडेशन के सुदीप्त हाजरा सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता देवी ने कहा कि पंचायतों के समग्र विकास के लिए महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका में आगे आने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण विकास की प्रक्रिया और अधिक मजबूत होगी।

बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना समय की आवश्यकता

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीडीसी ने कहा कि आज समाज में बेटियों को अधिक से अधिक शिक्षित करने और उन्हें आत्मविश्वासी तथा महत्वाकांक्षी बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने महिला मुखियाओं से कहा कि जिस प्रकार वे अपने घरों को सजाने-संवारने में लगन से कार्य करती हैं, उसी प्रकार अपने पंचायतों के विकास के लिए भी समर्पित होकर कार्य करें।

अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील

मौके पर डीपीआरओ ने मानवाधिकार, महिला अधिकार, बाल अधिकार, महिला हिंसा तथा बाल विवाह जैसे विषयों पर विस्तार- से जानकारी दी और पंचायत प्रतिनिधियों से इन मुद्दों के प्रति जागरूक और संवेदनशील रहने की अपील की। वहीं, मनरेगा नोडल पदाधिकारी ने मनरेगा योजना में महिलाओं को प्राप्त विशेष अधिकारों और अवसरों के बारे में विस्तार से बताया।

योजनाओं से मजबूत हो रहा महिला सशक्तिकरण

जेएसएलपीएस के डीपीएम ने कहा कि जेएसएलपीएस की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

महिला मुखियाओं ने साझा किए अनुभव

कार्यक्रम के दौरान बुंडू की मुखिया निहारिका सुकृति ने जेंडर रेस्पॉन्सिव पंचायत की अवधारणा पर अपने विचार रखे। इसके अलावा जरीडीह पूर्वी की मुखिया कंचन देवी, टांड़बालीडीह की मुखिया माना देवी तथा गोविंदपुर डी पंचायत की मुखिया चंदना मिश्रा ने भी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन विजय ठाकुर ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रदान के सूरज सेन, जया पुरकैत, सुप्रतीक बरमन, रौशन सहानी, शोभा, बबीता, सविता तथा एभीए संस्था के अमर का अहम योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन बाल विवाह के खिलाफ सामूहिक शपथ के साथ किया गया।

लाल किला धमाका मामले में सात आरोपितों की न्यायिक हिरासत 15 दिन और बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने लाल किला विस्फोट मामले की आरोपित डॉ शाहीन सईद समेत सात आरोपितों की न्यायिक हिरासत 15 दिन और बढ़ा दी है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पीतांबर दत्त ने ये आदेश दिया। सातों आरोपितों की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को खत्म हो रही थी जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इसकी जांच की समय सीमा 90 दिन और बढ़ाने की मांग की थी। कोर्ट ने डॉ शाहीन सईद के अलावा जिन आरोपितों को न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया उनमें मुफ्ती इरफान अहमद, डॉ आदिल अहमद, जसीर बिलाल वानी दानिश, यासिर अहमद डार, नसील बिलाल मल्ला और डॉ मुजम्मिल शकील शामिल हैं। एनआईए ने दानिश को श्रीनगर से गिरफ्तार किया था। एनआईए के मुताबिक दानिश ने ड्रोन में तकनीकी बदलाव किए और कार बम विस्फोट से पहले रॉकेट तैयार करने की कोशिश की। एनआईए के मुताबिक दानिश ने उमर उन नबी के साथ मिलकर पूरी साजिश को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई। राजनीति विज्ञान में स्नातक दानिश को आत्मघाती हमलावर बनाने के लिए उमर ने ब्रेनवाश किया। वह अक्टूबर 2024 में कुलगाम की एक मस्जिद में डॉक्टर मॉड्यूल से मिलने को तैयार हुआ, जहां से उसे हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय में रहने के लिए ले जाया गया।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com